दिनमान | तापमान
सूर्योदय 4.53 | सूर्यास्त 6.14 | अधिकतम 37° | न्यूनतम 30°

वर्ष 18, अंक 337 पृष्ठ 12
कोलककाता, सोमवार, 25 मई 2026
ज्येष्ठ, शुक्लपक्ष, दशमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

फलता में भाजपा को मिली बंपर जीत

सीपीएम प्रत्याशी को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया ■ तृणमूल के जहांगीर की जमानत जब्त ■ यह परिणाम जनता की जीत : देबांग्शु

कोलकाता: कोलकाता पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए दोबारा मतदान की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा प्रत्याशी देबांग्शु पांडा को विजयी घोषित किया गया. भाजपा प्रत्याशी को 1,49,666 वोट मिले. जीत का अंतर 1.09 लाख वोट से अधिक रहा.

पांडा की जीत के बाद इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी. जीत की खबर सामने आते ही दक्षिण 24 परगना में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्सव जैसा माहौल बना दिया. ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने उम्मीदवार को बधाई दी और इसे संगठन की बड़ी सफलता बताया. जीत के बाद बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं बल्कि फलता की जनता की जीत है. उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ जगहों पर डर और चुनौतियां थीं, लेकिन अंततः जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाया. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक दूसरे नंबर पर वाम दर के प्रत्याशी रहे. कांग्रेस तीसरे नंबर पर, जबकि टीएमसी उम्मीदवार चौथे स्थान पर रहे. सीपीआईएम प्रत्याशी शंभु नाथ कुर्मी को 38,285 वोट मिले हैं. बता दें कि बीते 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के दौरान इस सीट पर मतदान हुआ था. उस समय ईवीएम में हेरफेर और गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे थे. भारी हंगामे के बाद निर्वाचन आयोग ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 बूथों पर मतदान रद्द कर दिया था. इसके बाद बीते 21 मई को पूरी सीट पर दोबारा मतदान कराने का आदेश जारी किया गया था.

21 मई को हुए पुनर्मतदान में मतदाताओं ने भारी उत्साह दिखाया. क्षेत्र के कुल 2.36 लाख मतदाताओं में से 87 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. पुनर्मतदान को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था दोगुनी कर दी थी. पूरे निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय बलों की करीब 35 कंपनियां तैनात की गई थीं, जिससे मतदान प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हुई.

जीत के ऋण को विकास के जरिये चुकायेंगे : सीएम शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता: विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडेय की एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई जीत का श्रेय जनता को देते हुए तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि डायमंड हार्बर मॉडल अब 'तृणमूल की हार-बार' मॉडल बन गया है. शुभेंदु अधिकारी ने फलता की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को भारी मतों से विजयी बनाया है. उन्होंने कहा कि इस जीत के ऋण को विकास के माध्यम से चुकाया जाएगा और फलता को 'स्वर्णिम फलता' बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने कहा कि यह जीत उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो सिद्धांतों और विचारधारा से रहित होकर, एक माफिया कंपनी की तरह काम कर रहे थे.

भारत-अमेरिका रिश्तों को नई धार

साझा हितों पर मिलकर करेंगे काम : रूबियो

जयशंकर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा

नयी दिल्ली: अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिनों के भारत दौरे पर हैं. शनिवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की. शीर्ष अमेरिकी राजनयिक रविवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की. इसके बाद वे मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे, जिसमें भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे. यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब वाशिंगटन और नई दिल्ली बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने की कोशिश कर रहे हैं.

मार्को रुबियो ने कहा कि जिन मुद्दों पर हम भारत के साथ मिलकर काम करते हैं, उनका दायरा, यह दिखाता है कि भारत यूनाइटेड स्टेट्स का एक जरूरी स्ट्रेटेजिक पार्टनर है, दुनिया में हमारे सबसे ज़रूरी स्ट्रेटेजिक पार्टनर्स में से एक है. यह हमारी शेयर्ड वैल्यूज़ से शुरू होता है. हम दुनिया की दो सबसे बड़ी डेमोक्रेसी हैं और इसलिए जाहिर है कि यह अपने आप में हमारे हितों को एक साथ लाना शुरू कर देता है, क्योंकि हमारे लीडर रेगुलर बेसिस पर वोटर्स और लोगों को सीधे जवाब देते हैं.' मार्को रुबियो ने कहा, 'दुनिया में हमारे सबसे जरूरी स्ट्रेटेजिक पार्टनर्स में से एक के इस जरूरी दौरे पर आप सभी के साथ यहां होना मेरे लिए सम्मान की बात है. जाहिर है, हमारे रिश्ते हैं, और हम दुनिया भर के देशों के साथ काम करते हैं, और हमें ऐसा करने की जरूरत है, जैसा कि भारत करता है, और हमारे देशों के साथ हर तरह के गठबंधन और पार्टनरशिप हैं जिन पर हम कभी-कभी अलग-अलग और पर्सनलाइज़्ड मुद्दों पर काम करते हैं, तो कभी-कभी दुनिया के एक या दूसरे इलाके से जुड़े बड़े मुद्दों पर. एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप कुछ बहुत अलग होती है. यह उससे कहीं ज़्यादा बड़ी होती है. एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तब होती है जब दो देशों के तौर पर आपके हित एक जैसे होते हैं, और आप उन समस्याओं को हल करने के लिए स्ट्रेटेजिक तरीके से मिलकर काम करते हैं...

अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट मार्को रुबियो के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'सेक्रेटरी रुबियो और मैंने आज सुबह अपनी द्विपक्षीय वार्ता की है. यह सेक्रेटरी का भारत का पहला दौरा है, लेकिन ऑफिस में उनके पहले दिन से ही, हम असल में हमेशा टच में रहे हैं. मैं उस दिन आपसे मिलने वाले पहले लोगों में से एक था. हमारा लगातार जुड़ाव रहा है जिससे हमें अपने दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर और बढ़ते सहयोग की देखरेख करने में मदद मिली है. 'रूबियो अपनी भारत यात्रा की शुरुआत कोलकाता से की. शनिवार सुबह पूर्वी भारत के इस महानगर पहुंचने के बाद उन्होंने सेंट टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय मदर हाउस का दौरा किया. रूबियो कोलकाता से दिल्ली के लिए रवाना हुए, जहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक प्रस्तावित है.

फालता हारने के बाद झुंझलायी ममता बनर्जी ने कहा

जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे, तो कर्म फल भुगतना ही पड़ेगा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर बीजेपी की रिकॉर्ड मार्जिन से जीत के बाद ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला बोला है. ममता बनर्जी ने एक बार फिर चुनावों में धांधली के आरोपों को दोहराते हुए कहा है कि गिनती के दौरान ईवीएम में हेराफेरी की गई, वोट लूटे गए और मुझे गिनती केंद्र से बाहर धकेल दिया गया. ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी शासन में पुलिस शिकारी बन गई है. उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के दफ्तरों में लूटपाट की गई, महिलाओं पर हमला किया गया. ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश में केंद्र की बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार पर बड़ा निशाना साधा.

ममता बनर्जी ने टीएमसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब कल्याणी एक्सप्रेस सेतु बनाया गया था, तो सड़क पर 43 घर प्रभावित हुए थे, और हमने उनके पुनर्वास के लिए बिल्कुल वैसे ही 43 घर बनाए थे. अब, यहां लूटपाट, तोड़फोड़ और सभी निशानों को मिटाने की कोशिशें हो रही हैं. जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे, तो आपको अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा. ममता बनर्जी ने कहा कि हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं. मैं न्यायपालिका को याद दिलाना चाहती हूं कि वे ही कानून के असली रक्षक हैं. ममता बनर्जी ने कहा कि मैं राज्य प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ती रहूंगी. ममता बनर्जी ने कहा कि मैं देखूंगी कि किसमें ज्यादा ताकत है. संविधान में या बंदूक की नली में.

ममता बनर्जी ने दावा किया कि लगभग 150 सीटों पर परिणामों में हेरफेर किया गया. उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो उनकी पार्टी 220 से 230 सीटें जीत सकती थी. उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि वास्तव में विपक्ष चुनाव जीता है तो लोग संतुष्ट क्यों नहीं हैं? कुछ लोग माथे पर पट्टी बांधकर बाइक में निकल रहे हैं और लोगों के घर और पार्टी दफ्तरों को लूट रहे हैं. मां-बहनों के आत्मसम्मान को लूट रहे हैं. लोग खुलकर बोल भी नहीं पा रहे हैं. सुश्री बनर्जी ने कहा कि 4 मई के नतीजों के बाद बंगाल के लोग और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता आतंक का शिकार हुए हैं. ममता बनर्जी ने केंद्र और बंगाल की बीजेपी की अगुवाई वाली सरकारों पर यह हमला फालता में टीएमसी की बड़ी हार के बाद बोला है.

फेंसिंग में अड़ंगा डालने पर गरजे अर्जुन सिंह

मोदी जी कहेंगे तो 2 दिन में जीत लेंगे बांग्लादेश

सिलीगुड़ी: पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के पास फांसीदेवा में आखिरकार सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है. पश्चिम बंगाल सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा को मज़बूत करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर जमीन सौंप दी है. यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन की दिशा में एक अहम कदम है. तीन बीघा गलियारे के पास बाड़बंदी के दौरान बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की हरकतों पर बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. बीएसएफ और बीजीबी के बीच हुई कहासुनी पर बीजेपी विधायक अर्जुन सिंह ने कहा कि उनके पास तो कारतूस भी नहीं है. अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के बीएसएफ जवानों को आदेश दे दें, तो हम दो दिन के अंदर ही बांग्लादेश पर आसानी से जीत लेंगे.इस बीच शनिवार को तनाव के बीच दोनों देशों के बीच फ्लैग मीटिंग हुई, जिसमें बीएसएफ ने स्पष्ट किया कि बॉर्डर पर अभी जमीन की पैमाइश चल रही है, इसके बाद कंटीले तार जरूर लगाए जाएंगे. बीजीबी की ओर से सफाई दी गई कि उसे बॉर्डर के 150 गज के दायरे में स्थायी निर्माण से आपत्ति है.बता दें कि पश्चिम बंगाल में भारत की सीमा बांग्लादेश से लगती है. रिपोर्ट्स के अनुसार, बंगाल में 569 किलोमीटर की सीमा अभी भी खुली है. भौगोलिक स्थिति के कारण 113 किमी में फेंसिंग करना संभव नहीं है. पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद खुली सीमा पर बाड़बंदी की प्रक्रिया तेज हो गई है. कई जगह ऐसी है, जहां बांग्लादेश अपनी जमीन होने का दावा करता है. हाल ही में कूचबिहार में पैमाइश के दौरान बीएसएफ और बांग्लादेश गार्ड के बीच बहस हुई थी.

कोलकाता में अवैध इमारतों पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू

तृणमूल नेताओं से जुड़ी तीन संपत्तियां ध्वस्त

कोलकाता: कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने रविवार को तिलजाला, कस्बा और बेलेघाटा सहित शहर के कई हिस्सों में कथित अवैध ढांचों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत बुलडोजर कार्रवायी शुरू किया. अधिकारियों ने बताया कि केएमसी ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उन ढांचों को ध्वस्त किया, जो नगर नगम के नियमों का कथित रूप से उल्लंघन कर बनाए गए थे. नगर निगम के अधिकारी तिलजाला के वार्ड-66 में पहुंचे और कड़ी सुरक्षा के बीच इमारतों के अनाधिकृत हिस्सों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया. इस वार्ड का प्रतिनिधित्व तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक जावेद खान के बेटे फैयाज अहमद खान करते हैं. अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह का अभियान बेलेघाटा पुलिस थाना क्षेत्र में ईस्ट कुरिया रोड पर भी चलाया गया, जहां तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता राजू नस्कर से कथित तौर पर जुड़ी एक इमारत को ध्वस्त कर दिया गया. केएमसी के एक अधिकारी ने बताया, 21 मई को मकान मालिक को नोटिस जारी कर 48 घंटों के भीतर संबंधित भवन दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया था. मकान मालिक की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर आज अतिक्रमण रोधी दल ने कार्रवाई शुरू कर दी.

अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों ने पहले हथौड़ों और कुल्हाड़ियों का इस्तेमाल करके ढांचे के कुछ हिस्सों को हाथ से तोड़ा, जिसके बाद बड़े हिस्सों को गिराने के लिए बुलडोजर की मदद ली गई. यह कार्रवाई तिलजाला में एक अवैध कारखाने में आग लगने की घटना के बाद की गई, जिसमें दो लोगों की जान चली गई थी. चौंकाने वाली बात यह है कि मलबे में तब्दील हो रही इन तीनों अवैध संपत्तियों के तार तृणमूल कांग्रेस के रसूखदार नेताओं से जुड़े हैं। इस बीच, भूमि घोटाले के आरोपी 'सोना पप्पू' से जुड़े कस्बा इलाके के कुछ हिस्सों में भी ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया.

आरोप है कि वहां बिना अनुमति के पांच मंजिला इमारत का निर्माण किया गया था.

पश्चिम बंगाल की शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कस्बा का दौरा किया और अभियान की निगरानी कर रहे नगर निगम के अधिकारियों और पुलिस कर्मियों से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने साफ संकेत दिया कि सिर्फ अवैध निर्माण करने वाले प्रमोटर और डेवलपर्स ही नहीं, बल्कि वर्षों तक ऐसे निर्माणों को नजरअंदाज करने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी. मीडिया से बातचीत में मंत्री पाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों के तृणमूल शासनकाल में जिन अधिकारियों ने अवैध निर्माण को बढ़ावा दिया या आंख मूंदकर बैठे रहे, उन्हें भी चिन्हित किया जा रहा है.

बलूचिस्तान में रेल पटरी के पास आत्मघाती हमला

24 लोग मारे गये, 82 घायल

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई.

ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी. विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई. धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई. फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया. पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए. सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है.धमाके के बाद रेलवे ट्रैक पर आग लग गई और ट्रेन के कई डिब्बे पलट गए. इस दौरान वहां खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई. धमाके के बाद रेलवे ट्रैक पर आग लग गई और ट्रेन के कई डिब्बे पलट गए. इस दौरान वहां खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई. बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है. उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की.फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं.

जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है. यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है. यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है. हाल के सालों में बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों पर कई बड़े हमले हो चुके हैं. यह ट्रेन जिन इलाकों से गुजरती है वहां बलूच लिबरेशन आर्मी का दबदबा है, इस वजह से इस ट्रेन को कई बार निशाने पर लिया गया है. पिछले साल बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया. तब बीएलए ने 214 पैसेंजर्स को बंधक बनाने और 30 सैनिकों की हत्या की बात कही थी.

पश्चिम बंगाल से घुसपैठियों को वापस भेजने की कवायद तेज!

हर जिले में होल्डिंग सेंटर बनाने का आदेश जारी

केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप उठाया गया कदम

बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को जमीन भी दे चुकी है सरकार

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य के सभी जिलों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशियों और प्रत्यावर्तन की प्रतीक्षा कर रहे विदेशी कैदियों के लिए 'होल्डिंग सेंटर' स्थापित करने का निर्देश दिया है. राज्य गृह एवं पर्वतीय मामलों विभाग की विदेशी शाखा ने 23 मई को जारी आदेश में जिला प्रशासन से आवश्यक ढांचा तैयार करने को कहा है. सरकारी सूत्रों के अनुसार, इन केंद्रों का उपयोग उन विदेशी नागरिकों को अस्थायी रूप से रखने के लिए किया जाएगा, जिन पर अवैध रूप से भारत में रहने का संदेह है या जिनकी निर्वासन प्रक्रिया जारी है. आदेश में कहा गया है कि यह कदम केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप उठाया जा रहा है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हाल ही में राज्य में डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट नीति लागू करने की घोषणा की थी. इसके बाद इस प्रशासनिक आदेश को सरकार की सख्त घुसपैठ विरोधी नीति का हिस्सा माना जा रहा है.

आदेश में पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्रालय की उस सलाह का उल्लेख किया गया है, जिसमें भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं से निपटने की प्रक्रिया तय की गई थी.

जिला मजिस्ट्रेटों से कहा गया है कि वे पकड़े गए विदेशियों और रिहा किए गए विदेशी कैदियों के लिए होल्डिंग सेंटर स्थापित करें, ताकि प्रत्यावर्तन पूरा होने तक उन्हें वहां रखा जा सके. सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध अवैध प्रवासियों को पहचान सत्यापन और दस्तावेजों की जांच के दौरान अधिकतम 30 दिनों तक ऐसे केंद्रों में रखा जा सकता है. नागरिकता निर्धारण का अंतिम फैसला जिला मजिस्ट्रेट या समकक्ष अधिकारी करेंगे. इस प्रक्रिया में बायोमेट्रिक डेटा संग्रह, केंद्रीय पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना और बाद में सीमा सुरक्षा बल को सौंपना भी शामिल है.एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जिलों को पहले से तैयार और प्रक्रिया के अनुरूप रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है. प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस आयुक्तालयों, जिला पुलिस अधीक्षकों और कोलकाता स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय को भी आदेश की प्रतियां भेजी गई हैं.कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कहा था कि राज्य पुलिस द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को अदालतों में लंबी प्रक्रिया के बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल को सौंपा जाएगा. उन्होंने स्पष्ट किया था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के दायरे से बाहर आने वाले लोगों को अवैध घुसपैठिया माना जाएगा.

सरकारी अधिकारियों का मानना है कि यह व्यवस्था संसद द्वारा पिछले वर्ष पारित आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम 2025 से जुड़ी हो सकती है. इस कानून ने विदेशी नागरिकों, पंजीकरण और निर्वासन से जुड़े पुराने कानूनों की जगह ली है तथा पुलिस को अधिक अधिकार दिए हैं. हालांकि केंद्र सरकार ने बाद में आदेश जारी कर अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए कुछ अल्पसंख्यक समुदायों को संरक्षण प्रदान किया था, यदि वे 31 दिसंबर 2024 से पहले भारत आए हों.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में घुसपैठ का मुद्दा लंबे समय से चुनावी राजनीति का अहम हिस्सा रहा है. अब यह मुद्दा केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित न रहकर प्रशासनिक स्तर पर भी लागू होता दिखाई दे रहा है.

हावड़ा से दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेज बनाकर भारत में रहने का आरोप

हावड़ा : जिले के जगाछा थाना इलाके से पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि दोनों फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से भारत में रह रहे थे.गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रमजान गाजी और आरिफा बेगम के रूप में हुई है. दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया है. उनकी उम्र 35 से 37 वर्ष के बीच बताई जा रही है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों को जगाछा थाना क्षेत्र के उनसानी इलाके से गिरफ्तार किया गया. वे उनसानी के माझेरपाड़ा इलाके में रह रहे थे. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उनका घर बांग्लादेश के सातखीरा जिले में है.पुलिस का आरोप है कि दोनों ने फर्जी पहचान दस्तावेज बनवाकर भारत में प्रवेश किया और यहां रह रहे थे. गिरफ्तार आरोपितों को रविवार को हावड़ा जिला अदालत में पेश किया जाएगा.गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहा है. भाजपा लगातार इस मुद्दे को उठाती रही है. राज्य में नई सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अवैध घुसपैठ रोकने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है.

रिषड़ा में पूर्व सैनिकों की अहम बैठक, वीर नारियों की समस्याओं और सैनिक हितों पर हुई चर्चा

हुगली : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद की हुगली शाखा से जुड़े पूर्व सैनिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार शाम रिषड़ा के लक्खी पल्ली इलाके में आयोजित की गई. बैठक में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई.बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और पूर्व सैनिकों ने राज्य में पूर्व सैनिकों के अधिकार, रोजगार, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी राय रखी.संगठन के अध्यक्ष मनोज बनर्जी ने कहा कि परिषद का मुख्य उद्देश्य देश की सेवा कर चुके सैनिकों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा करना है.उन्होंने कहा कि संगठन पश्चिम बंगाल में पूर्व सैनिकों को रोजगार के अवसर दिलाने, वीर नारियों की पेंशन और अन्य प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में सहयोग करने के लिए लगातार काम कर रहा है.मनोज बनर्जी ने बताया कि संगठन जल्द ही पूर्व सैनिक चंद्रनाथ रथ की हत्या के विरोध में आंदोलन शुरू करेगा. उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और न्याय की मांग को लेकर व्यापक स्तर पर आवाज उठाई जाएगी.बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मान और सुरक्षा मिलना बेहद जरूरी है. संगठन ने भविष्य में भी सैनिक हितों को लेकर सक्रिय रूप से संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया.

दुर्गापुर के सेन मार्केट में बदमाशों का तांडव, व्यापारियों से मारपीट का आरोप

दुर्गापुर : दुर्गापुर के सेन मार्केट इलाके में रविवार सुबह कुछ बदमाशों ने कथित रूप से बाजार में घुसकर तांडव मचाया. इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई.आरोप है कि चेहरे पर काला कपड़ा बांधे एक समूह ने दुकानदारों पर हमला किया, सब्जियां सड़क पर फेंक दीं और कई दुकानों में तोड़फोड़ की.इस घटना में सेन मार्केट व्यवसायी समिति के महासचिव सागर साहा भी घायल बताए जा रहे हैं. व्यापारियों का आरोप है कि चुनाव परिणाम आने के बाद से ही बाजार समिति पर कब्जे को लेकर दबाव बनाया जा रहा था.व्यवसायी समिति का कहना है कि एक गैर-राजनीतिक संगठन के कार्यालय पर कब्जे की कोशिश की जा रही थी, जिसका विरोध करने पर विवाद बढ़ गया. रविवार सुबह स्थिति तब और बिगड़ गई जब कथित बदमाशों ने बाजार में घुसकर हमला शुरू कर दिया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई.सूचना पाकर पश्चिम बंगाल पुलिस की कॉकओवन थाने की टीम भारी संख्या में मौके पर पहुंची. हालात को काबू में करने के लिए केंद्रीय बलों के जवानों को भी तैनात किया गया.वहीं, कुछ व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लाठीचार्ज का भी आरोप लगाया है. इस घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है. फिलहाल इलाके में पुलिस तथा सीएपीएफ बल तैनात है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है.

उत्तरबंग दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार

सिलीगुड़ी:केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार अपने उत्तरबंग (उत्तरी बंगाल) दौरे के तहत आज बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचे. वहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति से लेकर विपक्षी दलों के भविष्य तक, कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी. तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है.
भविष्य में टीएमसी के अस्तित्व पर खड़े होंगे सवालसत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी को आड़े हाथों लेते हुए सुकांत मजूमदार ने कहा, भविष्य में तृणमूल कांग्रेस के अस्तित्व और उसके प्रभाव पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं. राज्य की राजनीतिक स्थिति बहुत जल्द एक नया मोड़ लेने वाली है. इसके साथ ही उन्होंने बंगाल में विपक्षी राजनीति के भविष्य पर भी अपनी राय रखी. केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, आने वाले समय में पश्चिम बंगाल की जनता ही यह तय करेगी कि कौन सी पार्टी मुख्य विपक्षी ताकत बनकर उभरेगी. उन्होंने राज्य में भाजपा की दीर्घकालिक राजनीतिक ताकत और संगठन के विस्तार को लेकर गहरा आत्मविश्वास जताया.राहुल गांधी के बयानों से खुद उनकी पार्टी के कार्यकर्ता रहते हैं भ्रमित
कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए सुकांत मजूमदार ने कहा, राहुल गांधी के विभिन्न बयानों से अक्सर राजनीतिक हलकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है. स्थिति यह है कि खुद उनकी अपनी पार्टी के कार्यकर्ता भी कई मामलों में अपने नेता के रुख को लेकर स्पष्ट नहीं रहते हैं और असमंजस में पड़ जाते हैं.कानून का सम्मान नहीं करने वालों पर होगी प्रशासनिक कार्रवाईटीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के हालिया विवादित बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने सख्त रुख अपनाया. उन्होंने कहा, कानून और प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति हर किसी को सम्मान और निष्ठा रखनी चाहिए. देश में कानून से ऊपर कोई नहीं है. अगर कोई भी व्यक्ति कानून का सम्मान नहीं करता है, तो प्रशासन उसके खिलाफ आवश्यक और सख्त कदम उठाएगा.

सीधे शंकर कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के भाजपा विधायक शंकर घोष के पहल पर रविवार को बाघाजतीन पार्क में सीधे शंकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में सिलीगुड़ी के अलावा मालदा, कूचबिहार और कोलकाता समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे.कार्यक्रम के दौरान लोगों ने अपनी व्यक्तिगत समस्याओं, जमीन कब्जा, और भर्ती में भ्रष्टाचार जैसे कई गंभीर मुद्दे विधायक के सामने रखे. विधायक शंकर घोष ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को मुख्यमंत्री के साथ-साथ संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा.उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे.विधायक ने यह भी बताया कि इससे पहले भी सीधे शंकर कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है और भविष्य में सिलीगुड़ी के अलग-अलग इलाकों में इस पहल को जारी रखा जाएगा. उन्होंने घोषणा की कि सिलीगुड़ी नगर निगम में भी बरो (वार्ड) स्तर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा,

कल्याण बनर्जी ने थाना प्रभारी को सौंपी लिखित शिकायत

हुगली : श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी रविवार को श्रीरामपुर थाना पहुंचे और पुलिस पर तृणमूल कांग्रेस नेताओं व पार्षदों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करने का आरोप लगाया.उन्होंने थाना प्रभारी से मुलाकात कर लिखित शिकायत सौंपी और आरोप लगाया कि मतगणना के बाद से पुलिस कार्रवाई लगातार बढ़ गई है. उनके अनुसार, कई पार्षदों को कथित तौर पर झूठे मामलों में फंसाकर गिरफ्तार किया जा रहा है तथा थाने में उनके साथ मारपीट भी की जा रही है.कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा तृणमूल समर्थकों पर हमले किए जा रहे हैं और पुलिस प्रशासन उन्हें संरक्षण दे रहा है.हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

हल्दिया-मेचेदा 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसा, युवक की मौत

हल्दिया : पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया-मेचेदा 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. घटना हल्दिया के सिटी सेंटर के पास मोराम इलाके में हुई.
स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने पीछे से एक तेल टैंकर को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के कारण टैंकर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे पैदल जा रहे युवक को कुचल दिया. युवक के टैंकर के पहिये के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई. हादसे की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. खबर पाकर भवानीपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और युवक को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृत युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है. पुलिस उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है. हादसे के बाद कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई.
पुलिस की प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है. घटना के बाद डंपर और तेल टैंकर के चालक फरार हो गए. पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है. दुर्घटनाग्रस्त डंपर और तेल टैंकर को जब्त कर लिया गया है.

धूपगुड़ी में दो बाइसनों का तांडव: तीन लोग घायल, इलाके में भारी आतंक

धूपगुड़ी : जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी ब्लॉक में रविवार सुबह दो जंगली बाइसनों के घुसने से भारी हड़कंप मच गया. बाइसनों के हमले में एक बच्चे समेत कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और वन विभाग की टीम स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटी है.स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह धूपगुड़ी ब्लॉक के मागुरमारी 1 नंबर ग्राम पंचायत के बीनापानी और पाइकर पाड़ा इलाके में दो बाइसन अचानक घुस आए. बताया जा रहा है कि दोनों बाइसन पास के सोनाखाली जंगल से भटककर रिहायशी इलाके में दाखिल हुए थे. वन्यजीवों को अचानक सामने देख स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई.बाइसनों ने इलाके में दौड़ते हुए रास्ते में आए लोगों पर हमला कर दिया. इस हमले में स्थानीय निवासी गोपाल घोष (67), सुनील राय (51) और जयजीत सरकार (6) नामक एक बच्चा घायल हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइसन के सीधे हमले में बुजुर्ग गोपाल घोष को गंभीर चोटें आई हैं. घटना की सूचना मिलते ही वन कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल गोपाल घोष को रेस्क्यू कर धूपगुड़ी उपमंडल (महकुमा) अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है.इलाके में बाइसनों के खुलेआम घूमने के कारण ग्रामीणों में भारी आतंक है. लोग डर के मारे अपने घरों में दुबके हुए हैं. वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाइसनों को काबू में करने के लिए वन कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है. वन्यजीवों को बेहोश करने के लिए 'ट्रेंकुलाइजिंग गन' (नींद की गोली) भी तैयार रखी गई है, लेकिन बाइसनों के लगातार आक्रामक होकर दौड़ने-भागने के कारण वन कर्मियों को शॉट लेने का सही मौका नहीं मिल पा रहा है. वन विभाग की टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और दोनों बाइसनों को सुरक्षित रूप से वापस जंगल में खदेड़ने या पकड़ने का प्रयास कर रही है.

ट्रक की टक्कर से महिला की दर्दनाक मौत

बागडोगरा : बागडोगरा एयरपोर्ट मोड़ के पास एशियन हाईवे-2 (-क2) पर आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया. यहाँ सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडर पर फूल तोड़ने गई एक महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है.तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्करमिली जानकारी के अनुसार, मृत महिला की पहचान श्रेया देवी के रूप में हुई है, जो बागडोगरा के मस्जिद पाड़ा इलाके की निवासी थीं. रविवार सुबह वह एशियन हाईवे के डिवाइडर पर लगे पौधों से फूल तोड़ने के लिए सड़क पार कर रही थीं. इसी दौरान बागडोगरा पानीघाटा मोड़ की तरफ से आ रहेएक बेहद तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया.
शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा,

अन्नपूर्णा योजना के लिए गांव-गांव भाजपा का शिविर

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के मयना ब्लॉक में भाजपा युवा मोर्चा ने गांव-गांव शिविर लगाकर महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना से जोड़ने की पहल शुरू की है. तिलखोजा, गोजिना समेत कई बूथों पर कार्यकर्ता यह जांच कर रहे हैं कि महिलाओं के बैंक खाते डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) से लिंक हैं या नहीं.शिविरों में महिलाएं आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लेकर पहुंच रही हैं. कार्यकर्ता ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए डीबीटी स्टेटस की जांच कर रहे हैं. कई मामलों में कुछ ही मिनटों में लिंक पूरा हो जा रहा है, जबकि कुछ महिलाओं के आधार से मोबाइल नंबर जुड़े नहीं होने की समस्या सामने आ रही है. ऐसे लोगों को बैंक जाकर मोबाइल नंबर अपडेट कराने की सलाह दी जा रही है.भाजपा युवा मोर्चा का कहना है कि कई महिलाओं को डीबीटी प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी. इसी वजह से 20 मई से 30 मई तक अलग-अलग इलाकों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं. संगठन के अनुसार, बुजुर्ग और घर से बाहर नहीं निकल पाने वाली महिलाओं को फोन पर भी पूरी जानकारी दी जा रही है.रविवार तमलुक संगठनात्मक जिला युवा मोर्चा के महासचिव प्रशांत दास ने कहा कि कई महिलाएं केवल इतना जानती थीं कि डीबीटी लिंक कराना जरूरी है, लेकिन प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी. इसलिए कार्यकर्ता घर-घर जाकर सहायता कर रहे हैं.स्थानीय निवासी रानी महतो और सीमा बारुई ने बताया कि उन्होंने खबरों में डीबीटी लिंक की बात सुनी थी, लेकिन तरीका नहीं जानती थीं. शिविर में आकर प्रक्रिया पूरी होने से उन्हें काफी सुविधा मिली.भाजपा नेताओं का दावा है कि पहले कई महिलाओं की लक्ष्मी भंडार योजना बंद हो गई थी, जिसे आंदोलन और ज्ञापन के बाद फिर शुरू कराया गया. अब अन्नपूर्णा योजना में कोई महिला लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है.

न्यूज कॉर्नर

आरामबाग में हथियार बरामदगी मामले में तृणमूल नेता शेख राकेश अली गिरफ्तार

हुगली : आरामबाग बस स्टैंड इलाके में स्थित एक पार्टी कार्यालय से हथियार बरामद होने के मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता शेख राकेश अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.आरामबाग थाना पुलिस के अनुसार, शेख राकेश अली लंबे समय से इस मामले में आरोपित थे. मिली सूचना के आधार पर उन्हें कोलकाता से गिरफ्तार किया गया.पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान विभिन्न सबूत और जानकारी जुटाने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया. गिरफ्तारी के बाद उन्हें आरामबाग लाकर पूछताछ की गई. रविवार को आरोपित को आरामबाग महकमा अदालत में पेश किया गया.गौरतलब है कि कुछ दिन पहले आरामबाग बस स्टैंड क्षेत्र के एक पार्टी कार्यालय से हथियार बरामद होने की घटना के बाद इलाके में भारी सनसनी फैल गई थी. मामले की जांच में जुटी पुलिस कई सुरागों के आधार पर लगातार छानबीन कर रही थी. पुलिस का दावा है कि उसी जांच के क्रम में यह गिरफ्तारी की गई है.इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है. पुलिस मामले की जांच जारी कर रही है.

रिषड़ा में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने किया माल्यार्पण

हुगली : श्रीरामपुर के भारतीय जनता पार्टी विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने रविवार को रिषड़ा के ब्रह्मानंद स्कूल मैदान के समीप स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समर्थक भी मौजूद रहे.यह वही स्थान है जहां चुनाव प्रचार के दौरान भास्कर भट्टाचार्य को कथित तौर पर आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से रोक दिया गया था. उस समय उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप भी सामने आया था.शनिवार को माल्यार्पण के बाद विधायक ने कहा कि जब वह पहले यहां आए थे,तब उन्हें संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने से रोका गया था और प्रतिमा को ताले में बंद रखा गया था.उन्होंने कहा, आज हमने वह ताला खुलवाया ताकि आम लोग भी स्वतंत्र रूप से बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सकें. डॉ. आंबेडकर केवल किसी एक दल या संगठन के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रेरणास्रोत हैं.विधायक ने आरोप लगाया कि उस समय उन्हें रोकने वाले तृणमूल कांग्रेस समर्थित क्लब के कुछ लोगों को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ नहीं है.भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने देश को संविधान दिया और समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया. ऐसे महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देने से किसी को नहीं रोका जा सकता.घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक चर्चा भी तेज हो गई है. भाजपा समर्थकों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की जीत बताया, जबकि स्थानीय स्तर पर इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है.

बांकुड़ा में तृणमूल के दो प्रभावशाली नेताओं की गिरफ्तारी, नौकरी दिलाने और रंगदारी के आरोप

बांकुड़ा : पश्चिम बंगाल में कथित भ्रष्टाचार और रंगदारी के मामलों में कार्रवाई जारी है. इसी क्रम में शनिवार रात बांकुड़ा जिले के बेलियातोड़ और बांकुड़ा शहर से तृणमूल कांग्रेस के दो प्रभावशाली नेताओं को पुलिस ने अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया.
बेलियातोड़ से गिरफ्तार किए गए पल्लव पांडे गंगाजलघाटी पंचायत समिति के कृषि कर्माध्यक्ष हैं. वहीं बांकुड़ा शहर से गिरफ्तार पीयूष चक्रवर्ती उर्फ 'कैसेट बापी' बांकुड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर 15 की तृणमूल पार्षद पिंकी चक्रवर्ती के पति बताए जाते हैं.
पुलिस और अदालत सूत्रों के अनुसार, हाल ही में एक नौकरी अभ्यर्थी ने बेलियातोड़ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2021 में स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर पल्लव पांडे ने उससे 4.60 लाख रुपये लिए थे. आरोप है कि नौकरी नहीं मिली और पैसे भी वापस नहीं किए गए.आर्थिक धोखाधड़ी के आरोप में शनिवार रात पुलिस ने पल्लव पांडे को गिरफ्तार कर लिया. रविवार को उन्हें बांकुड़ा जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने तीन दिनों की पुलिस हिरासत का आदेश दिया. हालांकि अदालत ले जाते समय पल्लव पांडे ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए खुद को निर्दोष बताया.दूसरी ओर, रंगदारी मांगने के आरोप में शनिवार रात बांकुड़ा शहर के प्रभावशाली तृणमूल नेता पीयूष चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया गया. पुलिस के अनुसार, शहर के एक रंग व्यवसायी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2023 में दुकान निर्माण के दौरान पीयूष ने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर निर्माण कार्य रुकवा दिया था. शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई और रकम देने के बाद ही निर्माण कार्य पूरा करने की अनुमति मिली.रविवार को अदालत ने पीयूष चक्रवर्ती को भी तीन दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया. उनके वकील अनिर्वाण बनर्जी ने कहा कि कथित घटना 2023 की है और इतने समय बाद शिकायत दर्ज होने के पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं.उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हाल ही में लोगों से रंगदारी और कटमनी से जुड़े मामलों में सीधे थाने में शिकायत करने की अपील की थी. इसके बाद पिछले सात दिनों में 70 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं. गिरफ्तार अधिकांश लोग तृणमूल कांग्रेस से जुड़े बताए जा रहे हैं. उनके खिलाफ रंगदारी, आर्थिक धोखाधड़ी, धमकी और राजनीतिक हिंसा भड़काने जैसे आरोप दर्ज हैं.

रंगदारी वसूली और अवैध हथियार रखने के आरोप में युवक गिरफ्तार

कोलकाता : दुर्गापुर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां तोलाबाजी (जबरन रंगदारी वसूली) के आरोप में सुदीप गुन उर्फ राजा गुन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए दुर्गापुर के न्यू टाउनशिप थाना पुलिस ने उसे दबोच लिया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुदीप गुन पर न केवल तोलाबाजी का आरोप है, बल्कि उसके पास अवैध आग्नेयास्त्र रखने का मामला भी सामने आया है. गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी को अक्सर तृणमूल कांग्रेस के कार्यक्रमों, बैठक और रैलियों में देखा जाता था. इस मामले में विपक्ष ने आरोप लगाया है कि सुदीप गुन शासक दल के संरक्षण में काम कर रहा था, जिसके चलते वह लंबे समय तक कानून की पकड़ से बाहर रहा.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी के साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं.

बंगाल में सरकारी नौकरियों की तैयारी तेज

सभी विभागों से मांगी गई खाली पदों की रिपोर्ट

कोलकाताः बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रशासनिक तंत्र को मजबूत करने और विभिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य के सभी विभागों से तीन जून तक रिक्त पदों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. राज्य के वित्त विभाग (आडिट शाखा) की ओर से जारी एक पत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को अपने-अपने विभागों में खाली पड़े पदों की पूरी रिपोर्ट तैयार कर भेजने का निर्देश दिया गया है. इसे लंबे समय से राज्य में रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने की दिशा में सरकार के बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा है. पत्र में राज्य सरकार ने कहा है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य 'कुशल सेवा वितरण' सुनिश्चित करना और काफी समय से लंबित बड़ी संख्या में रिक्त पदों को भरना है. आदेश में कहा गया है प्रशासनिक तंत्र को मजबूत करने और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है. वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा 22 मई को जारी पत्र में कहा गया है कि विभागों को अपनी वर्तमान रिक्तियों की स्थिति की 'व्यापक समीक्षा' करनी होगी और निर्धारित प्रारूप में समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी. आदेश के मुताबिक, विभागीय कार्यालयों, निदेशालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए अलग-अलग रिक्तियों का विवरण तैयार करना होगा. सरकार ने यह भी रेखांकित किया कि सीधी भर्ती के प्रस्तावों के साथ पर्याप्त औचित्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए. राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कवायद प्रशासन द्वारा शासन व्यवस्था में सुधार और सार्वजनिक सेवाओं में तेजी लाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि विभाग कर्मचारियों की कमी की यथाशीघ्र पहचान करें ताकि भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा सके और कर्मचारियों की कमी के कारण आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों. इस पत्र में मामले को अत्यंत अत्यावश्यक और महत्वपूर्ण बताया गया है और सभी विभागों से समयसीमा का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है.

काकोली घोष ने दिया तृणमूल जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा

कोलकाताः विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद, वरिष्ठ नेता और बारासात सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तीदार ने रविवार को बारासात संगठनात्मक जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया. प्रदेश अध्यक्ष सुब्रता बख्शी को लिखे एक कड़े पत्र में उन्होंने उत्तर 24 परगना में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए नैतिक जिम्मेदारी का हवाला दिया. हालांकि, उनका इस्तीफा सिर्फ जवाबदेही तक सीमित नहीं था, क्योंकि उन्होंने बाहरी एजेंसियों पर पार्टी की निर्भरता की खुलकर आलोचना की और व्यवस्थागत भ्रष्टाचार को गिरावट का मूल कारण बताया. दस्तीदार के इस्तीफे में घोर विश्वासघात की भावना साफ झलकती है, खासकर राजनीतिक परामर्श एजेंसी आईपीएसी के प्रति. अपने पत्र में सीधे तौर पर नाम लिए बिना, उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईपीएसी की कड़ी आलोचना करते हुए उसे भूईफोड़ (नवजात) संगठन बताया. उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि एजेंसी के युवा कर्मचारी अनुभवी और पूर्णकालिक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपमानजनक व्यवहार करते हैं. तीन बार की सांसद और चार दशकों से पार्टी की वफादार सदस्य होने के नाते, उन्होंने इस बात पर

सांसद ने आईपैक पर किया जुबानी हमला

हैरानी जताई कि पार्टी की सीटों की संख्या इतनी तेजी से घटकर 80 कैसे हो सकती है, और संकेत दिया कि जनता ने टीएमसी की मौजूदा आंतरिक संस्कृति को नकार दिया है. वरिष्ठ नेता के लिए लगातार झटकों के बाद यह इस्तीफा आया है, जिनमें हाल ही में लोकसभा में मुख्य सचेतक के प्रतिष्ठित पद से उनका निष्कासन भी शामिल है, जहां उनकी जगह कल्याण बनर्जी को नियुक्त किया गया था. इस पदावनति से स्पष्ट रूप से नाराज होकर, उन्होंने सोशल मीडिया पर व्यंग्य करते हुए कहा कि यह 40 वर्षों की वफादारी का उनका पुरस्कार है. ममता बनर्जी से अपनी अंतिम अपील में, उन्होंने तृणमूल प्रमुख से आग्रह किया कि वे जमीनी स्तर से जुड़ाव न रखने वाली बाहरी नवप्रवर्तित संस्थाओं पर निर्भर रहने के बजाय ईमानदार, पुराने और वफादार कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाकर पार्टी की जड़ों की ओर लौटें. यह हाई-प्रोफाइल इस्तीफा तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद को उजागर करता है, क्योंकि पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद की चुनौतियों से जूझ रही है. उत्तर 24 परगना - जो कभी टीएमसी का गढ़ हुआ करता था - अब हाथ से फिसल रहा है. ऐसे में दस्तावेज का भ्रष्टाचार और एजेंसी संस्कृति के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच व्यापक असंतोष को दर्शाता है. भाजपा की बढ़ती बढ़त के बीच, टीएमसी को अपने वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई सार्वजनिक शिकायतों से निपटने के साथ-साथ आंतरिक पुनर्गठन की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है.

न्यूज कॉर्नर

कोयला तस्करी मामले में पुलिस अधिकारी समेत पांच को ईडी का समन

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के कोयला तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज करते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस के एक निरीक्षक स्तर के अधिकारी और पांच कोयला कारोबारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है. इन्हें बुधवार तक पूछताछ के लिए हाजिर होना है. ईडी की ओर से समन भेजे गए पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल हैं, जो पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत बुदबुद थाना के पूर्व प्रभारी रह चुके हैं. सूत्रों के अनुसार, इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान भी ईडी ने मंडल को कई बार पूछताछ के लिए बुलाया था. हालांकि, वह कथित तौर पर एजेंसी के समन का जवाब देने से बचते रहे और कोलकाता के साल्ट लेक स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए थे. अब राज्य में नई प्रशासनिक परिस्थितियों के बीच ईडी ने उन्हें फिर से पूछताछ के लिए तलब किया है.मनोरंजन मंडल के साथ जिन पांच कोयला कारोबारियों को समन जारी किया गया है, उनमें कृष्ण कायाल, रितेश लोकेश सिंह, युधिष्ठिर घोष और नरेंद्र खड़का शामिल हैं. सूत्रों का दावा है कि पश्चिम बर्दवान जिले के 12 अन्य कोयला कारोबारी भी ईडी की निगरानी में हैं. ईडी ने इस मामले में दायर अपनी विभिन्न आरोपपत्रों में दावा किया है कि कोयला तस्करी का नेटवर्क कोयला कारोबारियों, केंद्रीय बलों के कुछ अधिकारियों, कोल इंडिया की सहायक कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कुछ कर्मियों की कथित मिलीभगत से संचालित हो रहा था. इससे पहले ईडी ने कोलकाता की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत को बताया था कि मनोरंजन मंडल के बैंक खातों में कम समय में भारी मात्रा में धनराशि जमा हुई थी. एजेंसी ने उन पर ज्ञात आय से अधिक संपत्ति रखने का भी आरोप लगाया था. मार्च 2026 में ईडी अधिकारियों ने पश्चिम बर्दवान जिले के दुर्गापुर स्थित मंडल के आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान भी चलाया था.

तृणमूल पंचायत प्रधान रीता गायेन गिरफ्तार

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस की नेता तथा जांगड़ा-हातियारा 2 नंबर पंचायत की प्रधान रीता गायेन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. रविवार सुबह हुई इस कार्रवाई के बाद इलाके में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने अवैध वसूली तथा अधिकारों के दुरुपयोग मामले की जांच के सिलसिले में रीता गायेन को हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया. हालांकि गिरफ्तारी के पीछे के कारणों को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान अभी सामने नहीं आया है. सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में पहले से ही जांच चल रही थी और कुछ महत्वपूर्ण सबूत मिलने के बाद पुलिस ने यह कदम उठाया. गिरफ्तारी के दौरान पुलिस की टीम पूरी तैयारी के साथ पहुंची और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्हें अपने साथ ले गई. घटना के बाद स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं में हलचल देखी गई, वहीं विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है. क्षेत्र के लोगों के बीच भी इस कार्रवाई को लेकर उत्सुकता बनी हुई है और सभी की नजरें अब आगे की कानूनी प्रक्रिया पर टिकी हैं. पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आवश्यकतानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी. वहीं, प्रशासन की ओर से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है.

सड़क मरम्मत की मांग को लेकर आमडांगा में टायर जलाकर प्रदर्शन

कोलकाताः खराब सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर उत्तर 24 परगना जिले के आमडांगा इलाके में रविवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया. घटना आमडांगा के तृणमूल कांग्रेस संचालित बेड़ाबेड़िया पंचायत के गवर्नमेंट कॉलोनी इलाके की है. प्रदर्शनकारियों की मांग है कि अधूरी पड़ी सड़क निर्माण और मरम्मत का काम तुरंत पूरा किया जाए. सड़क जाम के कारण इलाके में यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह प्रभावित रहा और लंबा जाम लग गया. सूचना पाकर आमडांगा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि करीब नौ महीने पहले सड़क निर्माण का काम शुरू हुआ था, लेकिन बीच में ही काम बंद कर दिया गया. सड़क के कई हिस्सों से पिच उखड़ चुकी है और पत्थर बाहर निकल आए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत अब बेहद खराब हो चुकी है, जिससे रोजाना आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है. ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर फैले पत्थरों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. उनका आरोप है कि कई बार पंचायत प्रशासन को शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई. स्थानीय निवासी दीपक विश्वास ने कहा कि सड़क की तत्काल मरम्मत होनी चाहिए. इसकी हालत इतनी खराब है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है. आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क को यातायात योग्य नहीं बनाया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और बड़ा किया जाएगा.

फालता में मैदान छोड़ भाग गयी तृणमूलः दिलीप घोष

कहा-पंचायत और नगरपालिकाएं बन गयी थीं लूट का अड्डा

कोलकाताः कोलकाता की सियासत में रविवार सुबह उस वक्त नया राजनीतिक तड़का लग गया, जब भाजपा नेता व मंत्री दिलीप घोष ने तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए फिल्म 'पुष्पा' का लोकप्रिय डायलॉग ही पलट दिया. फलता चुनाव में तृणमूल की खराब स्थिति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, डायलॉग था 'झुकेगा नहीं', लेकिन अब 'छुप गया पुष्पा'. रविवार को अपने रोजाना मॉर्निंग रूट में बदलाव करते हुए दिलीप घोष इको पार्क की जगह विक्टोरिया मेमोरियल पहुंचे. वहां मॉर्निंग वॉक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने तृणमूल, भ्रष्टाचार, अवैध निर्माण, शिक्षक भर्ती घोटाले और आरजी कर मामले तक पर तीखे बयान दिये. फालता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की भारी बढ़त पर मंत्री घोष ने कहा, तृणमूल ने तो चुनाव मैदान ही छोड़ दिया. अब लड़ाई किस बात की ? जो खत्म हो चुका है, उस पर चर्चा का कोई मतलब नहीं. पहले कहते थे 'झुकेगा नहीं', अब हालत यह है कि 'छुप गया पुष्पा'. उन्होंने कहा कि उपचुनाव के शुरुआती रुझान ही बता रहे हैं कि राज्य की जनता तृणमूल से पूरी तरह मोहभंग कर चुकी है. उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी राज में जारी बुलडोजर अभियान की तर्ज पर बंगाल में भाजपा सरकार की ओर से चल रहे बुलडोजर अभियान का समर्थन करते हुए घोष ने कहा, पंचायत और नगरपालिकाएं लूट का अड्डा बन गयी थीं. तृणमूल नेताओं ने सब कुछ लूट लिया. विधायक करोड़ों की गाड़ियों में घूमते थे. इनके पास पैसे नहीं, लेकिन पार्षद और पंचायत प्रधान महल बना रहे थे. उन्होंने दावा किया कि अब भ्रष्टाचार में शामिल किसी को बख्शा नहीं जाएगा. तृणमूल के कई काउंसिलर अब ममता बनर्जी की बैठकों में भी नहीं जा रहे. जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है, वे बचेंगे नहीं. सबकी गिरफ्तारी होगी. जेल तैयार हो रही है. जरूरत पड़ी तो मिट्टी के नीचे से भी निकालेंगे. अभी तो सिर्फ सिंपल सर्वे चल रहा है. राज्य की शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर दिलीप घोष ने कहा कि केंद्र सरकार पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां कर रही है, जबकि बंगाल में व्हाट्सऐप के जरिये नौकरी बांटी गयी थी. उन्होंने कहा, केंद्र की नियुक्तियों पर कभी सवाल नहीं उठते. लेकिन बंगाल में 26 हजार शिक्षकों की नौकरी चली गयी और अब तक पूरी सूची नहीं मिल रही. ओएमआर शीट मिल जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा. आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या मामले पर घोष ने कहा कि भाजपा सरकार ने मामले की फाइल फिर से खोल दी है. उन्होंने कहा, महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार के मामलों के लिए अलग आयोग बनाया गया है. योग्य अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गयी है. कानून से ऊपर कोई नहीं. राज्य के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे पर भी उन्होंने चिंता जतायी. कहा कि लगभग हर विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी है. हम देख रहे हैं कि कई विभागों में काम करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी ही नहीं हैं. बजट और वित्तीय व्यवस्था को मजबूत कर चरणबद्ध तरीके से नियुक्तियां की जायेंगी. केंद्र के समान डीए देने की दिशा में भी काम होगा. घोष ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार में विकास योजनाओं के फंड तक का दुरुपयोग हुआ. उन्होंने कहा, एक परियोजना का पैसा दूसरी जगह इस्तेमाल हुआ. राजनीतिक स्वार्थ में योजनाओं का पैसा इधर-उधर किया गया. सड़क, भवन, विकास और निर्माण के लिए जो बालू-पत्थर आया, सब तृणमूल ने लूट लिया.

दक्षिण 24 परगना में पुलिस को मिला हथियारों का जखीरा

कोलकाताः दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तालाब के भीतर छिपाकर रखे गये हथियारों का जखीरा बरामद किया है. महेशपुर इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर चलाये गये तलाशी अभियान में पुलिस ने प्लास्टिक के बोरे में छिपाकर रखे गये तीन आग्नेयास्त्र, 20 कारतूस, बम बनाने में इस्तेमाल होने वाला बारूद और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इलाके में अवैध हथियार छिपाकर रखे जाने की सूचना मुखबिरों के जरिये मिली थी. इसके बाद रविवार अपराह्न बासंती थाना पुलिस की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची और तालाब के आसपास सर्च ऑपरेशन शुरू किया. काफी देर तक तलाशी चलाने के बाद तालाब के भीतर डुबोकर रखे गये प्लास्टिक के बोरे का पता चला. बोरे को बाहर निकालकर जांच करने पर उसके भीतर हथियार और कारतूस बरामद हुए. बरामद सामान में तीन आग्नेयास्त्र, 20 जिंदा कारतूस के अलावा बम बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला बारूद और अन्य सामग्री भी शामिल है. पुलिस को आशंका है कि इलाके में किसी बड़ी आपराधिक या हिंसक घटना को अंजाम देने की तैयारी की जा रही थी. पुलिस अब यह पता लगाने में जुट गयी है कि हथियार किसने छिपाये थे और इसके पीछे कौन सा गिरोह सक्रिय है.

डीए बैठक में केवल चार कर्मचारी संगठनों को बुलावा

बंगाल सरकार पर लगे 'भेदभाव' के आरोप

कोलकाता : बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा महंगाई भत्ता (डीए) मुद्दे पर 30 मई को बुलायी गयी बैठक को लेकर राज्य के कर्मचारी संगठनों के बीच नयी बहस शुरू हो गयी है. राज्य सचिवालय में होने वाली इस बैठक में केवल चार सरकारी कर्मचारी संगठनों को आमंत्रित किये जाने पर कई अन्य संगठनों ने नाराजगी जतायी है. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, 30 मई को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डीए और वेतन आयोग से जुड़े मुद्दों पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होनेवाली इस बैठक के लिए संग्रामी संयुक्त मंच, कन्फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज, यूनिटी फोरम और पश्चिम बंग सरकारी कर्मचारी परिषद को बुलाया गया है. बैठक में आमंत्रण नहीं मिलने से नाराज बंगीय शिक्षक एवं शिक्षाकर्मी समिति के नेता स्वपन मंडल ने कहा-डीए आंदोलन में कई कर्मचारी संगठन लगातार संघर्ष कर रहे थे. सरकार बदलने में भी उनकी भूमिका रही है. ऐसे में उन्हें बैठक से बाहर रखना गलत संदेश देता है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारी संगठनों के बीच विभाजन पैदा कर रही है, जिससे असंतोष और बढ़ सकता है. माकपा समर्थित को-ऑर्डिनेशन कमेटी के नेता विश्वजीत गुप्ता चौधरी ने नाराजगी जताते हुए कहा- मुख्यमंत्री किसी भी दल के हों, उन्हें हमेशा निष्पक्ष दृष्टिकोण रखना चाहिए. लेकिन बैठक बुलाने के मामले में वह निष्पक्षता दिखाई नहीं दी. उन्होंने कहा कि 2011 से ही को-ऑर्डिनेशन कमेटी डीए, वेतन आयोग और कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर लगातार आंदोलन करती रही है. पिछली सरकार के दौरान हमारे कई साथियों को जेल तक जाना पड़ा. इतने लंबे संघर्ष के बावजूद सरकार ने हमारे आंदोलन को सम्मान नहीं दिया. बैठक में बुलाये गये संग्रामी संयुक्त मंच के संयोजक भास्कर ने कहा कि किसे बुलाना है और किसे नहीं, यह पूरी तरह सरकार का अधिकार है. उन्होंने कहा-डीए के मुद्दे पर हमने लंबे समय तक संघर्ष किया है. शायद इसी वजह से सरकार को लगा कि समाधान के लिए हमारे सुझाव जरूरी हैं. घोष ने कहा कि बैठक में सभी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों को मजबूती से उठाया जायेगा.

बंगाल में भ्रष्टाचार पर भाजपा सरकार का वार

हफ्ते भर में 70 से ज्यादा टीएमसी नेताओं की हुई गिरफ्तारी

कोलकाता : बंगाल में भ्रष्टाचार, वसूली, सरकारी धन में कारगुजारी और चुनाव बाद हिंसा के आरोपों में पिछले सात दिनों के दौरान तृणमूल कांग्रेस के 70 से ज्यादा नेताओं और जनप्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें सबसे बड़ा नाम पूर्व मंत्री सुजीत बसु का है, जिन्हें भ्रष्टाचार मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है. वहीं उनके करीबी कई पार्षदों और नेताओं को पुलिस ने अलग-अलग मामलों में पकड़ा है. केवल शनिवार को ही राज्यभर में 17 तृणमूल नेताओं की गिरफ्तारी हुई. कोलकाता और विधाननगर में शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया. इनमें कोलकाता नगर निगम के 123 नंबर वार्ड के पार्षद सुदीप पोल्ले और विधाननगर के पार्षद सम्राट बरुआ प्रमुख हैं. सम्राट पर वसूली का आरोप है. इसके अलावा हावड़ा, हुगली, नदिया, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बर्धमान और कूचबिहार में भी तृणमूल नेताओं पर कार्रवाई हुई. हावड़ा के जगतबल्लभपुर में 2021 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले और तोड़फोड़ के आरोप में ग्राम पंचायत उपप्रधान गुरुपद माझी और उसके भाई राजू माझी को गिरफ्तार किया गया.

तृणमूल अपना राजनीतिक आधार खो रही, भाजपा से मुकाबले के लिए हम अंग्रिम पंक्ति में : माकपा

कोलकाताः भीषण गर्मी के बीच पश्चिम बंगाल की सियासत में नयी तपिश महसूस की जा रही है, जहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने तृणमूल कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली यह पार्टी तेजी से अपना आधार खो रही है और ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शासित इस राज्य में माकपा अब खुद को तृणमूल के विकल्प के रूप में पेश करते हुए विपक्ष की राजनीतिक जमीन हासिल करने की उम्मीद जता रही है. माकपा के पश्चिम बंगाल के महासचिव मोहम्मद सलीम ने दावा किया कि वामपंथी दल, खासकर माकपा, राज्य में अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा से मुकाबले में पहले से ही अग्रिम पंक्ति में हैं. सलीम ने कहा, और अब चूंकि तृणमूल कांग्रेस बहुत तेजी से अपना आधार खो रही है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी केवल सैद्धांतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने की है. उन्होंने कहा,

पश्चिम बंगाल में वाम पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और लोगों के लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में रहना कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं. सलीम ने दावा किया कि न केवल उनकी पार्टी, बल्कि पश्चिम बंगाल की जनता भी उम्मीद करती है कि माकपा-नीत वाम मोर्चा राज्य में तृणमूल कांग्रेस से विपक्ष की जगह ले लेगा. उन्होंने कहा, डेढ़ दशक से अधिक समय तक तृणमूल ने पुलिस और गुंडों की मदद से आतंक का राज कायम रखा, जिससे एक ऐसी खाई बन गई, जिसमें तृणमूल ने आरएसएस के लिए भीतरी इलाकों में खड़े होने के अनुकूल हालात बना दिए. माकपा बार-बार तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर आरोप लगाती रही है कि दोनों दल पश्चिम बंगाल में धर्म की राजनीति के जरिये अपने बीच बनावटी ध्रुवीकरण पैदा कर रहे हैं, ताकि वाम दलों और अन्य विपक्षी पार्टियों को हाशिये पर रखा जा सके. माकपा नेता ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस बिखर रही है और वामपंथी दल इस विपक्षी शून्य को भरेंगे. तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सिंगूर और नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलनों की लहर पर सवार होकर पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों से लगातार सत्ता में रहे वाम मोर्चे को लगभग अकेले दम पर सत्ता से बेदखल कर दिया था. विडंबना यह है कि 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान में वाम और भाजपा दोनों के लिए औद्योगिकीकरण, बुनियादी ढांचा और रोजगार सृजन प्रमुख मुद्दे रहे. इसके अलावा कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, 'सिंडिकेट' राज और जबरन वसूली भी चुनावी मुद्दे बने. माकपा नेता ने कहा कि वामपंथी दलों और मजदूर यूनियनों ने पहले से ही उन फेरीवालों के विस्थापन का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया है, जिन्हें राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से कई जगहों से बेदखल किया जा रहा है. उन्होंने भाजपा पर सबसे गरीब लोगों की आजीविका पर हमला करने का आरोप लगाया. सलीम ने कहा कि माकपा अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर मंडरा रहे किसी भी खतरे तथा समाज में आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए संघर्ष जारी रखेगी. पश्चिम बंगाल पर 1977 से 2011 तक शासन करने वाला माकपा-नीत वाम मोर्चा इस बार 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद से चले आ रहे अपने चुनावी सूखे से उबरने में कामयाब रहा और एक सीट जीतने में सफल हुआ.

फलता में बीजेपी की बंपर जीत पर भड़के अभिषेक बनर्जी

वोटों की गिनती में तेजी पर चुनाव आयोग से पूछा सवाल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में फलता विधानसभा के चुनाव में बीजेपी की बंपर जीत ने अब नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया. दरअसल, बीजेपी उम्मीदवार दिबांग्शु पांडा की 1 लाख से ज्यादा वोटों से हुई जीत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद -अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर प्रश्न खड़े कर दिए. उन्होंने पूछा कि जब 4 मई को दोपहर साढ़े 3 बजे तक 2-4 राउंड की गिनती ही हो पाई थी तो आज उतने ही बजे तक 21 राउंड की काउंटिंग कैसे पूरी हो गई. अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, आज फलता में हुए Repoll में विसंगतियां साफ-साफ दिखाई दीं. आज दोपहर साढ़े 3 बजे तक सभी 21 राउंड की गिनती पूरी हो चुकी थी. जबकि 4 मई को इसी वक्त तक सिर्फ 2-4 राउंड ही हुए थे. चुनाव आयोग को देश के सामने इसको लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए. अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 दिन में फलता के 1 हजार से ज्यादा पार्टी वर्कर्स को उनके अपने घर को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, फिर भी चुनाव आयोग ने

इसको लेकर आंखें मूंद रखीं. आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी दिनदहाड़े पार्टी दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई. अभिषेक बनर्जी ने आगे लिखा, चुनाव आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया है. इसके बजाय, CEO, जिनका कथित रूप से चुनाव आयोग की तरफ से SIR की आड़ में नाम हटाने और चुनावी प्रक्रिया में हेर-फेर करने के लिए प्रयोग किया गया था, को पश्चिम बंगाल की नई सरकार में मुख्य सचिव के तौर पर नियुक्त किया गया. यह उस वक्त हुआ जब फलता में आदर्श आचार संहिता अभी भी लागू थी और मतदान की प्रक्रिया पूरी भी नहीं हुई थी. उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में ये भी लिखा कि इससे भी अधिक चिंता वाली बात यह है कि TMC और BJP को छोड़कर अन्य सियासी दलों के काउंटिंग एजेंट्स को 4 मई को चुनाव आयोग की तरफ से तैनात अधिकारियों और केंद्रीय बलों ने कथित रूप से मतगणना सेंटर से बाहर निकाल दिया था. यह बहुत ही चिंताजनक है और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों के मूल सिद्धांतों पर सीधा हमला है. अभिषेक बनर्जी ने अपने पोस्ट में आखिर में लिखा, जब तक भ्रष्ट अफसरों को जवाबदेह नहीं ठहराया जाएगा और मतगणना की प्रक्रिया का स्वतंत्र तरीक से सीसीटीवी ऑडिट नहीं कराया जाएगा, तब तक जनादेश की विश्वसनीयता पर प्रश्न और भी बढ़ते जाएंगे. सत्य को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता!

अधीर चौधरी ने शुभेंदु से मुर्शिदाबाद के हर ब्लॉक में अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने का आग्रह किया

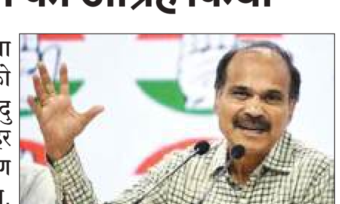

कोलकाताः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुर्शिदाबाद जिले के हर ब्लॉक में अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने का आग्रह किया, ताकि उन लोगों की मदद की जा सके, जिनके नाम हाल में संपन्न विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटा दिए गए थे. मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में चौधरी ने दावा किया कि राज्य में मतदाता सूची से सबसे अधिक नाम मुर्शिदाबाद में हटाए गए हैं, जिससे पांच लाख से अधिक मतदाता प्रभावित हुए हैं. उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग, दिहाड़ी मजदूर, बुजुर्ग नागरिक और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को अपने नाम बहाल कराने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों तक पहुंचने के वास्ते लंबी दूरी तय करने में गंभीर कठिनाई का सामना करना पड़ेगा. एसआईआर प्रक्रिया से उत्पन्न शिकायतों के लिए अपीलीय तंत्र स्थापित करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद 20 मार्च को न्यायाधिकरणों का गठन किया गया था. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से जिले के हर ब्लॉक में अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने पर विचार करने का आग्रह किया, ताकि न्याय तक आसान पहुंच और प्रशासनिक सहायता सुनिश्चित की जा सके.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है (साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

खेत में सैकड़ों बोरा अवैध कोयला जब्त, सीआईएसएफ ने मुनीडीह भेजा

महुदा : बीसीसीएल के भुरूंगिया कोलयरी स्थित एचबी सेक्शन के समीप एक मैदान में तस्करों द्वारा सैकड़ों बोरा में जमा कर रखा गया अवैध कोयला रविवार को सीआईएसएफ की टीम ने जब्त कर लिया. जब्त किए गए कोयले को जेसीबी मशीन एवं हाइवा की मदद से उठाकर मुनीडीह भेज दिया गया. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को बीसीसीएल के (तकनीकी निदेशक संजय कुमार सिंह भुरूंगिया कोलयरी क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे. निरीक्षण के दौरान उनकी नजर मैदान में बोरा में रखे अवैध कोयले पर पड़ी. इसके बाद उन्होंने सीआईएसएफ अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए तत्काल अवैध कोयला हटाने एवं कार्रवाई करने को कहा था. निदेशक के निर्देश के बाद रविवार को सीआईएसएफ की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन व हाइवा मंगाकर अवैध कोयले को जब्त कर मुनीडीह ले गई. इस दौरान आसपास के दर्जनों ग्रामीण महिला पुरुष भी बोरा, खांची लेकर वहां पहुंच गए और सीआईएसएफ के सामने से कोयला उठाकर ले गए. इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में कोयला तस्करों के बीच हड़कंप मचा हुआ है. मौके पर महुदा थाना के एएसआई राजेन्द्र उरावं, बीसीसीएल के सुपरवाईजर दुखन महतो एवं सीआईएसएफ के अधिकारी गण मौजुद थे.

सबसे दूर सबसे पहले के तहत केन्दुआ पंचायत के धनगढ़ा गांव के ग्रामीणों को पहुंचा लाभ

हिरणपुर: जिले के हिरणपुर प्रखंड में 19 मई से 25 मई तक आदिम जनजाति के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान सबसे दूर सबसे पहले के तहत केन्दुआ पंचायत के धनगढ़ा गांव में कैम्प लगाकर ग्रामीणों को जन्म प्रमाण पत्र, पेंशन, स्वास्थ्य जांच सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप की देखरेख में संपन्न हुआ. मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सुनील मुर्मू मौजूद पाये गये.

जयश्रीराम का उद्घोष करने की आजादी मिली है : दिलीप घोष

कोलकाता : सेवा और संकल्प की 75 वर्ष की यशस्वी यात्रा में नागरिक स्वास्थ्य संघ द्वारा श्री बलदेवजी गवरजा सेवा ट्रस्ट कस्तूरी जयंती महोत्सव कमेटी के सहयोग से निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन राज्य के मंत्री दिलीप घोष, विधायक विजय ओझा, पार्षद मीना पुरोहित, समाजसेवी रमेश दम्मानी, श्रीलाल मोहता, बसन्त डागा, प्रमोद डागा, अशोक डागा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ . सेवा शिविर में 150 नागरिकों के नेत्र में मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जा रहा है . अतिथियों का स्वागत नागरिक स्वास्थ्य संघ के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष इन्द्र कुमार डागा, सचिव विकाश चन्द चांडक, गोवर्धन मूंधड़ा, आलोक दमानी, अविनाश गुप्ता, श्रीबल्लभ दुजारी, मदन मोहन दमानी, महेश आचार्य एवं कार्यकर्ताओं ने किया . राज्य के मंत्री दिलीप घोष ने संघ के सेवाकार्यों की सराहना करते हुए कहा जनादेश ने राज्य में नेतृत्व का परिवर्तन किया है . जयश्रीराम का उद्घोष करने की आजादी मिली है . राजनीति में आने का उद्देश्य मानव सेवा है . सेवा सनातन धर्म का संस्कार है . उन्होंने गौमाता का सम्मान, सेवा, संरक्षण करने तथा परोपकार की भावना से दुःखी, पीड़ित की सेवा करने की प्रेरणा दी . विधायक विजय ओझा ने कहा राज्य में कानून की सरकार है, जनता ने भाजपा नेतृत्व पर भरोसा किया है . संस्था के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, सचिव विकाश चन्द चांडक ने नागरिक स्वास्थ्य संघ के सेवा कार्यों की जानकारी दी . धीरज बागड़ी, बल्लभ पचीसिया, विकास दुजारी, राहुल मोहता, विजय सादानी, बल्लभ डागा, जगदीश बागड़ी, यश बिन्नानी, लक्ष्मण राठी, गिरिराज चांडक, गणेश लाखोटिया, बसन्त (झबरू) दुजारी, पवन बागड़ी, विभा डागा एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे .

खाटखुरा में हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए झाड़ग्राम के विधायक लक्ष्मीकांत साउ

झाड़ग्राम : ग्रामीण संस्कृति की समृद्ध परंपरा को बनाए रखते हुए झाड़ग्राम के खाटखुरा गांव में भक्ति और जनसंपर्क का एक अनूठा मेल देखने को मिला. यहां आयोजित वार्षिक हरिनाम संकीर्तन उत्सव में शामिल होकर झाड़ग्राम के विधायक लक्ष्मीकांत साउ ने आम जनता के साथ काफी समय बिताया और उत्सव का आनंद लिया.विधायक ने खुद संभाला 'खोल', की सुख-समृद्धि की कामनाहर साल की तरह इस बार भी खाटखुरा गांव के निवासियों के प्रयास से भव्य हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया था. उत्सव की सूचना मिलते ही झाड़ग्राम के विधायक लक्ष्मीकांत साउ वहां पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. विधायक ने महाप्रभु के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर पूरे क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की.पूजा-अर्चना के बाद विधायक खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने अपने हाथों में पारंपरिक वाद्य यंत्र 'खोल' (मृदंग) थाम लिया. वह कीर्तन की धुन और खोल-करताल की थाप पर झूमते हुए भक्तों के साथ संकीर्तन में लीन हो गए.ग्रामीणों से सीधे संवाद कर सुनीं समस्याएंसंकीर्तन के बाद विधायक ने उत्सव परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया. ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं, बुनियादी ढांचे की कमी और विकास से जुड़े मुद्दों को विधायक के सामने रखा. लक्ष्मीकांत साउ ने बेहद संजीदगी से उनकी हर बात सुनी और आने वाले दिनों में इन सभी समस्याओं का त्वरित समाधान करने का ठोस आश्वासन दिया.संकीर्तन बंगाल की पवित्र परंपरा, जो सबको एक सूत्र में पिरोती हैइस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए विधायक लक्ष्मीकांत साउ ने कहा, हरिनाम संकीर्तन हमारे बंगाल की एक बेहद पवित्र और ऐतिहासिक परंपरा है. यह जाति-पांत के भेदभाव से ऊपर उठकर समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोती है. आज इस पावन भूमि पर आकर ग्रामीणों के साथ उत्सव में शामिल होना मेरे लिए बेहद सौभाग्य की बात है. जनता के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहना और उनके लिए काम करना ही मेरा मुख्य लक्ष्य है. इस तरह के धार्मिक और सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे और सौहार्द को और मजबूत करते हैं.विधायक के इस सहज, सरल और जमीन से जुड़े व्यवहार की खाटखुरा गांव के निवासियों ने जमकर सराहना की है. इस अवसर पर विधायक के साथ क्षेत्र के कई गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे. उत्सव को लेकर पूरे गांव में इस समय भारी उत्साह और हर्षोल्लास का माहौल है.

बाबूलाल मरांडी का पलटवार

कहा – सरना सनातन एक है, सनातन को बांटने का काम कर रही है कांग्रेस

रांची: दिल्ली में आयोजित हो रहे आरएसएस के आदिवासी समागम के विरोध में कांग्रेस नेता जहां मुखर हैं. वहीं झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस और झामुमो के नेताओं पर तीखा हमला बोला है.रांची में भाजपा प्रदेश कार्यालय में बाबूलाल मरांडी ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस का एक मात्र उद्देश्य सनातन धर्म को कमजोर करना है. इसके लिए उसके नेता अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं. सनातन धर्म अपनी संख्या बढ़ाने के लिए धर्म परिवर्तन नहीं कराता है.बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोग संस्कार से आदिवासी होते हैं. उनका और सनातन का संस्कार, बात विचार लगभग एक जैसा होता है. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपना धर्म बदल लिया है, वह अब कैसे जनजातीय हक और अधिकार की बात कर सकते हैं. ऐसे में सरना हिंदुओं के लिए उसके अधिकार सुरक्षित हो इसके लिए बहुत जरूरी है कि डीलिस्टिंग हो ताकि सरना आदिवासियों को उनका हक और अधिकार मिल सके.बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अलग सरना धर्म कोड की मांग कर राहुल गांधी और अन्य कांग्रेसी नेता जनजातीय समुदाय को गुमराह कर रहे हैं जबकि इन्हीं कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग समयों पर पूर्व में सरना धर्म कोड को लेकर क्या-क्या दलीलें दी हैं, यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है.

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अलग सरना धर्म कोड की मांग करने से पहले राहुल गांधी को कान पकड़कर इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए कि लंबे वर्षों तक देश की सत्ता पर आसीन रही कांग्रेस ने जनजातीय समुदाय को अलग से सरना धर्म कोड क्यों नहीं दिया.दो दिन पहले झारखंड कांग्रेस के बड़े आदिवासी नेताओं ने 24 मई को होने वाले आरएसएस के आदिवासी समागम को ढोंग करार दिया था. कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप और राज्य के पूर्व वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने एक स्वर में कहा था कि सरना सनातन एक नहीं है और वह कई संस्कारों की वजह से अलग अलग है.

बांसलोई नदी में तैरता मिला युवक का शव, इलाके में सनसनी

पाकुड़: पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र स्थित बाँसलोई नदी के कौशिक घाट में रविवार को पानी में तैरता हुआ एक शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. स्थानीय ग्रामीणों ने नदी में शव देख तुरंत इसकी सूचना अमड़ापाड़ा थाना पुलिस को दी.सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया. इसके बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सोनाजोड़ी भेज दिया.प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान संजीव ठाकुर के रूप में हुई है, जो महेशपुर थाना क्षेत्र के हरिशपुर गांव का निवासी बताया जा रहा है. फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई,

गिरिडीह में चांदी की बड़ी खेप के साथ दो गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह: नगर थाना की पुलिस ने चांदी की बड़ी खेप जब्त की है. बरामद चांदी लगभग 19 किलो है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 50 लाख बताया जा रहा है. साथ ही पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है. वहीं एक कार भी जब्त की है.दरअसल, नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार में भारी मात्रा में चांदी लेकर कुछ लोग गिरिडीह पहुंचे हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया और इस क्रम में संदिग्ध कार को रोक कर तलाशी ली गई. इस दौरान कार से 19 किलो चांदी की सिल्ली बरामद हुई. जिसके बाद पुलिस ने कार में सवार दो लोगों को हिरासत में ले लिया.पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों आरोपी चांदी की सिल्ली गिरिडीह के किसी जेवर कारोबारी को सप्लाई करने आए थे. पूछताछ में एक व्यक्ति ने खुद को महाराष्ट्र का निवासी बताया है. हालांकि वह हजारीबाग में ही रहता है, जबकि दूसरा हजारीबाग का रहने वाला बताया जा रहा है. हालांकि दोनों ने दावा किया है कि उनके पास चांदी से संबंधित सभी वैध कागजात मौजूद हैं.इस संबंध में नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जांच के दौरान एक कार से भारी मात्रा में चांदी बरामद की गई है. मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है. दो लोगों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है. साथ ही एक कार भी जब्त की गई है. थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों ने खुद को हजारीबाग का निवासी बताया है.फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दे दी गई है. बरामद चांदी की कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी जा रही है.

नवनिर्वाचित कृषि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मान समारोह का आयोजन

लिट्टीपाड़ा : नवनिर्वाचित कृषि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लाल मरांडी को बनाये जाने की खुशी में राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष महाबीर मड़ैया के द्वारा बधाई समारोह का आयोजन प्रखंड के तसर केंद्र परिसर में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में नवनिर्वाचित लाल मरांडी को जिला अध्यक्ष के द्वारा फूल माला पहनकर बधाई एवं शुभकामना दिया. कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए सभी 6 प्रखंड में घूम-घूम कर आम जनमानस किसान भाइयों को मूलभूत सुविधा दिलवाने सरकार द्वारा किसानों के लिए जो चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ एवं निकटवर्ती समय में जो खेती-बाड़ी का सीजन आ रहा है

उसे समय बीज का वितरण और कृषि से संबंधित सुविधा दिलवाने की बात कही. साथ ही जिला अध्यक्ष महावीर मरैया के द्वारा निर्देश दिया गया की संगठन को बढ़ाने एवं सभी बूथ स्तर पर बूथ कमेटी मजबूत करने को लेकर लगातार कार्यक्रम करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया. लड़ाई लड़ेगा हक और अधिकार के लिए समाज में अंतिम से अंतिम व्यक्ति को सरकार द्वारा प्रदत लाभ को पहुंचाया जाएगा. मौके पर अध्यक्ष विनोद ठाकुर सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

मां अपनी पांच माह की बीमार बच्ची को कैनोला लगाने के लिए लगाती रही गुहार

साहिबगंज : रविवार को सदर अस्पताल में एक मां अपनी बच्ची के लिए एसएनसीयू वार्ड में एक सीएचओ से आई भी कैनोला लगाने के लिए गुहार लगा रही थी.साहब मेरी बच्ची की हालत बहुत गंभीर है डाक्टर साहब ने उसे सलाइन चढ़ाने के लिए कहा है. लेकिन केनोला लगाने के लिए कोई कर्मी तैयार नहीं है. नीचे सामान्य वार्ड से ऊपर एसएनसीयू के भेजा गया है. आप लगा दीजिए ताकि जल्दी मेरी बच्ची का इलाज शुरू हो सके. यह मामला रविवार का है. जहां एक मां अपनी पांच माह की बच्ची को गोद में लेकर एसएनसीयू के इंचार्ज सीएचओ राजेश यादव से आई भी कैनोला लगाने के लिए कह रही है.पद्मावती ने बताया कि यह पर एक महीना बच्चा का इलाज होता है यहां पर बड़ा बच्चा का इलाज नहीं किया जाता हे उन्होंने यह भी कहा कि एसएनसीयू में लगभग एक घंटा से खड़े है.मेरी बच्ची को आई भी कैनोला लगाने के लिए उसने इंकार कर दिया. महिला गोद में बच्ची को लेकर कभी नीचे तो कभी ऊपर का चक्कर काट रही है. एक घंटा से अधिक समय तक महिला परेशान रही है. महिला कुलीपाड़ा की रहने वाली पद्मावती है. महिला ने बताया कि उसकी बच्ची को उल्टी दस्त होने पर अस्पताल में भर्ती कराया. डॉक्टर भी अविलंब जांच कर दवा चलाने की सलाह दिए. लेकिन सलाइन के लिए केनोला लगाने के लिए कोई सिस्टर तैयार नहीं हुई. नीचे की सिस्टर ने कहा कि बच्चे का इलाज ऊपर एसएनसीयू में होता है. जब ऊपर गया तो वहां मौजूद सीएचओ राजेश यादव ने कहा कि यहां सिर्फ एक महीना तक के बच्चे का इलाज होता है. नीचे जाओ वहां से लगाया जाएगा. कई बार ऊपर नीचे करने में काफी परेशानी हुई है. करीब डेढ़ घंटा तक बेवजह यहां की कर्मी ने परेशान किया. जबकि बच्ची की हालत बिगड़ रही थी. इस पर महिला ने सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान से इस बिंदु पर शिकायत की सिविल सर्जन ने उस महिला का शिकायत सुनी ओर तुरंत एसएनसीयू इंचार्ज फोन कर कहा कि इस बच्ची को तुरंत केनोला लगाए तब एसएनसीयू इंचार्ज ने बच्चे को बोलाकर केनोला लगवाया बच्चे का कैनोला लगाने के बाद ही इलाज शुरू किया गया. वही डॉक्टर डॉ. प्रभात मलिक ने बताया कि बच्चे को डायरिया की शिकायत है. उसे भर्ती कर सलाइन चलाया गया है. केनोला नहीं लगाने के लिए बच्ची की इलाज में विलंब हुई है. इधर सीएचओ राजेश यादव ने बताया कि यहां जो बच्चा पहले से भर्ती है उसे प्राथमिकता दी जाएगी. उसने कहा कि महिला का लगाया गया आरोप गलत है.

क्या कहते है सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान.मामला संज्ञान में आया है. यह जांच का विषय है. जांच के दौरान अगर संबंधित कर्मी दोषी पाया जाता है तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी.डॉ. रामदेव पासवान सीएस, साहिबगंज.

बैशाख माह के हरिनाम संकीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान का हुआ समापन

महेशपुर: पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड मुख्यालय में चल रहे बैशाख माह के हरिनाम संकीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान का समापन भव्य नगर भ्रमण के साथ संपन्न हो गया. अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे एवं भक्ति गीतों के साथ नगर भ्रमण निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए. नगर भ्रमण गांव के मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्र से होकर गुजरा. इस दौरान श्रद्धालु हरे राम-हरे कृष्ण एवं अन्य भक्ति गीतों का संकीर्तन करते हुए पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिए. जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया तथा शीतल पेय और प्रसाद का वितरण किया गया. कीर्तन मंडली के कलाकारों ने आकर्षक भजनों की प्रस्तुति देकर लोगों को भावविभोर कर दिया. कार्यक्रम के समापन पर पूजा-अर्चना एवं महाप्रसाद वितरण किया गया. आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि बैशाख माह में प्रत्येक वर्ष इस प्रकार का धार्मिक आयोजन किया जाता है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द का माहौल बना रहता है.

देर रात एक्शन मोड में दिखी जिरवाबाड़ी पुलिस, चलाया सघन वाहन जांच अभियान

साहिबगंज : शहर में बढ़ती रात्री गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने को लेकर साहिबगंज पुलिस इन दिनों पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है. इसी क्रम में देर रात झरना कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर के समीप पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया.अभियान के दौरान देर रात बेवजह घूमने वाले युवकों, मनचलों, नशेड़ियों तथा संदिग्ध लोगों की गहन जांच की गई. पुलिस ने वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी विशेष नजर रखी. वहीं अवैध हथियार और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान को लेकर भी जांच अभियान चलाया गया.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में चोरी, छिनतई एवं अन्य आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार रात्री गश्ती बढ़ाई जा रही है. साथ ही पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है.

देर रात चले इस विशेष अभियान से इलाके में हड़कंप का माहौल देखा गया. स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान से अपराधियों का मनोबल गिरेगा.

परसुडीह में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में मंडल अध्यक्ष के नाम को लेकर विरोध

जमशेदपुर : भाजपा परसुडीह मंडल के कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक शनिवार को परसुडीह गौरी भवन प्रांगण में आयोजित की गई. बैठक में पार्टी संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा वर्तमान जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा द्वारा घोषित मंडल अध्यक्ष के नाम पर कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया. बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे वर्षों से पार्टी के झंडे के साथ मंडल एवं बूथ स्तर पर संगठन द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों और जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं. कार्यकर्ताओं का आरोप था कि जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा ने बिना व्यापक राय-मशविरा किए मंडल अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी, जबकि घोषणा से पहले चर्चा करने का आश्वासन दिया गया था. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सोशल मीडिया में सक्रिय घोषित मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता काम नहीं करेंगे. साथ ही सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर क्षेत्र में जनसमस्याओं के समाधान तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया. बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले समय में मंडल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पार्टी स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि संगठन को और मजबूत किया जा सके तथा कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाया जा सके. बैठक में मुख्यरूप से मेघलाल टुडू, सुजीत अम्बष्ठ, त्रिदिब चट्टराज, रविन्दर सिंह, सुजीत सिंह, अशोक सिंह, अनिल कुमार यादव, नयन पोद्दार, धीरज सिन्हा, आशुतोष उपाध्याय, अमित कुमार मिश्रा, विश्वजीत कुमार, सत्यम कुमार बेरा, चन्दर प्रसाद, सीमा मुंडा, शांति सिंह, कल्पना चौहान, नीतू सिंह, दशमत हसदा, उमेश कुमार शर्मा, जयंत दास, सोनू श्रीवास्तव, राना सरकार, सुब्रत चक्रबर्ती, पवन पात्र, आनंद पात्र, बापन कुंडू, गणेश राम शांडिल, आसुतोष दास, बबलू शासमल, बासुदेव (बुरो) दे, मनोज (मोंटू) जय प्रकाश शर्मा, रामानुज चौधरी, विष्णु करवा, राजेश कुमार गुप्ता, प्रभाष नायर, अनुपम मित्रा, सुष्मिता करेक, नीतू दुबे, विश्वजीत चक्रवर्ती, संजय शर्मा, राजेश अग्रवाल, धर्मेंद्र साव, जी उपेंद्र, परमानन्द बेहरा, माथुर चंद मछुआ, संजय कुमार शर्मा सह अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे. बैठक के अंत मे सभी कार्यकर्ताओं को अल्पकालीन समय पर उपस्थित होने का धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार यादव ने दिया.

थाना में शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

हिरणपुर: आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने को लेकर हिरणपुर थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी विनय कुमार ने की.बैठक में शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं विभिन्न समुदायों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. इस दौरान पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सद्भाव कायम रखने तथा अफवाहों से सतर्क रहने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. थाना प्रभारी विनय कुमार ने कहा कि बकरीद त्याग, भाईचारे और आपसी प्रेम का प्रतीक पर्व है. इसे सभी लोग मिल-जुलकर शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं. उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और पर्व के दौरान किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधियों या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी. बैठक में मौजूद लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों से बचने, प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई.वहीं शांति समिति के सदस्यों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए क्षेत्र में अमन-चैन और भाईचारे का माहौल बनाए रखने का संकल्प लिया. बैठक के अंत में सभी ने एक स्वर में बकरीद पर्व को प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता के साथ मनाने का संदेश दिया.

खड़गपुर रेल मंडल ने यात्रियों और वेंडरों को प्लास्टिक मुक्त अभियान से जोड़ा

खड़गपुर : दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल ने विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है. मंडल प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए यात्रियों, वेंडरों और रेल उपयोगकर्ताओं को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया है.रेलवे सूत्रों के अनुसार, खड़गपुर, शालीमार और संतरागाछी समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर स्थित खाद्य स्टालों, खानपान इकाइयों और वाणिज्यिक आउटलेट्स में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया. इस दौरान रेल अधिकारियों ने स्टाल संचालकों और वेंडरों को सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध की जानकारी दी तथा पर्यावरण-अनुकूल एवं बायोडिग्रेडेबल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया. अधिकारियों ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण की भी बात कही.अभियान के तहत यात्रियों को स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों (पीबीसीएम) के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया.अधिकारियों ने यात्रियों को बताया कि इन मशीनों के उपयोग से प्लास्टिक बोतलों का उचित निपटान और रीसाइक्लिंग संभव हो सकेगी, जिससे स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने में मदद मिलेगी.इसी क्रम में जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मंडल सांस्कृतिक संघ (डीसीए) की टीम ने संतरागाछी स्टेशन पर सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. कलाकारों ने अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के माध्यम से पर्यावरण, वन्यजीव और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को रेखांकित किया तथा लोगों से टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की. नुक्कड़ नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में यात्री और आम लोग जुटे.रेल मंडल के अनुसार, इस जागरूकता अभियान को यात्रियों, वेंडरों और अन्य हितधारकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है. मंडल प्रशासन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे. साथ ही सभी रेल उपयोगकर्ताओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद कर स्वच्छ और हरित भविष्य के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई है.

आसनसोल में एजुकेशन एंड करियर सेमिनार सम्पन्न, अग्निमित्रा पाल हुई सम्मानित

आसनसोल : आसनसोल के बर्नपुर स्थित भारती भवन में आदिवासी स्टूडेंट एंड यूथ फोरम तथा लेक्चर टैबलेट बर्नपुर की ओर से एजुकेशन एंड करियर पर चतुर्थ सेमिनार का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की महिला एवं शिशु कल्याण तथा अर्बन डेवलपमेंट मंत्री अग्निमित्रा पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. आयोजन समिति की ओर से उन्हें सम्मानित भी किया गया.सेमिनार में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग उपस्थित रहे. इस अवसर पर दुर्गादास सोरेन, शोभन दुआरी, कुंतल साधु, सौरभ चटर्जी, मिलन कर्मकार, कौशिक पाल, विदेश मुखर्जी, अली जिन्ना, हीरालाल सोरेन, घाघर सोरेन और कृष्णा हांसदा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे.अपने विस्तृत संबोधन में मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि आदिवासी समाज के युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर कम संस्थान स्थापित किए जाएंगे, ताकि वे केवल श्रमिक बनकर न रह जाएं बल्कि शिक्षक, डॉक्टर, प्रोफेसर और उद्योगपति बन सकें. उन्होंने कहा कि बंगाल में प्रत्येक आदिवासी छात्र-छात्रा के आत्मविश्वास को बढ़ाना बेहद जरूरी है और इसके लिए समाज के सभी अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बेटे-बेटियों में किसी प्रकार का

भेदभाव न करें और सभी को समान शिक्षा का अधिकार दें, क्योंकि शिक्षा से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है.मंत्री ने कहा कि विकास एक दिन में संभव नहीं होता, बल्कि इसके लिए सच्ची इच्छा शक्ति, सटीक परिकल्पना और लोगों के बीच खड़े रहने की मानसिकता जरूरी होती है. उन्होंने कहा कि आज के समय में दक्षता प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षा समाज की आवश्यकता बन चुकी है. उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समाज का विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक उसकी भाषा और संस्कृति को सम्मान न दिया जाए. भारत के इतिहास में पहली बार एक आदिवासी महिला द्रोपदी मुर्मु देश की राष्ट्रपति बनी हैं, जो पूरे आदिवासी समाज के लिए सम्मान और प्रेरणा की बात है. उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला को स्थान देना यह दर्शाता है कि आज आदिवासी समाज भी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है. द्रौपदी मुर्मू का जीवन संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और अवसर मिलने पर आदिवासी युवा भी अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं.मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान को बढ़ाना भी है.

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज लंबे समय तक विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण आधुनिक शिक्षा से वंचित रहा, लेकिन अब स्थिति बदल रही है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश का संपूर्ण विकास तभी संभव है, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और शिक्षा की रोशनी पहुंचे.उन्होंने आगे कहा कि आज शिक्षा केवल पढ़ाई-लिखाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भविष्य निर्माण का आधार है. आधुनिक आवासीय विद्यालयों के रूप में एकलव्य विद्यालयों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में सैकड़ों विद्यालयों में लाखों आदिवासी छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में अंग्रेजी, विज्ञान और कंप्यूटर की आधुनिक शिक्षा दी जा रही है, जो देश में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है.कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखने की बात कही.

बिष्टूपुर तिलक पुस्तकालय में शिकायत-निवारण कार्य दिवस आयोजित

जमशेदपुर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार शनिवार को बिष्टूपुर स्थित तिलक पुस्तकालय में पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शिकायत/निवारण कार्य दिवस का सफल आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर अपनी शिकायतें एवं सुझाव जिला प्रभारी को सौंपे. कार्यक्रम में जिला प्रभारी शशि भूषण राय का जिला महासचिव राकेश साहू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया. इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सरदार परविंदर सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी फिरोज खान, बबलू झा आदि उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी शिकायतें, सुझाव एवं संगठन से जुड़े मुद्दों को लिखित रूप में बंद लिफाफे में जिला प्रभारी को सौंपा. बताया गया कि सभी शिकायतों एवं सुझावों को प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखा जाएगा, ताकि संगठन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके.

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का 205 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

जमशेदपुर : पोटका प्रखंड के हल्दीपोखर (पश्चिम) पंचायत अंतर्गत स्कूल मोहल्ला स्थित कम्युनिटी हॉल में रविवार को संजीव सरदार फैन्स क्लब के तत्वावधान में क्योरबे अस्पताल, हाता के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा किया गया. शिविर में अस्पताल के कुशल चिकित्सकों द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया तथा दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया. कुल 205 लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाया. मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद क्षेत्र के युवाओं द्वारा क्योरबे अस्पताल के सहयोग से इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाना बेहद सराहनीय पहल है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए इस तरह के प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं.

सिविल सर्जन डॉक्टर पासवान ने अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की

साहिबगंज : रविवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान की अध्यक्षता में जिले के सभी सीएचसी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की गई.इस बैठक में राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीडीएम, बीपीएम तथा सिविल सर्जन कार्यालय में कार्यरत विभिन्न कार्यक्रमों के कर्मी उपस्थित थे. बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान ने प्रोजेक्टर से विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की तथा सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली. इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन, विभिन्न कार्यक्रमों की उपलब्धियों एवं लंबित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई. समीक्षा के दौरान सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में सुधार लाने पर जोर दिया. वहीं कुछ योजनाओं में संतोषजनक प्रगति नहीं

होने पर उन्होंने संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को फटकार लगाई तथा कमियों में सुधार कर शीघ्र प्रतिवेदन कार्यालय में समर्पित करने का निर्देश दिया. उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को सरकार से संचालित स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से कार्य करने को कहा.इस मौके पर मौजूद डॉक्टर किरण माला,सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ महमूद आलम, राजमहल अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू , बोरियो प्रभारी डॉ पंकज कुमार, मंडरो प्रभारी डॉ नित्यानंद सिंह, तालझारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर रंजन कुमार, बरहेट प्रभारी डॉ पंकज कुमार, बरहरवा प्रभारी डॉ सरिता टुडू , पतना प्रभारी डॉ शमशुल हक़, उधवा प्रभारी डॉ गुरफान अंसारी , हेड क्लर्क अश्विनी कुमार , सदर अस्पताल के स्थापना क्लर्क मुकेश सिन्हा,एनआरएचएम क्लर्क प्रवीण सक्सैना, डीपीएम रविशंकर , डीपीसी संदीप कुमार, डीडीएम अमित कच्छप, डीएएम, परवेज कुमार, डीपीएमयू कॉर्डिनेटर राजीव रंजन, आयुष्मान डीपीसी अमन पांडे, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर अभय सिंह, बीपीएम मनोज यादव , सभी बीपीएम,बीडीएम एवं अन्य कर्मचारी मौजूद थे.

निष्पक्ष रूप से संपन्न हुआ संगठनात्मक चुनाव

जहानाबाद (बिहार) : जहानाबाद में राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के सभी साथियों एवं अभिभावकों की मौजूदगी में निष्पक्ष रूप संगठनात्मक चुनाव संपन्न हो गया ! जिसमें सदर प्रखंड जहानाबाद से हृदय पासवान, काको प्रखंड से संजीत कुशवाहा, मखदुमपुर प्रखंड से बूंदी ठाकुर, मोदनगंज प्रखंड से नवलेश कुमार, रतनी फरीदपुर प्रखंड से केदारनाथ वर्मा, घोसी प्रखंड से अजय कुमार उर्फ मनीष कुमार, हुलासगंज प्रखंड से शिशु वर्मा को सर्वसम्मति से प्रखंड अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुन लिया गया है ! इसके बाद राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के युवक प्रदेश अध्यक्ष एवं जहानाबाद के पर्यवेक्षक, डॉक्टर चंदन कुमार यादव ने सभी निर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष साथियों को बधाई देते हुए अनेकों शुभकामनाएं भी दी है, और उन्होंने कहा है कि पार्टी को पूर्ण विश्वास है, कि आप सभी पार्टी को मजबूत करेंगे, एवं अपने आदरणीय नेता उपेंद्र कुशवाहा के विचारधाराओं को संकल्पित होकर जन-जन तक ले जाएंगे !

खानाकुल में अवैध निर्माण हटाने के लिए बुलडोजर अभियान, नालों पर बने ढांचे ध्वस्त

हुगली : प्रशासन ने रविवार को खानाकुल के नंदनपुर और जगतपुर इलाके में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया. इस दौरान बुलडोजर की मदद से ड्रेन और जलनिकासी व्यवस्था पर बने कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया. अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा.प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, लंबे समय से नालों और जलनिकासी मार्गों पर अवैध कब्जा कर निर्माण किए जाने के कारण इलाके की सामान्य जलनिकासी व्यवस्था प्रभावित हो रही थी. आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए जलनिकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई की गई.इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए खानाकुल के विधायक सुशांत घोष ने कहा कि वह लंबे समय से इस समस्या के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं. उन्होंने कहा कि खानाकुल बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है और यदि नालों तथा जलनिकासी मार्गों को भरकर निर्माण किया जाएगा तो बारिश के समय स्थिति और गंभीर हो सकती है.उन्होंने कहा कि आम लोगों के हित में अवैध कब्जों को हटाकर जलनिकासी व्यवस्था को चालू रखना बेहद जरूरी है.अभियान को लेकर इलाके में कुछ समय के लिए हलचल का माहौल बना रहा, लेकिन प्रशासन की सक्रियता के चलते पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई. स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने भी जलभराव और बाढ़ की समस्या से राहत के लिए प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन किया.प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध कब्जों और अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा.

न्यूज कॉर्नर

दिनदहाड़े अधिवक्ता से मोबाईल छिनतई करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

रांची : राजधानी के लालपुर थाना क्षेत्र से दिनदहाड़े अधिवक्ता के हाथ से मोबाइल छिनतई करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.गिरफ्तार आरोपितों में अंशु कच्छप और आकाश वर्मा शामिल हैं. इनके पास से छिनतई का मोबईल फोन बरामद किया गया.डीएसपी केवी रमण ने रविवार को बताया कि लालपुर के केएम मल्लिक रोड निवासी अधिवक्ता राकेश कुमार सिन्हा पिछले शनिवार को लालपुर विराज नगर किसी काम से जा रहे थे. इसी दौरान हीरो स्पलेन्डर बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधकर्मी आये और राकेश के हाथ से मोबाईल झपट्टा मार कर छीन कर भाग गये. इस संबंध में लालपुर थाना में मामला दर्ज किया गया था. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया. छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया. साथ ही छिनतई की गयी मोबाईल को भी बरामद किया.

युवती से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत मामले में सेना के जवान को पुलिस ने गिरफ्तार किया

रांची : राजधानी रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में एक युवती से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पारा मिलिट्री फोर्स के जवान को गिरफ्तार किया है. जानकारी के अनुसार, बीते 22 मई को एक युवती ने लालपुर थाना में आवेदन देकर एक युवक पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया.शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर संबंधित वीडियो को जब्त किया. लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने आरोपित विनय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. आरोपित जवान का वर्तमान पता यूनिट-1 बटालियन, राजपुताना रायफल, नामकुम रांची है. पुलिस ने कार्रवाई की सूचना यूनिट-1 बटालियन राजपुताना रायफल, नामकुम रांची के कमांडिंग ऑफिसर को भी दे दी है. मामले में आगे की जांच जारी है.

श्याम सेवा समिति चांडिल की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

जमशेदपुर : सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री श्याम सेवा समिति चांडिल की नई कार्यकारिणी 2026-2028 का शपथ ग्रहण समारोह आज शाम पारडीह चौक स्थित एक होटल में संपन्न हुआ. इस सामारोह में सिंहभूम चेम्बर ऑफ कामर्स के पूर्व अध्यक्ष विजय आनंद मुनका ने नई टीम के अध्यक्ष संदीप सुल्तानिया, सचिव अनूप जालान, कोषाध्यक्ष विवेक सुल्तानिया को शपथ दिलायी. वही सिंहभूम चेम्बर अध्यक्ष मानव केडिया ने तीन उपाध्यक्ष क्रमशः रौनक पसारी, विजय जालान, एवं रूपम जालान सहित सहसचिव राकेश अग्रवाल को शपथ दिलायी. नयी टीम में तीन संयोजक क्रमशः राजेश पसारी, अनिल जालान, नवीन पसारी भी बनाये गये हैं. सामारोह का सफल संचालन संयोजक राजेश पसारी ने किया. समारोह में उपस्थित निवर्तमान अध्यक्ष आयुष पसारी, सचिव प्रवीण जालान तथा कोषाध्यक्ष विवेक सुल्तानिया सहित पूरी पुरानी टीम के कार्यो की सराहना की गई और उनके योगदान के लिए धन्यवाद व्यक्त किया गया. समारोह में बतौर अतिथि रूही अग्रवाल, संदीप मुरारका, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी. साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर सबके सहयोग एवं समर्थन से काम करने को कहा. अतिथियों ने समाज एवं संगठन हित में हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया. समारोह में प्रमुख रूप से समाज के गणमान्य क्रमशः रत्नाकर खेतान, पंकज पसारी, अतुल सुल्तानिया, रंजन जालान, सुशील पसारी, संजय भौतिक, अरुण रुंगटा, प्रकाश पसारी, राकेश अग्रवाल, रौनक पसारी, रूपम जालान, मनोज पसारी, गोपाल सुल्तानिया, कमल जालान, अमित बगड़िया, दिनेश जालान, कमल किशोर अग्रवाल, मंटू अग्रवाल, अजय भालोटिया, उमेश खीरवाल, लिप्पू शर्मा, मोहित मूनका, सुधीर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

ऑटो चालकों ने पकड़ा शातिर ठग

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित आकाशदीप प्लाजा के समीप रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ऑटो चालकों ने लोगों से ठगी करने वाले एक युवक को खदेड़कर पकड़ लिया. आरोपित पर आरोप है कि वह लंबे समय से ऑटो चालकों और राहगीरों को झांसा देकर रुपये ऐंठने का काम कर रहा था.लगातार हो रही घटनाओं से परेशान चालकों ने उसकी पहचान कर रखी थी और मौके की तलाश में थे. रविवार को युवक ने फिर उसी तरीके से ठगी का प्रयास किया, लेकिन इस बार वह लोगों के हत्थे चढ़ गया.भुक्तभोगी ऑटो चालक राव ने बताया कि आरोपित युवक पहले भी उससे करीब तीन हजार रुपये ठग चुका था. रविवार को युवक ने दोबारा उसे अपने जाल में फंसाने की कोशिश की. उसने चालक से कहा कि मस्जिद के पास से एक महिला और युवती को लेकर साकची स्थित सागर होटल से डायमंड मार्केट तक जाना है, जहां शादी समारोह में शामिल होना है. इसके लिए 100 रुपये किराया तय किया गया.इसके बाद युवक ने पास के एक मकान की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह ऊपर से पैसे लेकर आता है.

लोकप्रिय विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार ने जिला मजिस्ट्रेट से शिष्टाचार एवं विकासात्मक मुद्दों को लेकर महत्वपूर्ण मुलाकात की

कुल्टी : कुल्टी विधानसभा के लोकप्रिय एवं दो बार के विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार ने पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट से शिष्टाचार एवं विकासात्मक मुद्दों को लेकर एक महत्वपूर्ण मुलाकात की. यह मुलाकात पूरी तरह सकारात्मक, सौहार्दपूर्ण एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रही, जिसमें कुल्टी विधानसभा क्षेत्र की कई ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया.मुलाकात के दौरान विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार ने बराकर से डिसरगढ़ जाने वाले जर्जर सड़क मार्ग की समस्या को गंभीरता से रखते हुए तत्काल मरम्मत एवं निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की. साथ ही सिद्धेश्वरी मंदिर क्षेत्र के ड्रेनेज सिस्टम की सफाई को लेकर भी चिंता व्यक्त की, क्योंकि मानसून नजदीक है, और जलजमाव की स्थिति आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन सकती है.इसके अलावा नियामतपुर स्थित कुमारडीया हेल्थ सेंटर की चारदीवारी तोड़कर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण पर भी विधायक ने कड़ा रुख अपनाया और प्रशासन से

तत्काल कार्रवाई करने की मांग की. वहीं नियामतपुर से डीशरगढ़ रोड तक की सड़क पर पिछले डेढ़ वर्षों से उड़ रहे धूलकणों के कारण स्थानीय लोगों को हो रही भारी परेशानियों का उल्लेख करते हुए सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया.जिला मजिस्ट्रेट ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि प्रशासन जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा.इस अवसर पर विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार ने कहा कि राज्य में परिवर्तन के बाद जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर खुलकर विश्वास जताया है, और अब सरकार जनता के हित में समय की गिनती नहीं बल्कि समस्याओं के त्वरित समाधान की नीति पर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि सरकार बने अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ है, इसके बावजूद पूरे पश्चिम बंगाल में विकास कार्य तेज गति से शुरू हो चुके हैं, और कुल्टी विधानसभा में युद्ध स्तर पर विभिन्न योजनाओं पर काम चल रहा है.उन्होंने आगे कहा कि कुल्टी की जनता ने जिस विश्वास और आशीर्वाद के साथ उन्हें समर्थन दिया है, उस भरोसे पर पूरी मजबूती के साथ खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है.

क्षेत्र के हर वार्ड में पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर समस्याओं के समाधान में जुटे हुए हैं, और आने वाले समय में चाहे आसनसोल नगर निगम हो या कुल्टी नगरपालिका, भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता ही नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे.डॉ पोद्दार ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते15 वर्षों में भ्रष्टाचार, कटमनी, लूट और जनता की उपेक्षा की राजनीति ने विकास को बाधित किया,

लेकिन अब जनता बदलाव चाहती है,और भाजपा की सरकार पारदर्शिता, विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि कुल्टी विधानसभा की हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान जमीनी स्तर पर किया जाएगा, और क्षेत्र को विकास की नई दिशा दी जाएगी.

भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

औरंगाबाद (बिहार) : जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप सम्राट अशोक भवन में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान - 2026, जिला प्रशिक्षण वर्ग के आज रविवार को दूसरे दिन 12वीं सत्र के बाद समापन किया गया ! भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा, कार्य शैली, सेवा, समर्पण, एवं राष्ट्रहित के प्रति कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तृत रूप से चर्चा किया गया ! साथ ही केंद्र एवं राज्य - सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में संगठन की जिम्मेवारी को भी रेखांकित किया गया ! प्रशिक्षण वर्ग संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता एवं कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है ! भारतीय जनता पार्टी सदैव कार्यकर्ता आधारित संगठन के रूप में सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करती रही है ! ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु नई ऊर्जा एवं दिशा प्रदान करती है ! ध्यातव्य हो कि दूसरे दिन के सत्र में बिहार - सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर, कुमार शैलेंद्र, राजसभा सांसद, शिवेश राम, दीघा के विधायक संजीव चौरसिया, औरंगाबाद के विधान पार्षद, सदर विधानसभा क्षेत्र संख्या - 223 औरंगाबाद के भाजपा विधायक, त्रिविक्रम नारायण सिंह, प्रदेश मंत्री,

मुकेश शर्मा, बिहार प्रदेश के सोशल - मीडिया आदित्य रजक, अधिवक्ता, डॉक्टर कौशलेंद्र नारायण, जिला प्रभारी, मनोज कुशवाहा, जिलाध्यक्ष, विजेंद्र सिंह चंद्रवंशी, सदर विधानसभा क्षेत्र संख्या - 223, औरंगाबाद से पूर्व में राष्ट्रीय जनता दल के विधायक रहे एवं वर्तमान भाजपा नेता, सुरेश मेहता, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, अवध बिहारी सिन्हा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, अनिल कुमार सिंह, अशोक सिंह, सुनील शर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, जिला के महामंत्री, वैभव विशाल उर्फ टैगोर अमन कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष, संजय गुप्ता, अनीता सिंह, मुकेश कुमार सिंह, दीपक कुमार, दीपक उपाध्याय, रंजीत कुशवाहा, रेखा पासवान, जिला मंत्री, सुबोध कुमार सिंह, अशोक पाण्डेय, जुलेखा खातून, सुमन अग्रवाल, उषा सिंह, सुनील शर्मा, जिला प्रवक्ता एवं संचालन कर्ता, अश्वनी तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी, दीपक कुमार सिंह, जिला प्रवक्ता, उज्जवल सिंह, जितेंद्र गुप्ता, कार्यालय मंत्री, विकेश सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष, विकास सिंह, राकेश पाण्डेय, संजय शर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता गण भी उपस्थित थे ! ध्यातव्य हो कि इसी आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होकर प्रशिक्षण लेने वाली श्रीमती उषा सिंह ने भी कहा है, कि आज रविवार दिनांक - 24 मई 2026, प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर पथ निर्माण मंत्री, माननीय शैलेंद्र कुमार के कर - कमलों द्वारा महिला प्रमुख होने के नाते सम्मानित होना मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण रहा ! मै माननीय एवं सभी वरिष्ठ जनों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं ! यह सम्मान मुझे एवं संगठन के प्रति, अधिक समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है ! आप सभी के समय, विश्वास और सहयोग के लिए बहुत - बहुत धन्यवाद !

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 25 मई, 2026

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है. यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते. मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है. जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता. भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है. निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है. सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं. एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं. निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं. यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है. निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं. दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अत: इनसे पहले ही किनारा कर लो. आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता. भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं. उनका ख्याल रखती हैं. विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं. बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं. फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है. बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है. हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था. जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है. यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े. निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे. यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया. यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं. न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं. अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है. न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है. न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो. लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है. हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं.

बिहार में अब शुरू हुआ सम्राट चौधरी का असली इम्तहान

– क्रांति कुमार पाठक

सचमुच, बिहार की राजनीतिक धरती ने पिछले दिनों एक बार फिर इतिहास रचा, जब लगभग दो दशक तक बिहार की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भाजपा ने सम्राट चौधरी को अपने विधायक दल का नेता चुना. बिहार में सम्राट चौधरी का भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने और बिजेंद्र प्रसाद यादव और विजय चौधरी के उपमुख्यमंत्री बनने फिर मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सत्ता का नया स्वरूप सामने आया है. लेकिन इस बदलाव के बीच अब कई सवाल भी उठ रहे हैं, खासतौर पर नई सरकार की चुनौतियों और भाजपा-जदयू के रिश्तों के भविष्य पर. फिलहाल जहां भाजपा खेमे में उत्साह है, वहीं जदयू में सन्नाटा और असमंजस का माहौल दिखाई दे रहा है. दरअसल, सम्राट चौधरी ऐसे समय मुख्यमंत्री बने हैं, जब उन्हें एक तरफ जहां गठबंधन को संभालना है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष का भी सामना करना है. क्योंकि उन पर पहले से ही कई तरह के आरोप लग चुके हैं. लेकिन पार्टी ने उन सभी को दरकिनार कर उन्हें नेतृत्व सौंपा. ऐसे में अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती है प्रशासनिक प्रदर्शन. बिहार में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे लंबे समय से प्रमुख मुद्दे रहे हैं. जनता अब तेज और ठोस परिणाम चाहती है. शराब नीति पर पूछा जा रहा है कि इसमें कोई बदलाव होगा या नीतीश की पाबंदी जारी रहेगी? बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं. 1990 के बाद से सामाजिक न्याय की राजनीति ने राज्य की दिशा तय की. लालू प्रसाद यादव के दौर में पिछड़े और दलित वर्गों को राजनीतिक भागीदारी मिली. बाद में भाजपा और जदयू ने मिलकर इस समीकरण को चुनौती दी और लव-कुश फार्मूले के जरिए सत्ता पर पकड़ मजबूत की. नीतीश कुमार कुर्मी समाज से आते हैं और सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज से. राज्य में बड़ी आबादी पिछड़ा और अत्यंत पिछड़ा वर्ग की है, इसलिए कोई भी राजनीतिक दल इस समीकरण को नजरअंदाज नहीं कर सकता. यही वजह रही कि मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा और जदयू ने कोई खतरा मोल नहीं लिया. फिर भाजपा और जदयू के बीच संबंध की संवेदनशील राजनीति को संभालना भी उतना ही जरूरी है. जदयू अपनी अलग पहचान और राजनीतिक जमीन को बचाए रखने की कोशिश करेगी, जबकि भारतीय जनता पार्टी राज्य में अपने संगठन और जनाधार को लगातार विस्तार देने की रणनीति पर काम कर रही है. यही कारण है कि यह गठबंधन सहयोग के साथ-साथ एक मौन प्रतिस्पर्धा का भी रूप लेता दिख रहा है. यह भी संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा भविष्य में मुख्यमंत्री पद को अपने पास स्थायी रुप से बनाए रखने की दिशा में काम कर सकती है, जैसा यह अन्य राज्यों में कर चुकी है. जदयू की कमान अब भी नीतीश कुमार के हाथों में है. भले ही उनके सक्रिय नेतृत्व के दौर के समाप्त होने की चर्चा हो रही हो, लेकिन पार्टी की दिशा और निर्णयों पर उनका प्रभाव बना रहेगा. हालांकि यह सवाल है कि पार्टी का भविष्य क्या होगा? वह अपनी स्वतंत्र पहचान को मजबूती से बनाए रख पाएगी या धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रभाव में सिमटती चली जाएगी? आने वाला वक्त इसका जवाब तय करेगी. बिहार की राजनीति इस समय संक्रमण काल से गुजर रही है. सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ा अवसर है, लेकिन उतनी ही बड़ी परीक्षा भी. क्योंकि असली प्रश्न यह है कि क्या सम्राट चौधरी बिहार की उन पुरानी और गहरी समस्याओं से पार पा सकेंगे जो दशकों से राज्य को पिछड़ेपन की जंजीरों में जकड़े हुए है? हालांकि, नीतीश कुमार का मूल्यांकन कितना ही विवादास्पद हो, एक तथ्य निर्विवाद है कि उन्होंने बिहार को लालू-राबड़ी के जंगलराज से निकालकर सुशासन की एक आधारभूमि दी. सड़कें बनी, बिजली पहुंची, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था में सुधार हुआ. महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम चले. किंतु उनके दो दशक के शासनकाल का सबसे बड़ा अधूरापन यह रहा कि बिहार आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में उस गति से नहीं दौड़ सका, जिसकी उसे दरकार थी. ऐसे में सम्राट चौधरी को यह विरासत संभालनी है और इसमें न केवल पुराने घाव भरने हैं, बल्कि नए संकल्पों का बीजारोपण भी करना है. *(उपसंपादक दैनिक एक संदेश)*

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है. यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है. जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है. यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा. भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी. उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई. परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा. इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं. ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी. विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी. डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है. पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था. लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी. इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है. यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है. यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा. डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है. मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी. प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा. उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा. इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है. डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है. नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे. इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है. डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी. यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है. यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है. हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं. सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है. आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते. ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है. यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं. यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है.

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है. बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते. यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी. अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही. भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है. इसलिए केवल डिजिटल होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो. इसी कारण ऑफलाइन-फर्स्ट मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है. जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं. इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा. साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें. डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है. कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था. परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं. भारत में बड़ी संख्या में लोग अस्थायी रूप से शहरों में काम करते हैं और अक्सर स्थायी पते से दूर रहते हैं. यदि जनगणना के दौरान वे अपने गांव या मूल निवास स्थान पर नहीं होंगे, तो उनकी गणना छूट सकती है. यही समस्या बेघर लोगों, फुटपाथ निवासियों और अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ भी हो सकती है. इसलिए डिजिटल प्रणाली को इतनी लचीली बनाना होगा कि गतिशील आबादी का सटीक आकलन किया जा सके. जाति आधारित आंकड़ों का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील और जटिल है. भारत में हजारों जातियां और उप-जातियां हैं, जिनके नाम और सामाजिक पहचान क्षेत्र के अनुसार बदलते रहते हैं. यदि डिजिटल कोडिंग प्रणाली में मानकीकरण की कमी रही, तो गलत वर्गीकरण और डेटा असंगतता की समस्या पैदा हो सकती है. जातिगत आंकड़ों का सीधा संबंध सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि गंभीर विवाद का कारण बन सकती है. सरकार को इस विषय में अत्यधिक सावधानी, विशेषज्ञता और पारदर्शिता की आवश्यकता होगी. एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है एन्यूमरेटरों का प्रशिक्षण. अनुमान है कि लगभग 30 लाख से अधिक गणनाकर्मियों की आवश्यकता होगी, जिनमें बड़ी संख्या स्कूल शिक्षकों की होगी. इन सभी को डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन संचालन, डेटा वैलिडेशन, साइबर सुरक्षा, नैतिकता और गोपनीयता के बारे में व्यापक प्रशिक्षण देना होगा. यदि प्रशिक्षण अपर्याप्त रहा, तो तकनीकी त्रुटियां और डेटा की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है. कई बार तकनीक की विफलता मशीन से नहीं, बल्कि उसके उपयोगकर्ता की अपर्याप्त समझ से होती है. इसलिए मानव संसाधन का सुदृढ़ प्रशिक्षण इस पूरी परियोजना की सफलता की कुंजी होगा. साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की चिंताएं भी अत्यंत गंभीर हैं. जनगणना में नागरिकों की निजी जानकारी जैसे परिवार संरचना, शिक्षा, रोजगार, प्रवास इतिहास और संभवतः जातिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे. यदि यह डेटा साइबर हमलों, डेटा चोरी या राजनीतिक दुरुपयोग का शिकार हुआ, तो जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है. विशेष रूप से चुनावी संदर्भ में डेटा के राजनीतिक उपयोग या दुरुपयोग की आशंकाएं भी बनी रहेंगी. इसलिए सरकार को डेटा एन्क्रिप्शन, सुरक्षित सर्वर, एक्सेस कंट्रोल और स्वतंत्र डेटा सुरक्षा ऑडिट जैसी मजबूत व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी. साथ ही, नागरिकों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका डेटा केवल सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा. राजनीतिक दृष्टि से भी यह जनगणना अत्यंत संवेदनशील होगी. जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन हो सकता है. उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में अंतर के कारण संसदीय सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न राजनीतिक बहस का विषय बन सकता है. यदि किसी राज्य की जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक बढ़ी है, तो उसे अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है. इससे संघीय संतुलन और राजनीतिक शक्ति वितरण पर प्रभाव पड़ सकता है. इसलिए जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना आवश्यक होगा. भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता भी डिजिटल जनगणना को जटिल बनाती है. देश में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

25 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 25 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह केतु है. इस माह का प्रतिनिधि ग्रह शुक्र है. आप शुक्र एवं केतु ग्रह से सम्मिलित प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आपके विचार परिवर्तनशील होंगे. आप कल्पनाशील एकान्तप्रिय और महत्वकांक्षी प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे. कला साहित्य के प्रति विशेष अभिरूचि रहेगी. आपका स्वभाव कुछ रहस्यमयी होगा. स्थान परिवर्तन के अवसर आपके जीवन में अनेको बार उपस्थित होंगे. आप जो भी निर्णय लेंगे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष लेंगे. आप समयानुसार अपने आपको बनाने में सक्षम होंगे. जनकल्याण की ओर भी प्रवृत्ति रहेगी. आप सौन्दर्य प्रेमी व्यक्ति होंगे. अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी. आप वास्तविकता को ज्यादा महत्व देंगे. आप जब भी कोई कार्य करेंगे पूरी जानकारी हासिल करने के बाद ही उसे करेंगे. आप में अतीन्द्रिय ज्ञान की अद्भुत क्षमता रहेगी. व्यर्थ का दिखावा आप पसन्द नहीं करेंगे. राजनैतिक-सामाजिक क्रिया कलापों में भी आपकी अभिरूचि रहेगी. सुख-समृद्धि हेतु आपको चाहिए कि आप नियमित रूप से देव अर्चना अवश्य करें. अपने दैनिक जीवन में गुलाबी रंग का प्रयोग अधिकतम करें. चाँदी का छल्ला कनिष्ठा अंगुली में पहने तथा केतु यन्त्र धारण करें. अपने जन्म दिनांक से सम्बन्धित ग्रह की पूजा करें. परोपकारी बनें. अपने कार्य के प्रति किसी को ठेस न पहुँचाये. असत्य बात का सहारा न लेवें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ कें केतवें नम:	मास	:	जनवरी, मार्च एवं अगस्त
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
दिन	:	रविवार, सोमवार एवं बुधवार	रंग	:	गुलाबी एवं पीला
दिनांक	:	7, 16, 25	जन्मरत्न	:	लहसुनिया
अंक	:	1, 2, 7	उपरत्न	:	लाजवर्त

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 जून से 25 जुलाई

यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : दिन बेहतर, दूसरों की सलाह मान्य इच्छित पद की प्राप्ति, अड़चनें समाप्त, निजी इच्छा की पूर्ति, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग, मानसिक शांति, शत्रु परास्त.

वृषभ : आज दिन 9/08 बजे तक दिनचर्या अव्यवस्थित, वैवाहिक जीवन असंतोषजनक, अशांति, शेष समय शुभ, रचनात्मक गतिविधियों में वृद्धि, परिजनों से सहयोग.

मिथुन : आज दिन 9/08 बजे तक पुरुषार्थ के प्रति रुचि, सुख-सुविधा के निमित्त व्यय, यात्रा संभव, शेष समय कष्टकर, समस्याओं से चिन्तित, मानसिक तनाव.

कर्क : किसी योजना की शुरुआत, पुराने विवाद का समापन, आशा के अनुकूल घटना घटित, स्वाध्याय की ओर रुचि, यात्रा में सफलता, प्रभावशाली हस्तयों से सम्पर्क.

सिंह : आरोग्य सुख में वृद्धि, व्यक्तित्व का विकास, आकस्मिक लाभ का सुअवसर, भौतिक सुख के साधन सुलभ, पारिवारिक सौहार्द, मौज-मस्ती के निमित्त व्यय.

कन्या : आज दिन 9/08 बजे तक दिनचर्या अव्यवस्थित, परिवार में मतभेद, मानसिक कष्ट, वाहन से भय, शेष समय में भौतिक सुख सुविधा उपलब्ध, आर्थिक लाभ.

तुला : आज दिन 9/08 बजे तक समय बेहतर, नवीन योजना के प्रति रुचि जागृत, संत समागम, शेष समय आशा के विपरीत, विवाद की आशंका, लाभ में कमी.

वृश्चिक : विचारित योजना प्रगति पर, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, कुछेक समस्याएँ सुलझने की ओर, वैवाहिक जीवन संतोषजनक, बुद्धि का विकास, व्यावसायिक प्रगति.

धनु : मनोवांछित सफलता, शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति, मान-सम्मान में वृद्धि, बौद्धिक क्षमता का विकास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग, कर्ज निवृत्ति का प्रयास.

मकर : आज दिन 9/08 बजे तक समय अशुभ, मित्रों से तनाव, गलतफहमी के शिकार, शेष समय में आर्थिक प्रगति, निजी इच्छा की पूर्ति, किसी विवाद का समापन.

कुम्भ: आज दिन 9/08 बजे तक व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता, बकाए धन की वसूली, शेष समय में ग्रहयोग विपरीत, क्रोध की अधिकता, मानसिक तनाव, आर्थिक हानि.

मीन: नवयोजना की शुरुआत, मनोबल में वृद्धि, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु व्यय, उत्सव में सम्मिलित होने का सुयोग, मित्रों से विचार-विमर्श, स्थान परिवर्तन.

– ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

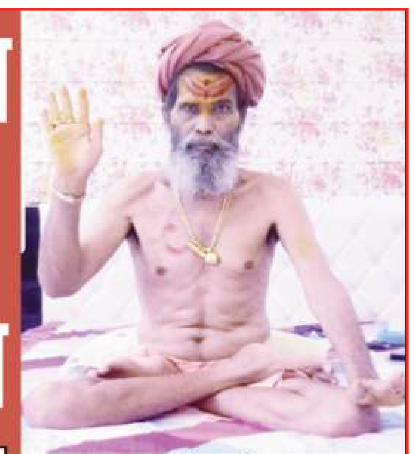

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी

– हृदयनारायण दीक्षित

'जीवन की साँझ' भी आती है. संध्या आती है प्रतिदिन. सभी प्राणी घर लौटते हैं. सूर्य अस्त होते हैं. इसी तरह 'वृद्धावस्था' जीवन की साँझ है. यह अचानक नहीं आती. धीरे-धीरे 'जीवन-ऊर्जा' घटती है. शरीर क्षीण होता है. मन और शरीर का संगीत टूटता है. मन कहता है-नाचें. गतिशील रहें. चरेवैति-चरेवैति. चलते रहें. 'गति' ऋषि-आह्वान है. मन करता है कि इसी के अनुसार चलते रहें लेकिन शरीर शिथिल और लाचार होता है. तब झिलमिल तारों की आकाशगंगा के दर्शन 'आनन्द' नहीं देते. नदियाँ प्रवाहमान हैं, गतिशील हैं. उनके 'नाद' आनन्दित करते हैं. धीरे-धीरे नाद की ध्वनि मद्धिम होती है. श्रवण-शक्ति कम होती है. स्मृति भी क्षीण होती है इसलिए सभी वृद्ध तरुणाई की स्मृतियों में रस लेते हैं. वर्तमान 'भूत' होता है प्रतिपल. 'भूत-अनुभूत' है सबके भीतर. जरामरण सारभूत हैं. यह जीवन का ध्रुव और अटल सत्य है. महाभारत के यक्ष प्रश्न और युधिष्ठिर के उत्तर सामने हैं. 'मृत्यु' सत्य है लेकिन लोग इस सत्य को स्वीकार नहीं करते. 'वृद्ध' होना भी जीवन का पीड़ादायी सत्य है. शरीर भी फल की तरह पकता है. पहले खट्टा होता है फल. फिर धीरे-धीरे रसवान होता है. मधुवान होता है. गन्धवान होता है. 'पक्षी' फलवान-मधुवान वृक्षों पर गीत गाते हैं. पूरा पका फल एक दिन टहनी-डंठल से अलग हो जाता है. ऋग्वेद के ऋषि-कवि ने त्रयम्बकदेव से स्तुति की है, हम त्रयम्बक रुद्र का ध्यान करते हैं. वे पोषणदाता हैं. वे पककर अलग हो जाने वाले ककड़ी-खीरा की तरह हमको मृत्यु बन्धन से अलग करें. मुक्त करें. वृद्धावस्था स्वाभाविक है लेकिन हिन्दू-परम्परा के अनुसार 'देवता' वृद्ध नहीं होते. देवताओं पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता. ऋग्वेद (6.24.7) में कहते हैं, संवत्सर 'इन्द्र' को क्षीण नहीं कर सकते. मास भी इन्द्र को क्षीण नहीं कर सकते और दिन भी. कालचक्र भी क्षीण-जीर्ण नहीं होता. यह अजर-अमर है. ऋग्वेद (1.16.4.11) में कहते हैं, सूर्य का बारह अरों वाला चक्र द्युलोक के चारों ओर घूमता है और कभी जीर्ण नहीं होता. वृद्धावस्था दुःख देती है. इसकी कठिनाइयों से वैदिक ऋषि सजग थे. विवाह के समय 'वर' वधू से कहता है, तू मुझ पति के साथ वृद्धावस्था-पर्यंत साथ रहना. (10.85.36) वृद्धावस्था कष्टदायी है. शरीर जीर्ण होता है. इन्द्र से स्तुति है, विद्वानों को धन दीजिए. वे वृद्धावस्था तक ऐश्वर्यशाली रहें. सुखद जीवन और सुखद वृद्धावस्था की इच्छा वेदों में प्रकट हुई है. ऋग्वेद में स्तुति है, हम दीर्घजीवी रहें. कल्याणमय सुखद जीवन प्राप्त करें. वृद्धत्व सुखमय हो. (10.37.6) वेदों में 100 शरद की जीवन-अभिलाषा है. इस अभिलाषा में स्वस्थ शरीर की इच्छा भी है. आँख, कान सहित सभी अंगों के पुष्ट रहने की भी स्तुति है. केनोपनिषद के शान्तिपाठ में कहते हैं, आप्यायन्तु माँगानि वाक्, प्राण, चक्षु (आँखें) श्रोत्रम्. बलम् इन्द्रियाणि च सर्वाणि मेरे सभी अंग वाणी, प्राण, आँखें, कान, बल-परिपुष्ट हों. जीवन का अवसान सत्य है. वृद्धावस्था जीवन-अवसान की तैयारी है. वृद्ध होना शरीर का स्वभाव है. 'स्वभाव' प्राकृतिक है. शरीर निःस्सन्देह कमजोर होता है लेकिन वृद्धावस्था का अपना सौन्दर्य है. यह नई भूमिका की प्रतीक्षा है. 'मृत्यु' जीवन का अन्त है. अन्तिम सत्य है. इसके पहले वृद्धावस्था है. जीवन-ऊर्जा का अवसान है. प्रश्न अनेक हैं. क्या मृत्यु दुःख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है. मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं. हिन्दू दार्शनिकों ने 'जरा' (वृद्धावस्था) और 'मृत्यु' को दुःखदायी बताया है. बुद्ध की कथा में भी वृद्ध-दर्शन की अनुभूति है. ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है. दीर्घ जीवन पर्याप्त नहीं है. दीर्घ जीवन के साथ स्वस्थ शरीर भी जरूरी है इसलिए इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है. दीनहीन न होने की भी स्तुति है. वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियाँ काम नहीं करतीं. बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है. जीवन अमूल्य है. वृद्ध हमारे समाज का अनुभव-समृद्ध भाग हैं. उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है. हिन्दू-चिन्तन में वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है. यह राष्ट्र-राज्य का भी कर्तव्य है. राष्ट्र-राज्य सतर्क है. इस पर क़ानून भी है लेकिन आधुनिक समाज इस समस्या पर सजग नहीं है. वृद्ध संरक्षक-अभिभावक 'जीवन की साँझ' में दुःखी हैं. आयुर्वेद के महत्वपूर्ण ग्रन्थ 'शारंगधर संहिता' में मनुष्य-शरीर के भाव-क्षरण का सुन्दर उल्लेख है. लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव-हास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं. जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी बाल्यावस्था का ह्रास होता है, फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है. शरीर की वृद्धि रुक जाती है. शारीरिक विकास स्थगित हो जाता है, फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति या चेहरे की दीप्ति का ह्रास. आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है. 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है. 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है. आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं. वृद्ध होना सबकी नियति है. 'बुढ़ापा' अभिशाप नहीं है. बीमारियों की बात अलग है. वैसे वृद्धों के पास संसार के जीवन्त अनुभवों का कोष होता है. वे आदरणीय हैं. वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले चिन्तन और निष्कर्ष निःस्सन्देह भौतिक रूप में सही होते हैं लेकिन माता-पिता व वरिष्ठों से आत्मीयता की व्याख्या वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही सम्भव नहीं है. वरिष्ठों से हमारे रिश्ते अव्याख्येय हैं. वैदिककाल में इन रिश्तों की अद्वितीय स्थापना है. ऋग्वेद के रचना काल से लेकर रामायण-महाभारत होते हुए आधुनिक काल तक इन रिश्तों की प्रीति-ऊष्मा एक जैसी है. इनका समाज-विज्ञान अनूठा है. वैदिक संस्कृति में माता-पिता 'देवता' हैं. दुनिया के किसी भी देश की संस्कृति व सभ्यता में अदृश्य ईश्वर या मान्य देवों से 'माता' या 'पिता' बड़े नहीं हैं लेकिन भारत में माता-पिता सुस्थापित देवों से भी बड़े हैं. आधुनिक समाज में वरिष्ठों के प्रति श्रद्धा का अभाव है. हिन्दू परम्परा में 'माता-पिता' व 'आचार्य' देवता हैं. तैत्तिरीय उपनिषद् में कहते हैं- मातृ देवो भव, पितृ देवो भव. इस परम्परा का आदिस्रोत 'हिन्दुत्व' है. ऋग्वेद के एक मन्त्र में सभी वरिष्ठों को नमस्कार किया गया है- इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृदभ्यः- ऋषियों को नमस्कार है, पूर्वजों को नमस्कार है, वरिष्ठों व मार्गदर्शकों को नमस्कार है. (10.14.15) वरिष्ठों का सम्मान प्राचीन परम्परा है. एक मन्त्र (10.15.2) में कहते हैं, इदं पितृत्यों नमो, अस्त्वद्य ये पूर्वासों-जो वृद्ध अब जीवित नहीं हैं और जो हैं, उन सबको नमस्कार है. ऋग्वेद का यह नमस्कार ध्यान देने योग्य है. यह वरिष्ठों के प्रति आदर का स्थाई भाव है. ऋग्वेद की इसी परम्परा का प्रवाह महाभारत में है. कहा गया है कि, वह सभा, सभा नहीं है, जिसमें वृद्ध नहीं हैं, वे वृद्ध वास्तविक वृद्ध नहीं हैं, जो धर्मतत्व नहीं जानते. रामकथा भी वृद्धों के सम्मान से युक्त है. वृद्ध होना सौभाग्य है. शारीरिक शक्ति की क्षीणता का विचार अर्थहीन है. अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है. वृद्धों के पास दिशा की अनुभूति होती है, युवकों के पास गति और ऊर्जा. वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है. 'गति' पर्याप्त नहीं है. गति के साथ दिशा भी चाहिए. वृद्ध 'माता-पिता' मार्गदर्शक, पालक व संरक्षक होते हैं. हम सब उनका विस्तार हैं. वे न होते तो हम न होते. ***(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)***

नीट पेपर लीक मामले में अदालत ने आरोपी शुभम खैरनार को छह जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने रविवार को नीट पेपर लीक मामले में आरोपी शुभम खैरनार को छह जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया. विशेष न्यायाधीश रुचि अग्रवाल ने आरोपी की न्यायिक हिरासत संबंधी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का अनुरोध स्वीकार कर लिया. इससे पहले, अदालत ने 14 मई को कहा था कि आरोपियों के गोपनीय परीक्षा प्रश्नपत्र को आर्थिक लाभ के लिए लीक करने वाले संगठित गिरोह में संलिप्तता के संकेत मिलते है, जिसके बाद खैरनार और चार अन्य को सात दिनों के लिए सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया था. इसके बाद, सीबीआई ने अदालत से कहा था कि आरोपी से आगे पूछताछ जरूरी है, ताकि उन सह-आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया जा सके, जिन्हें उसने (खैरनार ने) कथित तौर पर नीट-यूजी का प्रश्नपत्र बेचा था. इसपर अदालत ने 20 मई को खैरनार की हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी थी.

सीबीआई ने कहा था कि इस बड़ी साजिश और लीक हुए प्रश्न-पत्र के स्रोत का पता लगाना होगा और आरोपियों को महाराष्ट्र के नासिक सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ले जाना होगा. एजेंसी के अनुसार, खैरनार से उन स्थानों की पहचान के लिए भी पूछताछ की जानी थी, जहां कुछ अभ्यर्थियों को कथित तौर पर प्रश्नपत्र दिए गए थे. इस बीच अदालत से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पुणे की भौतिकी प्रवक्ता मनीषा संजय हवलदार, फिलहाल ट्रांजिट रिमांड में हैं और उन्हें सोमवार को संबंधित अदालत में पेश किए जाने की संभावना है. हवलदार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था.
सूत्रों ने बताया कि मामले के पांच अन्य आरोपियों को भी 25 मई को सीबीआई हिरासत समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया जाएगा. सीबीआई अब तक इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बीच दो दिन बाद रद्द कर दिया गया था. सरकार ने इस मामले में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच करने का जिम्मा सीबीआई को सौंपा था.

कलबुर्गी में नीट अभ्यर्थी ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

कलबुर्गी : कर्नाटक के कलबुर्गी में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) देने वाली एक छात्रा ने अपने घर पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली. छात्रा के पिता ने रविवार को यह जानकारी दी. पिता राजशेखर ने यहां पत्रकारों को बताया कि भाग्यश्री (18) पढ़ाई में बहुत अच्छी थी और उसने पीयूसी परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी. उन्होंने बताया, हमारे परिवार में कोई परेशानी या समस्या नहीं थी, हम खुशी से रह रहे थे.
पिता ने रोते हुए पत्रकारों को बताया, उसने (भाग्यश्री) ने नीट में अच्छा प्रदर्शन किया था, सब कुछ ठीक चल रहा था. शायद उसके मन में परीक्षा दोबारा देने का विचार था. मैं किसी को दोष नहीं दे रहा और न ही किसी पर आरोप लगा रहा हूं. हम उसके दर्द या पीड़ा को नहीं जानते. मैं क्या

कह सकता हूं? पुलिस के अनुसार, छात्रा ने कोई 'सुसाइड नोट' नहीं लिखा और न ही आत्महत्या का कोई कारण बताया. इस संबंध में स्टेशन बाजार थाने में मामला दर्ज किया गया है. प्रश्न-पत्र लीक होने के आरोपों के बाद तीन मई को आयोजित नीट-स्नातक रद्द कर दी गई थी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 21 जून को फिर से परीक्षा कराने की घोषणा की है.

भोपाल में हुआ ट्विशा का अंतिम संस्कार, भाई मेजर हर्षित ने दी मुखाग्नि

भोपाल: भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा केस में एक बेहद भावुक पल सामने आया, जब दूसरे पोस्टमार्टम के बाद ट्विशा को अंतिम विदाई के लिए रवाना किया गया. परिवार ने भारी मन से भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार के रीति-रिवाज निभाई. ट्विशा के भाई मेजर हर्षित ने चिता को मुखाग्नि दी. इस दौरान माहौल गमगीन था और हर आंख नम नजर आई, क्योंकि एक परिवार अपनी बेटी ही नहीं, बल्कि अपने जीवन के सबसे अनमोल हिस्से को हमेशा के लिए अलविदा कह रहा था. ट्विशा शर्मा का अंतिम संस्कार भोपाल के भदभदा विश्राम घाट पर हुआ. दूसरे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजन सीधे घाट पहुंचे. पूरे समय परिवार और करीबी लोग गहरे सदमे में दिखाई दिए. अंतिम संस्कार से पहले ट्विशा के परिवार ने एक मार्मिक पत्र लिखकर लोगों और संगठनों से शामिल होने की अपील की थी. इस अपील में पिता का दर्द साफ झलक रहा था. उन्होंने लिखा कि जिस बेटी को उन्होंने गोद में खिलाया, कंधों पर बिठाया और दुल्हन बनाकर विदा किया, आज उसी की अर्थी को कंधा देना पड़ रहा है. परिवार ने कहा कि वे सिर्फ ट्विशा को नहीं, अपने जीवन के अमूल्य हिस्से को विदा कर रहे हैं. इस मामले में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दिल्ली के एम्स से एक विशेष मेडिकल टीम भोपाल पहुंची थी. कोर्ट के निर्देश पर गठित इस टीम में चार वरिष्ठ डॉक्टर शामिल थे. फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता की अगुआई में पोस्टमार्टम किया गया. आधुनिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को इस तरह किया गया, ताकि मौत के कारणों को लेकर कोई भी संदेह न रह जाए.

तकनीकी गड़बड़ी की वजह से अधिक शुल्क लिया गया, विद्यार्थियों को अतिरिक्त राशि लौटाएगा सीबीएसई

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने रविवार को कहा कि कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम के बाद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से जिन छात्रों से अधिक शुल्क वसूला गया, उन्हें राशि वापस की जाएगी. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई से उन शिकायतों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिनमें छात्रों और अभिभावकों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों की बात कही है. सीबीएसई ने एक नोटिस में कहा कि 21 और 22 मई को मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी के लिए आवेदन करते समय कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण कई मामलों में शुल्क संबंधी त्रुटियां सामने आई. बोर्ड ने कहा, कुछ मामलों में अधिक राशि वसूली गई, जबकि कुछ में कम शुल्क लिया गया.

सीबीएसई ने कहा कि जिन मामलों में अधिक भुगतान लिया गया है, उनमें अतिरिक्त राशि उसी भुगतान माध्यम में वापस की जाएगी, जिससे शुल्क जमा किया गया था. उसने कहा कि जिन मामलों में कम शुल्क लिया गया है, उनमें जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों को शेष राशि जमा करने के बारे में अलग से सूचित किया जाएगा. बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे सभी मामलों में उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी छात्रों को उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए उन्हें फिर से आवेदन देने की आवश्यकता नहीं होगी.
सूत्रों के अनुसार बुधवार को शिक्षा मंत्री ने सर्वर डाउन होने, पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी और प्रक्रिया के दौरान सामने आई अन्य तकनीकी खामियों पर संज्ञान लिया था. सीबीएसई ने शनिवार को जारी बयान में कहा था कि वह सभी शिकायतों की जांच कर रहा है और समय-सीमा बढ़ाने तथा तकनीकी सुधार जैसे कदम उठाए जा रहे हैं. बयान में कहा गया था, अभिभावक और विद्यार्थी परेशान न हों. सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन व्यवस्था का उद्देश्य वास्तविक चिंताओं का निष्पक्ष समाधान करना है.

श्राद्ध भोज में भोजन करने के बाद चार लोगों की मौत, 20 से अधिक बीमार

भुवनेश्वर/राउरकेला: ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक श्राद्ध भोज में कथित तौर पर विषाक्त भोजन करने के बाद चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग बीमार पड़ गए. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले के हेमगिर प्रखंड के

नुआडीही गांव में हुई. उन्होंने बताया कि भोजन करने के तुरंत बाद नुआडीही गांव और पड़ोसी झारसुगुड़ा जिले के सुनाखेन गांव के कई लोगों ने उल्टी, पेट दर्द और अत्यधिक कमजोरी की शिकायत की. एक अधिकारी ने कहा, प्रभावित लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया. झारसुगुड़ा जिले की दो महिलाओं और सुंदरगढ़ जिले के दो अन्य लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नुआडीही गांव के मंगल साई नायक एवं रैबारी प्रधान तथा सुनाखेन गांव के उल्लास खड़िया और सुकांति खड़िया के रूप में हुई है. अधिकारियों ने कहा कि लोगों की मौत संदिग्ध रूप से विषाक्त भोजन करने के कारण हुई, हालांकि इसके सटीक कारण का पता चिकित्सकीय जांच और भोजन के नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद चलेगा. झारसुगुड़ा के जिलाधिकारी चव्हाण कुणाल मोतीराम ने कहा, दो दिन पहले सुंदरगढ़ जिले में एक श्राद्ध भोज में शामिल होने के बाद कुछ लोगों में दस्त जैसे लक्षण दिखे. हमने गांव में एक चिकित्सा दल भेजा है और भोजन के नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं. सुंदरगढ़ के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी सुरेश चंद्र मोहंती ने बताया कि संदिग्ध रूप से विषाक्त भोजन करने के कारण करीब 28 लोग बीमार पड़ एग. इनमें से छह लोगों को सुंदरगढ़ के एक अस्पताल और एक व्यक्ति को बुरला स्थित वीर सुरेंद्र साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान भेजा गया.

मोदी सरकार को गिराने के लिए अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : भाजपा

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश में अराजकता पैदा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं. भाजपा सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि गांधी की साजिश तब उजागर हो गई, जब उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी.
पात्रा ने एक वीडियो संदेश में कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर दुस्साहस दिखाया है. उन्होंने कल एक बैठक में कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी. राहुल गांधी दंगे भड़काकर और अराजकता के जरिये (मोदी) सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं. भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की

टिप्पणी से यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि वह भारत में लोकतंत्र को खत्म करने के इरादे से जॉर्ज सोरोस जैसे अपने आकाओं और उनकी विदेश यात्राओं के लिए धन उपलब्ध कराने वाली विदेशी कंपनियों के इशारे पर ''विदेशी एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा, देश की जनता समझदार है. भारत के लोगों में आध्यात्मिक चेतना है. क्या आप भारत के लोगों को भड़काकर दंगे करवा पाएंगे? नहीं, राहुल जी. आपने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में देखा कि क्या हुआ.
पात्रा ने कहा, भारत में संविधान का शासन है और यहां लोकतंत्र की जीत होती है. यह भारत के 140 करोड़ लोगों की सरकार है. सोरोस समेत आपके विदेशी आका इस देश का कुछ नहीं बिगाड़ सकते. उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों के कारण समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है. भाजपा नेता ने कहा, इस सरकार को जब तक जनता का आशीर्वाद प्राप्त है, यह देश की सेवा करती रहेगी.

न्यूज कॉर्नर

भ्रष्टाचार मामले में दो सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने कुछ मामलों में बाहरी आर्थिक लाभ के लिए जांच की निष्पक्षता से कथित तौर पर समझौता करने को लेकर एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) समेत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के दो अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और साजिश के आरोप तय करने के निर्देश दिए हैं. विशेष न्यायाधीश अतुल कृष्ण अग्रवाल ने सीबीआई के एक निरीक्षक और एक निजी कंपनी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि उनके खिलाफ सबूत पर्याप्त नहीं हैं. सीबीआई के अनुसार, डीएसपी आर के ऋषि, निरीक्षक कपिल धनकड़ और चयन ग्रेड-दो (एसजी दो) अधिकारी समीर कुमार सिंह ने दो गैर-सरकारी व्यक्तियों और कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर बाहरी आर्थिक लाभ के लिए कुछ मामलों की जांच की निष्पक्षता से समझौता किया था.

संसद रत्न पुरस्कारों के लिए 12 सांसद, चार संसदीय समितियां चयनित

नई दिल्ली: इस साल के संसद रत्न पुरस्कारों के लिए 12 सांसदों और चार संसदीय समितियों का चयन किया गया है. निजी संगठन 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन' ने एक बयान में बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जगदंबिका पाल (उत्तर प्रदेश), पी. पी. चौधरी (राजस्थान), निशिकांत दुबे (झारखंड) और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे (महाराष्ट्र) पुरस्कारों के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में चुने गए सांसदों में शामिल हैं. बयान के अनुसार, प्रवीण पटेल (उत्तर प्रदेश), विद्युत बरन महतो (झारखंड), लुम्बाराम चौधरी, हेमंत विष्णु सवरा (महाराष्ट्र), स्मिता उदय वाघ (महाराष्ट्र), नरेश गणपत म्हस्के (महाराष्ट्र), मेधा विश्राम कुलकर्णी (महाराष्ट्र) और नरहरि अमीन (गुजरात) को इस साल बजट सत्र के अंत तक संसद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा. चार संसदीय समितियों को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया है.

जम्मू कश्मीर के बारामूला में ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर: जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने एक ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि बारामूला के चंदूसा क्षेत्र में नीलसर बाग में एक गुप्त ठिकाने की मौजूदगी की सूचना के आधार पर पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने शनिवार को एक तलाशी अभियान चलाया. उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने तलाशी के दौरान 14 रॉकेट-चालित ग्रेनेड और नौ बूस्टर बरामद किए. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है.

अमृतसर में पंजाब पुलिस के एएसआई का शव मिला

चंडीगढ़/अमृतसर: पंजाब पुलिस के एक सहायक उप-निरीक्षक का शव रविवार को अमृतसर के फतेहगढ़ चुरियां-मजीठिया रोड के पास मिला. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी के अनुसार, एएसआई के शरीर पर गोली लगने का निशान था. अमृतसर (ग्रामीण) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुहैल मीर कासिम ने बताया कि पुलिस को रविवार तड़के एएसआई जोगा सिंह के शव के बारे में सूचना मिली. उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही मजीठिया पुलिस थाने के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची. एसएसपी ने बताया कि एक फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया. बाद में शव को सिविल अस्पताल ले जाया गया.

कीव पर हमले में रूसी हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल, रूस ने की पुष्टि

कीव: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया. इस हमले में कम से कम दो लोग मारे गए. यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है. भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं.
जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया. उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है. रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था. दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था.
यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी

मिसाइलें शामिल थीं. यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया. वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं. इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है.
राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ओरेश्निक ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है और यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है. रूसी भाषा में 'ओरेश्निक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है. चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा. पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं. रविवार सूर्योदय तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है.
कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है. यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई. महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे. स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है.
रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेश्निक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए. हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे. मंत्रालय ने यह भी कहा कि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया. हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी.

28 किलोग्राम से अधिक हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर के गुरुहरसहाय में चार लोगों को गिरफ्तार करके मादक पदार्थ की सीमा पार तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया. यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को दी. पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28.12 किलोग्राम हेरोइन और 9.5 लाख रुपये नकद बरामद किए. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस गिरोह के विदेशी तस्करों से संबंध थे, जिन्होंने आरोपियों को मादक पदार्थ की खेप कथित तौर पर प्राप्त करने और उसे भारतीय क्षेत्र में वितरित करने का काम सौंपा था. डीजीपी ने बताया कि मादक पदार्थ की सीमापार तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जांच जारी है.

कॉकरोच जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ीं!

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें सीजेपी से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने और उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है. याचिका में फर्जी कानून डिग्रियों के इस्तेमाल, प्रतिरूपण और सर्वोच्च न्यायालय की संस्थागत पहचान के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए हैं. याचिकाकर्ता का आरोप है कि संबंधित लोगों ने खुद को वकील या कानूनी विशेषज्ञ बताकर जनता को गुमराह किया और न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाई. याचिका में सीबीआई को निर्देश देने की अपील की गई है कि जाली डिग्रियों के कथित उपयोग और आपराधिक साजिश की गहन जांच की जाए. यह याचिका ऐसे समय में आई है जब सोशल मीडिया पर उगझ का विवाद चरम पर है. मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत की व्यवस्था पर हमला करने वालों वाली टिप्पणी के बाद मुद्दा सुर्खियों में आ गया. खुफिया ब्यूरो (आईबी) की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार के निर्देश पर गुरुवार को सीजेपी के आधिकारिक एक्स हैंडल को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत यह कार्रवाई की. खुफिया एजेंसियों ने सीजेपी पर भड़काऊ सामग्री फैलाने और देश की संप्रभुता को चुनौती देने का आरोप लगाया था.
'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक और मीम-आधारित डिजिटल आंदोलन है, जिसकी शुरुआत बोस्टन विश्वविद्यालय के छात्र अभिजीत दीपके ने की थी. यह खुद को 'बेरोजगार युवाओं की आवाज' बताता है. पिछले सप्ताह यह आंदोलन खासकर जेन-जी युवाओं के बीच तेजी से वायरल हुआ. व्यंग्य, सत्ता-विरोधी टिप्पणियों और मीम्स के जरिए यह एक बड़े डिजिटल विरोध में बदल गया और विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर लाखों फॉलोअर्स हासिल किए. प्रतिबंध लगने के तुरंत बाद अभिजीत दीपके ने नया हैंडल 'कॉकरोच इज बैक' शुरू किया और समर्थकों से इसमें शामिल होने की अपील की. शनिवार को अभिजीत दीपके ने कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि कई अकाउंट्स हटाए जाने और हैकिंग की घटनाओं के बाद अब संगठन की किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच नहीं रही है.

7 महिलाओं समेत 8 की नदी में डूबने से मौत, 3 अभी भी लापता

बेंगलूरु : उत्तर कन्नड़ जिले के थट्टे हक्कलू नदी में एक बड़ा हादसा हो गया. तेज बहाव के कारण सीपियां इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे 8 लोगों की डूबकर मौत हो गई. भटकल तालुका के तत्तिहक्लू के पास वेंकटपुरा नदी में सीप इकट्ठा करने वाले 14 लोगों का एक समूह पानी के बहाव में बह गया. इस दुखद घटना में 8 लोगों की जान चली गई. इनमें 7 महिलाएं शामिल हैं. 3 लोग अभी भी लापता हैं, जबकि 3 अन्य को बचा लिया गया है. यह हादसा सुबह लगभग 10:30 बजे हुआ. रिपोर्ट्स के अनुसार, यह समूह (जो सभी सरदाहोल के रहने वाले थे) रोजाना सीप इकट्ठा करने के लिए नदी पर जाता था.
जब वे नदी में उतरे, तो पानी केवल घुटनों तक गहरा था. हालांकि, पानी के स्तर में अचानक बढ़ गया. इसके चलते नदी में उतरे सभी लोग पानी के तेज बहाव में फंस गए. उत्तर कन्नडा जिला पुलिस अधीक्षक ने पुष्टि की कि 8 शव (7 महिलाओं और 1 पुरुष के) बरामद कर लिए गए हैं. लापता तीन लोगों (जिनमें दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं) का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है. स्थानीय मछुआरे, जो सबसे पहले मदद के लिए पहुंचे थे. तीन महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहे. जीवित बचे लोगों को शुरू में आपातकालीन इलाज के लिए भटकल सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया.
इस हादसे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने तत्काल राहत उपायों की घोषणा करते हुए कहा, मैंने निर्देश दिया है कि मरने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए.

बिहार में निवेशकों को मिलेगा भरोसा और सुरक्षा, उद्योग नीति में जरूरत पड़ने पर होगा और सुधार : सम्राट चौधरी

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'व्यवसायिक समागम' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई. उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए निवेशकों को भरोसा और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है. इसी उद्देश्य से बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर आगे भी बदलाव किए जाएंगे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि बिहार में अधिक से अधिक निवेश हो और नए उद्योग स्थापित हों. इसमें बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि निवेशकों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी और सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएगी. उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निवेशक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं और राज्य में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं. सम्राट चौधरी ने कहा कि हाल ही में आयोजित बिहार एआई समिट में भी उद्योगों के विस्तार को लेकर कई सुझाव मिले थे. उन्होंने बताया कि बिहार ने देश की शीर्ष 10 उद्योग नीतियों में जगह बनाई है, लेकिन अपेक्षित स्तर पर निवेश और उद्योग स्थापना अब तक नहीं हो सकी है. सरकार अब निवेशकों का भरोसा मजबूत करने और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है.

कानून-व्यवस्था पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अपराध करने वालों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर

कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने कहा कि अपराध का कोई जाति या धर्म नहीं होता और अपराधी सबसे पहले अपने ही समाज के लोगों को नुकसान पहुंचाता है. मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से जुड़े लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है. इसके लिए प्रत्येक तीन महीने पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर समस्याओं और सुरक्षा संबंधी मुद्दों की समीक्षा की जाएगी. उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति (इंडस्ट्री पॉलिसी) में जरूरत के अनुसार सुधार किए जाएंगे. पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र समेत पुराने शहरों में उपलब्ध जमीन का उपयोग सर्विस सेक्टर, आईटी सेक्टर और होटल उद्योग जैसे नए व्यवसायों के लिए भी किया जा सकेगा. मुख्यमंत्री ने बिहार के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यही धरती देश को स्वर्णिम काल देने वाली रही है और पाटलिपुत्र से करीब 200 वर्षों तक शासन किया गया था.

एमएसएमई सेक्टर को राज्य की समृद्धि का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को विकसित बनाने के लिए छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देना जरूरी है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024 से भूमि अधिग्रहण और नई टाउनशिप नीति पर काम शुरू किया है. अब तक 14 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है, जबकि साढ़े छह लाख एकड़ क्षेत्र में नई ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना है, जिस पर लगभग छह लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है. मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण में प्रभावित लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा. ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के बदले चार गुना और शहरी क्षेत्रों में दोगुना मुआवजा दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को विशेष परिस्थितियों, जैसे बेटी की शादी या अन्य संकटों का सामना करना पड़ रहा हो, वे जिलाधिकारी को आवेदन देकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं.

सम्राट चौधरी ने बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने की दिशा में भी सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि इन मिलों को को-ऑपरेटिव सेक्टर से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है. मुख्यमंत्री ने बिहार को 14 करोड़ लोगों का बड़ा बाजार बताते हुए कहा कि राज्य में सुशासन और बेहतर प्रशासन के जरिए ही समृद्धि लाई जा सकती है. उन्होंने बताया कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड, थाना और अंचल स्तर पर सहयोग शिविर शुरू किए गए हैं. इसके साथ ही 'सहयोग पोर्टल' और हेल्पलाइन नंबर 1100 भी जारी किया गया है, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से की जाएगी. यदि किसी आवेदन का निपटारा 30 दिनों के भीतर नहीं होता है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ स्वतः निलंबन की कार्रवाई की जाएगी.

जस्टिस मीनाक्षी राय होंगी पटना हाई कोर्ट की नई मुख्य न्यायाधीश, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

बिहार: पटना हाई कोर्ट को नई मुख्य न्यायाधीश मिल गई हैं. जस्टिस मीनाक्षी एम. राय पटना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश होंगी. केंद्र सरकार ने नियुक्ति को मंजूरी दी है. मीनाक्षी एम. राय सिक्किम हाई कोर्ट में जज के पद पर हैं. वह दिल्ली हाई कोर्ट और देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर चुकी हैं. बता दें कि 22 मई 2026 को हुई कॉलेजियम की बैठक में यह फैसला लिया गया. यह नियुक्ति भारतीय न्यायपालिका के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि इसके जरिए पूर्वोत्तर भारत के सबसे अनुभवी जजों में से एक को देश के सबसे पुराने और बड़े हाई कोर्ट की कमान सौंपी जा रही है.

पटना हाई कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संगम कुमार साहू आगामी 4 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं. वह इसी साल जनवरी में पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे और 62 वर्ष की आयु पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं. उनकी जगह अब जस्टिस मीनाक्षी एम. राय पदभार संभालेंगी.

12 जुलाई 1964 को जन्मीं जस्टिस मीनाक्षी मदन राय ने अपनी स्कूली शिक्षा सिक्किम में पूरी की.

सोनू-मोनू के घर छापेमारी करने पहुंची थी पुलिस समर्थकों ने पुलिसकर्मियों की ही ले ली तलाशी

पटना: जेडीयू विधायक अनंत सिंह के समर्थक मुकेश सिंह पर फायरिंग के बाद सोनू-मोनू गैंग का एक और कारनामा सामने आया है. तलाशी लेने आई पुलिस की भी तलाशी ले ली. असल में बाढ़ अनुमंडलीय अंतर्गत पचमहला थाना क्षेत्र नौरंगा जलालपुर गांव में फायरिंग के बाद पुलिस सोनू-मोनू के घर छापेमारी के लिए पहुंची थी. इस दौरान उनके परिवार और समर्थन भड़क गए.

पुलिस और सोनू-मोनू के परिजनों के बीच काफी नोकझोंक होने लगी. परिजनों और समर्थन इस बात पर अड़ गए कि घर के अंदर जाने से पहले पुलिसकर्मियों की तलाशी लेंगे. आखिरकार छापेमारी से पुलिस की तलाशी ली गई. हालांकि सोनू के घर की तलाशी से पहले पुलिसकर्मियों की तलाशी लेने का मामले ने अब तूल पकड़ किया है. इस पूरे प्रकरण पर अब बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-

1 रामकृष्णा का बयान सामने आया है. उन्होंने बताया कि कानून के नियमों के अनुसार ही पुलिस कार्रवाई कर रही थी लेकिन सोनू-मोनू के गुर्गो द्वारा पुलिस की तलाशी ली गई. इस बात पर वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर जांच कर जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी. तलाशी के वायरल वीडियो में पुलिस कर्मियों के साथ हाथीदह प्रभारी भी जांच करवाते नजर आ रहे हैं.

22 मई को नौरंगा जलालपुर पंचायत के सरपंच पति मुकेश सिंह ने सोशल मीडिया पर स्थानीय थानाध्यक्ष के कार्यों की प्रसंशा करते हुए एक पोस्ट किया था. जिस पर पंचायत के मुखिया पति सह वकील सोनू-मोनू के पिता प्रमोद सिंह के बीच नोकझोंक हुई. जिसके बाद शनिवार की शाम सरपंच पर सोनू-मोनू अपने गुर्गे के साथ फायरिंग कर भाग गया.

संभल में डाक सहायक के बैंक खातों से कथित तौर पर लगभग 4.5 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन

संभल : संभल जिले के बहजोई डाकघर में तैनात एक डाक सहायक के बैंक खातों से कथित तौर पर लगभग 4.5 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चलने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. बहजोई थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजीव कुमार मलिक ने बताया कि कथित अनधिकृत लेन-देन के बारे में जानकारी वित्त मंत्रालय से मिली थी, जिसके बाद इस मामले में जांच शुरू की गई. पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान दीपक कुमार के रूप में हुई है, जो बहजोई डाक विभाग में डाक सहायक के पद पर कार्यरत है. जांच के दौरान, वह कथित तौर पर लेन-देन में शामिल पैसे के स्रोत के बारे में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाया.

बिहार में एक और पुल डेंजर, गोपालगंज में गंडक पुल पर भारी वाहनों की एंट्री पर रोक

निर्माण गुणवत्ता और भ्रष्टाचार पर उठ रहे सवाल, कभी भी धराशायी हो सकता है 3 किमी लंबा पुल

गोपालगंज : गोपालगंज और बेतिया को जोड़ने वाला गंडक नदी पर बना विशाल महासेतु अब गंभीर खतरे के दौर से गुजर रहा है. करीब 550 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित लगभग तीन किलोमीटर लंबे इस पुल में एक-दो नहीं बल्कि करीब आठ अलग-अलग जगहों पर दरारें दिखाई देने लगी हैं. कहीं दरारें सतही हैं तो कहीं इतनी गहरी और चौड़ी हो चुकी हैं कि उन्हें देखकर आम लोगों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों की भी चिंता बढ़ गई है. यह पुल उत्तर बिहार के सबसे महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों में से एक माना जाता है और इसकी वर्तमान स्थिति ने पूरे इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है.

दरारों की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पुल पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी है. ट्रकों, बसों और बड़े मालवाहक वाहनों को पुल से गुजरने की अनुमति नहीं दी जा रही है. स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि चार पहिया छोटे वाहनों को भी बेहद सावधानी के साथ निकाला जा रहा है. प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके.

गोपालगंज और बेतिया को गंडक नदी के पार जोड़ने वाले जादोपुर-मंगलपुर महासेतु का शिलान्यास 2009 में किया गया था. इस महासेतु का निर्माण कार्य साल 2012 में शुरू हुआ था और इसे 13 मार्च 2016 में सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में जनता को समर्पित किया गया था. पुल के निर्माण पर लगभग 550 करोड़ रुपये की लागत आई थी. बसों का परिचालन बंद होने के बाद सबसे अधिक परेशानी आम यात्रियों को हो रही है. लोग अब पुल पार करने के लिए पैदल चलने को मजबूर हैं.

यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती से लखनऊ में सामूहिक दुष्कर्म

परिचित ने ट्रेन से उतारा और नशे में धुत करने के बाद 2 दोस्तों के साथ मिलकर की दरिंदगी

लखनऊः यूपी की राजधानी लखनऊ में एक सनसनीखेज केस सामने आया है, जहां यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती का कथित रूप से उसके परिचित ने ही 2 दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप कर दिया. लखनऊ पुलिस ने ये मामला सामने आने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश कर रही है.

बता दें कि ये घटना लखनऊ की सुशांत गोल्फ सिटी में हुई है. जहां युवती का एक परिचित ने अपने 2 दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया है. युवती, दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी करती है. युवती ने दिल्ली के आनंद विहार जीआरपी में ये केस दर्ज कराया है, जहां जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद केस, लखनऊ पुलिस को ट्रांसफर कर दिया. इसके बाद लखनऊ में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, युवती छुट्टी में अपने घर जौनपुर में आई थी और ट्रेन में सवार होकर जौनपुर से दिल्ली वापस जा रही थी. इसी दौरान, लखनऊ में उसके एक परिचित, जिसे वह पिछले 5 साल से जानती थी, ने उसे ट्रेन से उतार लिया और सुशांत गोल्फ सिटी में अपने घर पर ले गया.

अवैध संबंधों के शक में एक व्यक्ति ने पिता और पत्नी की गोली मारकर की हत्या

बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में रविवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अवैध संबंधों के शक में अपने पिता और पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार, कलंदरगढ़ी गांव के निवासी मोमिन ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से पिता रियाजुद्दीन (54) और पत्नी सना (24) को गोली मार दी. पुलिस ने बताया कि रियाजुद्दीन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल सना को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई. पुलिस ने प्रारंभिक जानकारी के हवाले से बताया, मोमिन को शक था कि उसके पिता के पत्नी से अवैध संबंध हैं और इस बात को लेकर पहले भी कई बार कहासुनी हुई थी.

7 साल की बच्ची को जबड़े में दबाकर भाग रहे तेंदुआ से भिड़ गई मां, बहादुरी दिखाते हुए बचाई जान

बहराइच: यूपी के बहराइच से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. जिले के मुर्तिहा कोतवाली क्षेत्र के ककरा इलाके में तेंदुए ने घर में चारपाई पर सो रही 7 साल की बच्ची पर हमला कर दिया. तेंदुआ मच्छरदानी फाड़कर बच्ची को उठा ले गया. मां ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुए से भिड़कर बच्ची की जान बचाई. हिम्मती मां सबुरुन ने बताया कि उनकी बेटी समा (उम्र 7 साल) उनके साथ चारपाई पर मच्छरदानी लगाकर सो रही थी. रात में अचानक तेंदुआ घर में घुस आया और मच्छरदानी के अंदर से बच्ची समा को उठाकर ले जाने लगा. बच्ची की चीख सुनकर सबुरुन की नींद खुली. बेटी को तेंदुए के जबड़े में देखकर वह उसके पीछे दौड़ पड़ीं. हिम्मत दिखाते हुए उन्होंने तेंदुए से संघर्ष किया और बच्ची को उसके चंगुल से छुड़ा लिया. तेंदुआ बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया. तेंदुए के हमले में बच्ची

समा घायल हो गई है. परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं. घटना के बाद से ककरा इलाके में दहशत है. ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है. वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है.

ये पहली बार नहीं है जब किसी मां ने अपनी बच्ची की जान बचाने के लिए खतरे का सामना किया हो. पहले भी तमाम ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां अपने बच्चे की जान बचाने के लिए माताओं ने अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया.

पुलिस ने जाली नोट के तस्करी का किंगपिन सुशील को किया गिरफ्तार

पूर्वी चंपारणः पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है.टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाली नोट तस्करी गिरोह के कुख्यात सरगना सुशील तिवारी उर्फ दया तिवारी को दबोच लिया है. पुलिस ने उक्त कारवाई मिलिट्री इंटेलिजेंस लखनऊ से मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-नेपाल सीमा पर की है. जांच एजेंसी के अनुसार पकड़ा गया सुशील का नेटवर्क भारत, नेपाल और बांग्लादेश तक फैला हुआ था,यह सीमा पार से जाली नोटों की तस्करी करने वाले गिरोह का मुख्य सरगना है. इसके संदर्भ में खुफिया इनपुट मिलने के बाद यह बीते कुछ महीने से अंडरग्राउंड रह कर गिरोह का संचालन कर रहा था. पुलिस के साथ ही देश के कई सुरक्षा एजेंसी इसकी सरगर्मी से तलाश कर रही थी.

उल्लेखनीय है,कि इसी साल 31 जनवरी को हरैया थाना की पुलिस ने एक नेपाली नागरिक समेत कुल 8

आरोपियों को गिरफ्तार किया था. उनके पास से करीब 25 लाख रुपये की नेपाली जाली नोट और 18,500 रुपये की भारतीय जाली नोट बरामद की गई थी. इस दौरान इन तस्करो के पास से करीब एक दर्जन मोबाइल फोन, पासपोर्ट, मोटरसाइकिल, जाली नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन और उपकरण भी जब्त किए गए थे.उस समय पकड़े तस्करो ने सीतामढी जिले के मेजरगंज थाना क्षेत्र के खैरवा निवासी सुशील तिवारी उर्फ का नाम लिया था,तब से वह फरार चल रहा था. मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सुशील तिवारी ने जाली नोट के कारोबार से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं. उसने अपने नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के बारे में भी जानकारी दी है. जिसके आधार पर जांच एजेंसियां अब आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं. अधिकारियों का कहना है कि उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की भी संभावना है.

पुलिस अधीक्षक मोतिहारी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सुशील उर्फ दया तिवारी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के साथ ही कई केंद्रीय और राज्य स्तरीय एजेंसियां लगातार प्रयास कर रही थीं.अंतत: मिलिट्री इंटेलिजेंस के खुफिया इनपुट के बाद पुलिस और एसटीएफ ने उसे पकड़ लिया.

पकड़े गए तस्कर को रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जाएगी. ताकि इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क का पूरी तरह खुलासा किया जा सके.

सम्राट चौधरी के 'हरा गमछा' वाले बयान पर भड़के तेजस्वी यादव, कहा-सीएम के अंदर नफरत भरी है

पटना: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'हरा गमछा' वाले बयान पर सूबे की सियासत गरमा गई है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा कि एक सीएम हरा गमछा हो-नीला गमछा के बहाने समाज को बांटने की बात कर रहे हैं, उनके इस बयान पर मुझे हंसी आती है. हालांकि बिहार की जनता इस तरह की सोच को सफल होने नहीं देगी. पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जिस तरह की राजनीति बिहार में कर रहे हैं, जनता सब देख रही है. उन्होंने कभी भी सरकार समाज के लोगों और राज्य के विकास का काम को नहीं कर सकता लेकिन ऐसे बयान देकर जरूर समाज को बांटने की बात करती है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम लोग कहेंगे कि ठीक ढंग से इसको चलाइए, बिहार का विकास कीजिए लेकिन यह तो हरा और नीला गमछा करके

राजनीति करने में लगे हैं.

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में सरकार का खजाना खाली है. चुनाव के समय में महिलाओं को 10000 दिए गए और जो वायदे किए कि आगे भी पैसे दिए जाएंगे, अभी तक महिलाओं को पैसा नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पेंशन की जो बात की गई, वह पेंशन भी नहीं दिया गया है. बिजली का दर बढ़ा रहे हैं, आपने लोगों को धोखा दिया है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि लगातार अपराध की घटना बढ़ रही है लेकिन सरकार में बैठे मंत्री, अधिकारी और मुख्यमंत्री खुद बयानबाजी में व्यस्त है. प्रदेश की जनता इस सरकार से परेशान हो चुकी है.

दरअसल, शनिवार को बिहार एआई समिट के उद्घाटन सत्र के दौरान बोलते हुए सम्राट चौधरी ने हरा गमछा को लेकर टिप्पणी की थी. उन्होंने कहा, पटना में 4000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. एआई से कहा दिया जाए कि हमरा गमछा वालों को खोजो तो सभी हरा गमछा वालों को तुरंत पकड़ लेगा. हालांकि सीएम ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि किसी खास व्यक्ति या व्यक्तियों की ओर इशारा नहीं है.

बिजली कटौती पर सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश; लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए. उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की.

सीएम योगी ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है. इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है. इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है. बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है. इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है.

सीएम ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए.

न्यूज कॉर्नर

एशिया प्रशांत क्षेत्र में डिलिवरी लागत 19 प्रतिशत बढ़ी : रिपोर्ट

नयी दिल्ली: भारत समेत एशिया प्रशांत क्षेत्र में मार्च से मई की अवधि के बीच डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. 'लॉजिस्टिक्स सॉफ्टवेयर' सेवा क्षेत्र की कंपनी 'फाराआई' ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी.यह सर्वेक्षण पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद किया गया.इस संघर्ष के कारण ईंधन की आपूर्ति तथा लागत पर दबाव है.हाल ही में जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''शोध से पता चलता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर औसतन 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. भारत में ईंधन की कीमतें, वाहन चालकों का वेतन और शहरी भीड़भाड़ संरचनात्मक लागत बढ़ाने वाले कारक हैं, जिसके कारण यह आंकड़ा यहां के लिए चौंकाने वाला नहीं है.''भारत में घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में पहली बार में सफल रूप से डिलिवरी नहीं होने की दर 20-30 प्रतिशत तक हो सकती है, जो लाभ में कमी का एक प्रमुख कारण है.भारत के त्वरित वाणिज्य क्षेत्र की बात करें तो, 10 मिनट और 20 मिनट में डिलिवरी कार्यों ने अरबों का निवेश आकर्षित किया है तथा तीन वर्षों से 'लॉजिस्टिक्स' के क्षेत्र में सुर्खियां बटोरी हैं.

छोटी, मझोले सीए कंपनियों के लिए फॉरेंसिक लैब स्थापित कर रहा है आईसीएआई

नयी दिल्ली: भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) हैदराबाद में एक अत्याधुनिक फॉरेंसिक ऑडिटिंग लैब स्थापित करने जा रहा है. इसका उद्देश्य छोटे और मझोले स्तर की चार्टर्ड अकाउंटेंट कंपनियों को बड़ी ऑडिट परियोजनाओं में भाग लेने के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना है.आईसीएआई के अध्यक्ष प्रसन्न कुमार डी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि फॉरेंसिक ऑडिटिंग तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है, लेकिन छोटे और मझोले स्तर की सीए फर्मों के पास आवश्यक तकनीकी क्षमता और संसाधनों की कमी होने के कारण वे बड़े ऑडिट कार्यों में शामिल नहीं हो पातीं.उन्होंने कहा कि इस समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्थान हैदराबाद स्थित विशिष्टता केंद्र (सीओई) में आधुनिक फॉरेंसिक ऑडिटिंग लैब स्थापित कर रहा है. यह लैब पैसा दो और इस्तेमाल करो मॉडल पर आधारित होगी, जहां जरूरत के अनुसार किसी कार्य विशेष के लिए 'टूल' उपलब्ध कराए जाएंगे.प्रसन्न कुमार डी के अनुसार, अगले दो से तीन महीनों में इस लैब को शुरू कर दिया जाएगा.आईसीएआई के पांच लाख से अधिक सदस्य हैं, जिनमें बड़ी संख्या छोटे और मझोले स्तर के सीए हैं. संस्थान का मानना है कि इस पहल से घरेलू सीए फर्मों की क्षमता बढ़ेगी और वे वैश्विक स्तर की लेखा कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी.

अनुपम रसायन ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

नयी दिल्ली: विशिष्ट रसायन बनाने वाली कंपनी अनुपम रसायन इंडिया ने दवा विनिर्माण कंपनी ब्लिस जीवीएस फार्मा लिमिटेड में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1,369.51 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. एक बयान में जानकारी दी गई. बयान के अनुसार, कंपनी ने इसके साथ अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए खुला प्रस्ताव भी लाने की घोषणा की है.अनुपम रसायन ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने 299 रुपये प्रति शेयर की दर से 1,369.51 करोड़ रुपये में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है. इसके साथ ही उसने समान कीमत पर सार्वजनिक शेयरधारकों से 26 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए अनिवार्य खुली पेशकश भी की है.कंपनी के प्रबंध निदेशक आनंद देसाई ने कहा, ''हमने ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43.3 से 48.2 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक पक्का समझौता किया है और सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए खुला प्रस्ताव भी ला रहे हैं.''उन्होंने कहा कि इस अधिग्रहण के लिए 300 करोड़ रुपये का सावधि ऋण लिया जाएगा, जबकि शेष राशि गैर-नियंत्रक और गैर-मताधिकार वाली इक्विटी साधनों के माध्यम से जुटाई जाएगी.देसाई ने कहा, ''इससे हम दवा मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति को रणनीतिक रूप से मजबूत कर सकेंगे, जिसमें प्रमुख प्रारंभिक सामग्री से लेकर तैयार दवा निर्माण तक शामिल हैं.'

नॉलेज रियल्टी बेंगलुरु में 14 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल के विकास पर 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली: रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी 'नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट' (केआरटी) अपनी विस्तार योजना के तहत बेंगलुरु में 14 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल विकसित करने के मकसद से अगले तीन साल में 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी. केआरटी, एक 'रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (रीट) है, जिसे रियल एस्टेट कंपनी 'सत्व ग्रुप' और निवेश फर्म 'ब्लैकस्टोन' द्वारा प्रायोजित किया जाता है.केआरटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शिरीष गोडबोले ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि कंपनी अपने कारोबार के विस्तार के लिए प्रमुख कार्यालय संपत्तियों को खरीदने की योजना बना रही है.उन्होंने बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में अच्छा प्रदर्शन किया और कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान शुद्ध परिचालन आय (एनओआई) और शेयरधारकों को दिए जाने वाले लाभांश जैसे सभी महत्वपूर्ण मापदंडों पर विकास की गति जारी रहेगी.

सरकार ने हाइड्रोजन, एलपीजी, सीएनजी 'डिस्पेंसर' के सत्यापन नियमों में किया संशोधन

नयी दिल्ली: उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने हाइड्रोजन, रसोई गैस (एलपीजी), तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) ईंधन वितरण इकाइयों ('डिस्पेंसर') के सत्यापन के लिए सरकार से मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्रों को अनुमति देने को विधिक माप विज्ञान नियमों में संशोधन किया है.स्वच्छ ईंधन के बढ़ते उपयोग के बीच यह कदम देश में माप-तौल निगरानी व्यवस्था का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है.उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने विधिक माप विज्ञान (सरकार से मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र) नियम, 2013 में संशोधन किया है.इसके साथ ही सरकार से मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्रों (जीएटीसी) के माध्यम से सत्यापित किए जाने वाले उपकरणों की श्रेणियों की संख्या 18 से बढ़कर 23 हो गई है.संशोधित नियमों के तहत पेट्रोल और डीजल वितरण इकाइयों के सत्यापन शुल्क को 5,000 रुपये प्रति नोजल निर्धारित किया गया है, जबकि सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन वितरण इकाइयों के लिए यह शुल्क 10,000 रुपये प्रति नोजल होगा. 'नोजल' ईंधन भरने वाले पाइप के सिरे पर लगा वह उपकरण होता है, जिससे पेट्रोल, डीजल, सीएनजी आदि वाहन में भरे जाते हैं.मंत्रालय ने बयान में कहा, ''इस कदम से सत्यापन सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने, कार्यकुशलता में सुधार होने और देशभर में स्वच्छ ईंधनों को अपनाने को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है.''जीएटीसी सरकार से मान्यता प्राप्त निजी केंद्र होते हैं, जिनके पास विधिक माप विज्ञान अधिनियम के तहत निर्धारित माप एवं तौल उपकरणों के सत्यापन और पुनः सत्यापन की तकनीकी विशेषज्ञता होती है.

मार्च में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रहा: आरबीआई

मुंबई: भारतीयों का विदेश यात्रा पर खर्च मार्च में घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो फरवरी में 1.30 अरब डॉलर था. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है. जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर रहा था. 'उदारीकृत धन प्रेषण योजना' (एलआरएस) के तहत आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विदेश में भेजा गया कुल धन (रेमिटेंस) मार्च में 2.59 अरब डॉलर रहा, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा व्यय का रहा.एलआरएस के तहत निवासी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक का प्रेषण किसी भी वैध चालू या पूंजी खाते के लेनदेन के लिए कर सकते हैं.आंकड़ों के अनुसार, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में, जिसमें अवकाश यात्राएं और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं, मार्च में 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए, जो कुल यात्रा व्यय का लगभग 57 प्रतिशत है.शिक्षा संबंधी यात्रा पर 45.01 करोड़ डॉलर खर्च हुए, जिसमें ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च शामिल हैं. जबकि व्यापार यात्रा, तीर्थयात्रा और चिकित्सा उपचार पर 2.13 करोड़ डॉलर खर्च हुए.विदेश में रहने वाले परिजनों को भेजे गए धन का प्रेषण मार्च में 38.97 करोड़ डॉलर रहा, जो फरवरी के 26.61 करोड़ डॉलर से अधिक है.'विदेश में अध्ययन' श्रेणी में खर्च मार्च में घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रहा. यह फरवरी के 17.56 करोड़ डॉलर और जनवरी में 26.74 करोड़ डॉलर था.विदेश में अचल संपत्ति की खरीद पर खर्च मार्च में घटकर 3.86 करोड़ डॉलर रह गया.

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना सस्ता, चांदी के भाव में सांकेतिक तेजी

एक सप्ताह में 2,130 रुपये तक महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में रविवार को गिरावट का रुख नजर आ रहा है. देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया. इसके विपरीत चांदी के भाव में आज के कारोबार के दौरान 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक उछाल दर्ज की गई है. घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. 22 कैरेट सोना आज 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.साप्ताहिक आधार पर देखें, तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में तेजी दर्ज की गई है. पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती आ गई. इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया. चांदी के भाव में भी उतार चढ़ाव के

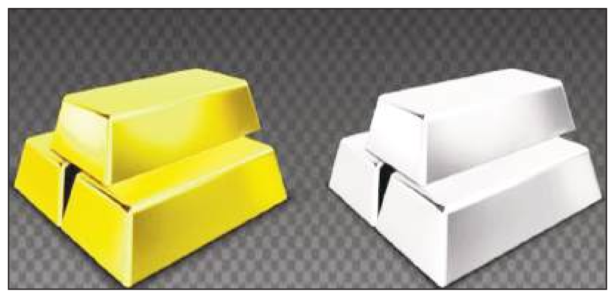

बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में उछाल दर्ज की गई. इस उछाल के कारण चांदी साप्ताहिक आधार पर 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई.दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

अमेरिका-ईरान वार्ता से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

नयी दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया संकट को लेकर चल रही वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां अगले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी. विश्लेषकों ने यह राय जताई है.विश्लेषकों का मानना है कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाला यह सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है. 'बकरीद' के अवसर पर बृहस्पतिवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे. इसके अलावा निवेशकों की नजर रुपये-डॉलर की चाल और वैश्विक बाजारों के रुख पर भी रहेगी.रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और मुद्रा बाजार की गतिविधियों के प्रति काफी संवेदनशील रहेगा. निवेशक कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका-ईरान वार्ता, अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल पर करीबी नजर रखेंगे, क्योंकि इनका असर विदेशी निवेश प्रवाह और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता पर पड़ेगा.''अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है. इससे संकेत मिले हैं कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के समाधान की दिशा में चीजें आगे बढ़ रही हैं.इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की. माना जा रहा है कि इससे सरकार को बढ़ते आयात बिल और पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला पर पड़े असर से निपटने में मदद मिलेगी.विश्लेषकों के अनुसार, बाजार भागीदार केंद्रीय बैंक के इस रिकॉर्ड लाभांश के प्रभाव का आकलन करेंगे, खासकर नकदी, सरकारी खर्च और राजकोषीय स्थिति पर इसके असर को लेकर.

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान स्थिति, कूटनीतिक वार्ताओं और कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी खबरों पर निर्भर करेगी. हालांकि, तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों की धारणा में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन वार्ता के अंतिम परिणाम को लेकर अनिश्चितता अब भी बनी हुई है.उन्होंने कहा कि निवेशक रुपये की चाल, वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान, संस्थागत निवेशकों के निवेश प्रवाह और व्यापक आर्थिक संकेतकों पर भी नजर बनाए रखेंगे.जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार में मजबूत सुधार के लिए कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश में स्थिरता और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बेहतर रहने चाहिए.

गंगा एक्सप्रेसवे से माल ढुलाई में समय कम लगेगा, लॉजिस्टिक्स पर 30,000 करोड़ की बचत होगी

लखनऊ : हाल ही में शुरू हुए 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे से पूरे उत्तर प्रदेश में माल ढुलाई का समय काफी कम होने की उम्मीद है. इससे सालाना लॉजिस्टिक्स पर 30,000 करोड़ रुपये तक की बचत होगी और एक दर्जन से ज़्यादा ज़िलों में औद्योगिक और भंडार गृह सुविधाओं के विकास को बढ़ावा मिलेगा. सरकारी अनुमानों और उद्योग जगत के जानकारों से यह जानकारी मिली है.यह छह-लेन वाला एक्सप्रेसवे (जिसे आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है) 12 ज़िलों से होते हुए मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है. इसे पश्चिमी और पूर्वी उप्र को जोड़ने वाले एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक गलियारे के तौर पर देखा जा रहा है.उद्योग जगत के अनुमानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में अभी सालाना लगभग 24.5-26 करोड़ टन माल की ढुलाई राज्य के भीतर ही होती है. इसमें मुख्य रूप से अनाज, निर्माण सामग्री और खुदरा सामान शामिल होता है. वहीं, राज्य से बाहर जाने वाले माल की मात्रा 13.5-15. करोड़ टन होने का अनुमान है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, चमड़ा और कृषि उत्पाद प्रमुख हैं.राज्य के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स, कृषि, पर्यटन और रोज़गार सृजन को गति देकर राज्य की अर्थव्यवस्था में 'एक नया अध्याय' लिखेगा.

गुप्ता ने बताया कि इस परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अप्रैल को हरदोई में किया था. इसके शुरू होने से मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय लगभग 10-12 घंटे से घटकर लगभग 5-8 घंटे रह गया है.मंत्री ने कहा, 'यह एक्सप्रेसवे सिर्फ एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि एक एकीकृत विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स गलियारा है. माल की तेज़ आवाजाही और परिवहन लागत में कमी से सालाना लॉजिस्टिक्स पर 25,000-30,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है.'उन्होंने बताया कि इस गलियारे के किनारे राज्य को पहले ही लगभग 46,660 करोड़ रुपये के 987 निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं. इसके तहत 6,507 एकड़ ज़मीन पर 12 औद्योगिक केंद्र (नोड्स) विकसित किए जा रहे हैं.

उन्होंने कहा कि विनिर्माण, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, भंडार गृह और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों को इससे फ़ायदा होने की उम्मीद है. साथ ही, प्रस्तावित फ़ार्मा, कपड़ा और आईटी पार्क बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर पैदा कर सकते हैं.ब्लू डार्ट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी दिपांजन बनर्जी ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे पारंपरिक रूटिंग हब पर निर्भरता कम करके उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स परिचालन को पूरी तरह से बदल देगा.उन्होंने बताया, जो कड़ी गायब थी, वह एक ऐसा निर्बाध उत्तरी गलियारा था जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर बेल्ट) को सीधे पूर्वी ज़िलों से जोड़ता. गंगा एक्सप्रेसवे इस कमी को प्रभावी ढंग से पूरा करता है.

बनर्जी ने कहा कि बढ़ती खपत, औद्योगिक क्लस्टर और दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में तेज़ी से हो रही वृद्धि के कारण यह राज्य एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स बाज़ार के रूप में उभर रहा है. उन्होंने आगे कहा कि ई-कॉमर्स, फार्मास्युटिकल्स, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों को माल की तेज़ और अधिक अनुमानित आवाजाही से विशेष रूप से लाभ होगा.

सीमेंट कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में छह-सात प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली: देश की प्रमुख सीमेंट कंपनियों को वित्त वर्ष 2026-27 में उद्योग में सात-आठ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है. कंपनियों का मानना है कि सरकार के बुनियादी ढांचा खर्च, आवास क्षेत्र की बढ़ती मांग और तेजी से हो रहे शहरीकरण से उद्योग को बड़ा समर्थन मिलेगा.हालांकि, इसके साथ ही उद्योग ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती ईंधन लागत निकट अवधि में चुनौती बनी हुई है.अल्ट्राटेक सीमेंट, अंबुजा सीमेंट, श्री सीमेंट, डालमिया सीमेंट और नुवोको विस्टास जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान मध्यम अवधि को लेकर सकारात्मक रुख जताया है. कंपनियां प्रीमियम सीमेंट उत्पादों और बेहतर बिक्री मूल्य के जरिये बढ़ती लागत के दबाव को संतुलित करने की रणनीति पर काम कर रही हैं.इसके साथ ही सीमेंट कंपनियां चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत खर्च भी बढ़ा रही हैं. उनका मानना है कि सरकार की अवसंरचना परियोजनाओं और आवासीय मांग में तेजी से उद्योग को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा.अल्ट्राटेक सीमेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अतुल डागा ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण ईंधन, ढुलाई और आयात आधारित आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा है.

सीमेंट कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का लगभग 50-55 प्रतिशत हिस्सा बिजली, ईंधन और बिक्री लागत पर खर्च होता है.हालांकि, डागा ने भरोसा जताया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी मजबूत बनी हुई है. उन्होंने कहा कि सरकार का निवेश, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन, किफायती आवास योजनाएं और ग्रामीण मांग उद्योग को मजबूती देंगे.उन्होंने कहा, हम दो अंक की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं. साथ ही उन्होंने आने वाले वर्षों में सीमेंट मांग में सालाना 7-8 प्रतिशत की स्थायी वृद्धि का अनुमान जताया.वहीं, अंबुजा सीमेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद बहेती ने चालू वित्त वर्ष में कंपनी की कुल बिक्री मात्रा लगभग आठ प्रतिशत बढ़कर आठ करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान जताया है.बहेती के अनुसार, उद्योग स्तर पर वृद्धि दर लगभग 5-5.5 प्रतिशत रह सकती है क्योंकि महंगाई और कमजोर मानसून की आशंका चिंता का विषय है. अल्ट्राटेक ने कहा कि भौगोलिक क्षेत्रों में तिमाही के दौरान प्रति सीमेंट के दाम ढाई प्रतिशत मजबूत हुए हैं. प्रीमियम उत्पादों तथा बेहतर कारोबार मिश्रण से प्राप्ति अच्छी रही है.डालमिया भारत के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी पुनीत डालमिया ने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में प्रीमियम उत्पादों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाएगी. उन्होंने कहा कि ऊंची मात्रा और बेहतर प्राप्तियों की वजह से कंपनी का राजस्व सुधार है.श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक नीरज अखौरी ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट और कमजोर मानसून की वजह से अस्थायी रूप से क्षेत्र की रफ्तार प्रभावित हो सकती है.नुवोको विस्टास के प्रबंध निदेशक जयकुमार कृष्णस्वामी ने भी भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ईंधन की बढ़ती लागत, कच्चे माल पर बढ़ते खर्च खासकर पैकिंग सामग्री को लेकर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि इन कारणों से एक-दो तिमाहियों तक कंपनियों के मार्जिन पर दबाव रह सकता है.

रिलायंस इन्फ्रा का चौथी तिमाही का मुनाफा घटकर 918 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में घटकर 918.07 करोड़ रुपये रहा है. कंपनी ने इसके पीछे बढ़ते खर्चों को प्रमुख कारण बताया है.कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी. इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,387.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था.मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 4,154.34 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,268.05 करोड़ रुपये थी.वहीं, कुल खर्च बढ़कर 5,419.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,827.97 करोड़ रुपये था.इस दौरान बिजली खरीद लागत में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई. जनवरी-मार्च तिमाही में बिजली खरीद पर कंपनी का खर्च बढ़कर 3,285.68 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 2,739.62 करोड़ रुपये था.पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घटकर 2,900.23 करोड़ रुपये रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 4,937.52 करोड़ रुपये था.

सिग्नेचर ग्लोबल का चालू वित्त वर्ष में 5,000 करोड़ रुपये की परिचालन आय का लक्ष्य

नयी दिल्ली: रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल अपनी परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के जरिये इस वित्त वर्ष में अपनी परिचालन आय को लगभग दोगुना करके 5,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य बना रही है. कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी.

गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में परिचालन आय मामूली रूप से बढ़कर 2,595.86 करोड़ रुपये हो गई थी, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,498 करोड़ रुपये थी.सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 5,000 करोड़ रुपये की परिचालन आय अर्जित करने का लक्ष्य रखा है.''उन्होंने बताया कि दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में उच्च वायु प्रदूषण के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण पिछले वित्त वर्ष में निर्माण गतिविधियां प्रभावित हुईं.अग्रवाल ने कहा कि निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगने के कारण उनकी कुछ परियोजनाओं का कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाया और इसलिए तय आय के लक्ष्य भी प्रभावित हुए. उन्होंने कहा कि चालू अप्रैल-जून तिमाही में परियोजना के पूरा होने की गति में काफी सुधार होगा.अग्रवाल ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के आवास क्षेत्र के बाजार को लेकर ने कहा कि कंपनी इस वित्त वर्ष में गुरुग्राम क्षेत्र में जमीन खरीदने और निर्माण कार्य करने के लिए लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी.सिग्नेचर ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष में अपनी बिक्री बुकिंग को 21 प्रतिशत बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है.

10 दिनों में तीसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली: पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शनिवार को एक बार फिर वृद्धि की गयी. पेट्रोल की कीमत 87 पैसे लीटर जबकि डीजल के दाम 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाये गये हैं. पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं.वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे भारी उतार-चढ़ाव का असर अब भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर दिखने लगा है. सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार (23 मई 2026) को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. इस ताजा संशोधन के बाद पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है. पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं. उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 98.64 रुपये से 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है.वहीं डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 91.58 रुपये से बढ़कर 92.49 रुपये हो गई है. पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है. सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है.

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह 3 नए आईपीओ देंगे दस्तक, 6 कंपनियों के शेयर की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली: सोमवार यानी 25 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है. इस सप्ताह तीन कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं. ये तीनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं. इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले चार आईपीओ में भी 25 और 26 मई तक बोली लगाई जा सकती है. जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह छह कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं. ये सभी कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं.

सप्ताह के पहले दिन 25 मई को याश्वी ज्वेलर्स का 43.88 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा. इस इश्यू में 27 मई तक बोली लगाई जा सकेगी. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 83 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 29 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि दो जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसके अगले दिन 26 मई को राजनंदिनी फैशन इंडिया का 18.21 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा. इस इश्यू में 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 59 रुपये से लेकर 63 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसी दिन यानी 26 मई को ही एसएमआर ज्वेलर्स का 67.23 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा. इस इश्यू में भी 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 21 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले बायो मेडिका लेबोरेट्रीज के 52.43 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 25 मई तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के

लिए 132 रुपये से लेकर 139 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 26 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 29 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. ये आईपीओ अभी तक फुली सब्सक्राइब हो चुका है.

इसी तरह 21 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले ऑटोफर्निश लिमिटेड के 14.60 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी 25 मई तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 41 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 26 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 29 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इस आईपीओ को अभी तक 43 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.

21 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले क्यू-लाइन बायोटेक लिमिटेड के 214.48 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 326 रुपये प्रति शेयर से लेकर 343 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 26 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 29 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इस आईपीओ को अभी तक 10 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.

इनके अलावा 22 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एमआर मनीवेनी लिमिटेड के 27.04 करोड़ रुपये के आईपीओ में 26 मई तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 51 रुपये प्रति शेयर से लेकर 52 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 27 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि एक जून को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. ये आईपीओ अभी तक फुली सब्सक्राइब हो चुका है.

जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 25 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एनएफपी संपूर्ण फूड्स की लिस्टिंग हो सकती है. इसके अगले दिन 26 मई को टीमटेक फॉर्मवर्क सॉल्यूशंस के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 27 मई को वेगोरामा पंजाबी अंगीठी के शेयरों की बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होने की उम्मीद है.वहीं, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन 29 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर बायो मेडिका लेबोरेट्रीज और क्यू-लाइन बायोटेक लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ऑटोफर्निश लिमिटेड के शेयर लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं.

न्यूज़ कॉर्नर

राष्ट्रीय दिव्यांग टी20 प्रतियोगिता: उत्तर प्रदेश ने मुंबई को हराकर खिताब जीता

बेंगलुरु : उत्तर प्रदेश ने रविवार को यहां पांचवें राष्ट्रीय दिव्यांग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर खिताब जीत लिया. इस चैंपियनशिप का आयोजन कर्नाटक राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ की देखरेख में किया गया था जो भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद की राज्य इकाई है. मुंबई ने 20 ओवरों में सात विकेट पर 171 रन का एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसमें रविंद्र सांटे 71 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि विक्रांत केनी ने 54 रन का योगदान दिया. उत्तर प्रदेश के लिए मोहम्मद सादिक ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 24 रन देकर दो विकेट लिए. उत्तर प्रदेश के कप्तान राहुल सिंह ने महज 13 गेंदों में तेजी से 31 रन बनाकर टीम को एक जोरदार शुरुआत दी. विंटू यादव ने 35 रन की अहम पारी खेली जबकि दीपेंद्र सिंह ने पारी को संभालते हुए नाबाद 54 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को 18.5 ओवरों में जीत दिला दी.

पंजाब के 87 खिलाड़ी महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित

चंडीगढ़: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को 87 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित 'महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार' से सम्मानित किया. इस दौरान विभिन्न खेलों के 1,070 पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया. राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को चेक के माध्यम से 32.05 करोड़ रुपये की इनामी राशि भी वितरित की. यहां आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि यह दिन पंजाब के लिए ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि 87 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित 'महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार' से सम्मानित किया गया जबकि विभिन्न खेलों के 1,070 पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया. मान ने कहा, ''पंजाब सरकार ने ना केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को एक-एक करोड़ रुपये देकर सम्मानित किया है बल्कि पदक जीतने वाले नौ खिलाड़ियों को नौकरियां भी दी हैं.'' उन्होंने कहा, ''पंजाब के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपलब्धियों से देश और राज्य का बहुत मान बढ़ाया है. यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके साथ मजिबूती से खड़े रहें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें वह सम्मान, पहचान और सहयोग मिले जिसके वे हकदार हैं.'' पंजाब सरकार के खेल विजन पर मान ने कहा कि पहली बार राज्य के 220 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट की तैयारी के लिए 8.61 करोड़ रुपये दिए गए.

प्रणति नायक ने एफआईजी वर्ल्ड चैलेंज कप में रजत पदक जीता

नयी दिल्ली: भारत की प्रणति नायक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ताशकंद में एफआईजी वर्ल्ड चैलेंज कप 2026 में महिला वॉल्ट स्पर्धा में रजत पदक जीता. एशियाई चैंपियनशिप में तीन बार पदक जीत चुकी ओडिशा की 31 वर्षीय प्रणति ने फाइनल में अपने दो वॉल्ट में क्रमशः 12.950 और 12.700 अंक बनाकर कुल 13.025 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया. वियतनाम की थी क्विन्ह न्हु गुयेन ने 13.375 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की शाखिनाबोनू यूसुफोवा ने 12.950 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया. भारत की एक अन्य खिलाड़ी प्रोतिस्था सामंता 12.850 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं. प्रणति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ महीने आसान नहीं रहे. ऐसे दिन भी आए जब मैंने असफलताओं का सामना किया. कुछ दिन बेहद कठिन थे लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी. इस पदक के साथ पोडियम पर खड़ा होना इस बात का प्रमाण है कि धैर्य, दृढ़ता और विश्वास हमेशा अच्छे परिणाम देता है.''

प्रणवी मोरक्को में संयुक्त 17वें स्थान पर खिसकीं, दीक्षा संयुक्त 20वें स्थान पर रहीं

रबात: भारत की प्रणवी उर्स यहां लेला मरयम कप गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दिन संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर खिसक गईं जबकि दीक्षा डागर संयुक्त 20वें स्थान पर रहीं. टूर्नामेंट में प्रणवी ने 70, 71 और 74 के स्कोर से कुल चार अंडर का स्कोर बनाया जबकि दीक्षा (75, 70 और 71) का कुल स्कोर तीन अंडर रहा. प्रणवी ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी और पहले दौर में बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर थीं. दूसरे दिन के खेल के बाद भी वह शीर्ष 10 में बरकरार थीं. अंतिम दौर में हालांकि एक ओवर 74 के स्कोर से प्रणवी संयुक्त 17वें स्थान पर खिसक गईं. इससे पहले अवनि प्रशांत और हिताषी बक्शी कट हासिल करने में नाकाम रहे. कनाडा की अन्ना हुआंग ने अंतिम दौर में सात अंडर 66 के स्कोर से एक शॉट के अंतर से खिताब जीता. अंतिम दौर की शुरुआत से पहले 17 साल की हुआंग शीर्ष पर चल रहीं केल्सी बेनेट से छह शॉट पीछे थीं लेकिन अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 अंडर के कुल स्कोर से खिताब जीतने में सफल रहीं. बेनेट ने अंतिम दौर में पार 73 के स्कोर से कुल 13 अंडर का स्कोर बनाया और दूसरे स्थान पर रहीं.

डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के दल नेता होंगे

नयी दिल्ली: डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल को ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत का दल नेता (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया गया है. भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सूत्रों ने यह जानकारी दी. रवि बेंगानी 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के उप दल नेता होंगे जबकि वंदना राव और राहुल स्वामी भारतीय दल के साथ जनरल टीम मैनेजर के रूप में यात्रा करेंगे. आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा भी शीर्ष प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर ग्लासगो जाएंगी. इस प्रतिनिधिमंडल में आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर और विग्नेश वेंगालिल उज्वल भी शामिल हैं. राजपाल आईओए की कार्यकारी समिति के सदस्य और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के उपाध्यक्ष हैं. कई वर्षों तक भारत की डेविस कप टीम की कप्तानी करने के अलावा उन्होंने भारतीय खेल जगत में प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी निभाई हैं. इन नियुक्तियों से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि आईओए ने राजपाल की नियुक्ति को 'सुरक्षित और कारगर विकल्प' के रूप में देखा. उन्होंने कहा, ''रोहित के पास व्यापक प्रशासनिक अनुभव है और विभिन्न खेल महासंघों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं. आईओए के अधिकारियों का मानना है कि वह अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभा सकते हैं.'' सूत्र ने कहा कि राजपाल की शांति के साथ काम करने की शैली और विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों और अधिकारियों से उनकी अच्छी जान-पहचान चयन प्रक्रिया के दौरान उनके पक्ष में काम आई. सूत्र ने कहा, ''वह ऐसे व्यक्ति हैं जो खिलाड़ियों की जरूरतों और महासंघों की कार्यप्रणाली दोनों को समझते हैं. उनकी इस योग्यता को महत्वपूर्ण माना गया.'' भारतीय प्रतिनिधिमंडल में अपने जमाने के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को विशेष अतिथि के रूप में शामिल किया गया है. इन खिलाड़ियों में मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम, पूर्व हॉकी कप्तान कमलप्रीत कौर, पूर्व एथलीट सुनैना कुमारी और पूर्व भारोत्तोलक राजलक्ष्मी सिंह देव शामिल हैं. ग्लासगो राष्ट्रमंडल में कम खेलों को शामिल किया गया है और इसलिए पूरी संभावना है कि भारत छोटा दल भेजेगा.

आर्चर के हरफनमौला खेल से मुंबई को हराकर रॉयल्स प्लेऑफ में

मुंबई: जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 30 रन से हराकर प्लेऑफ का टिकट पक्का किया. आर्चर ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लड़खड़ाने के बाद 32 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट चटकाए. बृजेश शर्मा (चार ओवर में 26 रन), नांद्रे बर्गर (चार ओवर में 43 रन) और यश राज पुंजा (चार ओवर में 44 रन) ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया. रॉयल्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद अपने करो या मरो मैच में आठ विकेट पर 205 रन बनाने के बाद मुंबई की पारी को नौ विकेट पर 175 रन पर रोक दिया. इस जीत के साथ ही रॉयल्स के 14 मैचों में 16 अंक हो गए और उसने अंक तालिका में चौथा स्थान पक्का कर लिया. इसके साथ ही पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की उम्मीदें खत्म हो गईं. प्लेऑफ की दौड़ से पहले से ही बाहर मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म हुआ. टीम के लिए सूर्यकुमार यादव ने 60, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 34 और विल जैक्स ने 33 रन का योगदान दिया. पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, लेकिन ध्रुव जुरेल ने 26 गेंद में 38, आर्चर ने 15 गेंद में 32, दासुन शनाका ने 15 गेंद में 29 और यशस्वी जायसवाल ने 17 गेंद में 27 रन का अहम योगदान दिया. रविंद्र जडेजा (नाबाद 19) और नांद्रे बर्गर (नाबाद 10) ने आखिरी ओवरों में 13 गेंद में 30 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया. मुंबई इंडियन्स के लिए दीपक चाहर ने 43 और शार्दुल ठाकुर ने 41 रन देकर दो-दो विकेट लिए. विल जैक्स, अल्लाह गजानफर और कोर्बिन बॉश को एक-एक सफलता मिली. लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 38 रन तक चार विकेट गंवा दिए. आर्चर ने पहले ओवर में रोहित शर्मा को खाता खोले बिना विकेट के पीछे कैच कराने के बाद दूसरे ओवर में नमन धीर (छह) को बोल्ड किया. बर्गर ने आक्रामक दिख रहे रेयान रिकेलटन (12) को सूर्यवंशी के हाथों कैच कराकर मुंबई को तीसरा झटका दिया. सूर्यकुमार यादव ने इस ओवर में हालांकि छक्का और चौका लगाकर आत्मविश्वास हासिल किया. छठे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए बृजेश शर्मा ने अपनी पहली ही गेंद पर तिलक वर्मा (तीन) का विकेट उखाड़ दिया. पावरप्ले के बाद टीम का स्कोर चार विकेट पर 49 रन था. सूर्यकुमार ने जडेजा के लगातार ओवरों में छक्का जड़ा, तो वहीं दूसरे छोर से जैक्स ने यश राज पुंजा की गेंद को दर्शकदीर्घा में पहुंचाया. इस बीच सूर्यकुमार को यश राज की गेंद पर बृजेश ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया. वह उस समय 27 रन पर खेल रहे थे. जैक्स ने इस गेंदबाज के खिलाफ 12वें ओवर में छक्के से टीम के रनों का शतक पूरा किया. वह इसी ओवर में आउट हो गए. कप्तान हार्दिक पंड्या ने क्रीज पर आते ही दो छक्के जड़े. पंड्या ने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शनाका के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौके जड़कर रॉयल्स के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया. सूर्यकुमार ने बर्गर के खिलाफ एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 15वें ओवर में बृजेश का स्वागत चौके से किया. पराग ने 16वें ओवर में गेंद आर्चर को थमाई और इस गेंदबाज ने पंड्या की 15 गेंद में 34 रन की पारी समाप्त कर टीम को बड़ी सफलता दिला दी. यश राज ने अगले ओवर में बॉश (दो) को चलता करने के साथ ओवर से सिर्फ पांच रन खर्च कर मुंबई पर दबाव बना दिया. बर्गर ने अगले ओवर में अपनी ही गेंद पर सूर्यकुमार का कैच लपककर टीम का प्लेऑफ में पहुंचना तय कर दिया. पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जायसवाल ने चाहर के खिलाफ छक्के के साथ हाथ खोले. इसके बाद उन्होंने जैक्स की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया. हालांकि, वह एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जैक्स की गेंद को हवा में खेल बैठे और बॉश ने आसान कैच लपककर रॉयल्स को पहला झटका दिया. दूसरे छोर पर असहज दिख रहे वैभव सूर्यवंशी (चार) भी अगले ओवर में चाहर की गेंद को हवा में लहराकर कैच आउट हो गए. कप्तान पराग (14) ने क्रीज पर आते ही छक्के के साथ हाथ खोला और फिर अल्लाह गजानफर की गेंद पर लगातार दो चौके जड़े. वह पावरप्ले का अंत छक्के के साथ करने की कोशिश में बाउंड्री के पास तिलक वर्मा द्वारा लपके गए, जिससे टीम ने छह ओवर में 54 रन पर तीन विकेट गंवा दिए. छठे ओवर में गजानफर पर छक्का जड़ने वाले ध्रुव जुरेल ने एक छोर से संभलकर बल्लेबाजी की, तो वहीं दूसरे छोर से शनाका ने अफगानिस्तान के इस गेंदबाज और रघु शर्मा के खिलाफ आसानी से छक्के जड़कर रनगति बनाए रखी. शनाका की 15 गेंद में 29 रन की आक्रामक पारी का अंत जुरेल के साथ गलतफहमी के कारण रन आउट होने से हुआ. इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की, जो रॉयल्स की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही. इस विकेट के बाद जुरेल ने तेजी से रन बनाने का मोर्चा संभालते हुए गजानफर के खिलाफ लगातार दो चौके और मिडऑन के ऊपर से बड़ा छक्का जड़ दिया. हालांकि, उनकी पारी भी ज्यादा लंबी नहीं चली और बॉश की शानदार यॉर्कर पर जुरेल का विकेट उखड़ गया. डोनोवन फरेरा 14 गेंद में 18 रन बनाकर चाहर का दूसरा शिकार बने. बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए आर्चर ने भी अपनी पारी में तीन छक्के जड़े, वहीं जडेजा और बर्गर ने आखिरी ओवरों में मुंबई के गेंदबाजों को परेशान किया, जिससे टीम ने आखिरी पांच ओवर में 73 रन जोड़े.

नॉर्वे शतरंज में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे गुकेश, प्रज्ञानानंदा

ओस्लो: विश्व चैंपियन डी गुकेश सोमवार से यहां शुरू हो रहे प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के जरिए विश्व चैंपियनशिप में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से पहले लय हासिल करने के इरादे से उतरेंगे जबकि एलीट खिलाड़ियों की मौजूदगी में उनके धैर्य और कौशल की परीक्षा होगी. टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी हिस्सा ले रहे हैं. गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा की मौजूदगी में भारतीय दल टूर्नामेंट में खिताब के अपने सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगा. प्रतियोगिता के ओपन और महिला वर्ग में दुनिया के छह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे. प्रतियोगिता में चार खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. गुकेश और प्रज्ञानानंदा ओपन वर्ग में शिरकत करेंगे तो वहीं महिला वर्ग में कोनेरू हंपी और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख हिस्सा लेंगी. भारतीय खिलाड़ियों के लिए हालांकि चुनौती आसान नहीं होगी. ओपन वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन के अलावा फ्रांस के स्टार अलीरेज फिरोजा, जर्मनी के विन्सेंट कीमर और अमेरिका के अनुभवी वेस्ली सो जैसे दिग्गज भी हिस्सा ले रहे हैं. महिलाओं के वर्ग में पांच बार की विश्व चैंपियन जू वेनजुन, गत चैंपियन अन्ना मुजिचुक, गत विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा और चीन की उभरती हुई स्टार झू जिनर से हंपी और दिव्या को कड़ी चुनौती मिलेगी. गुकेश इस टूर्नामेंट में उम्मीदों के भारी बोझ के साथ उतरे हैं. उन्हें उस खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है जो नार्वे शतरंज पर कार्लसन की मजबूत पकड़ को चुनौती दे सकता है. स्थानीय खिलाड़ी कार्लसन यहां सात बार के चैंपियन हैं. गुकेश के लिए मौजूदा सत्र औसत प्रदर्शन वाला रहा है. यह भारतीय इस प्रतियोगिता को इस साल के आखिर में चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ अपने विश्व चैंपियनशिप खिताब के बचाव की तैयारी के तौर पर देखेगा. अभी विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज गुकेश पोलैंड में हुए ग्रैंड चेस टूर के सुपर रेपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में निराशाजनक छठे स्थान पर रहने के बाद ओस्लो पहुंचे हैं. दूसरी तरफ प्रज्ञानानंदा बुखारेस्ट में हाल ही में खत्म हुए सुपरबेट चेस क्लासिक में कीमर, सो और फिरोजा जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार मुकाबलों की एक श्रृंखला के बाद इस चुनौती के लिए बेहतर तैयार नजर आ रहे हैं.

एनआरएआई ने म्यूनिख विश्व कप के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की, मनु तीन स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी

नयी दिल्ली: भारत 24 से 31 मई तक म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप में 22-सदस्यीय टीम उतारेगा. इस टीम में शामिल दोहरी ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर मिश्रित टीम मुकाबले के अलावा दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पर्धाओं में भी हिस्सा लेंगी. भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने रविवार को टीम की घोषणा की जिसमें अनुभवी और युवा निशानेबाजों का मिश्रण है. इस टूर्नामेंट को इस खेल के सबसे बड़ी सालाना प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है. मनु के अलावा ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता ईशा सिंह भी दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी. इस सत्र में पहली बार भारत के शीर्ष निशानेबाज देश से बाहर किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने जा रहे हैं. प्रतियोगिताएं 26 मई से शुरू होंगी जिसकी शुरुआत महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल प्रिसिजन चरण से होगी. पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल का क्वालीफिकेशन दौर और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स का एलिमिनेशन दौर भी होगा. इसके साथ ही पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का क्वालीफिकेशन दौर भी खेला जाएगा. पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल भी प्रतियोगिता में पहले ही दिन होंगे. म्यूनिख विश्व कप में 80 देशों के कुल 696 निशानेबाजों के हिस्सा लेने की उम्मीद है जिनमें कई ओलंपिक और विश्व चैंपियन भी शामिल हैं. यह टूर्नामेंट इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और अन्य बड़े बहु खेल मुकाबलों की तैयारी के लिए एक अहम मंच का काम करेगा. भारत ने अप्रैल में ग्रेनाडा में हुए मौजूदा सत्र के पहले राइफल/पिस्टल विश्व कप में एक स्वर्ण पदक जीता था. उस टूर्नामेंट में भारत ने ऐसे निशानेबाजों को उतारा था जिनकी घरेलू रैंकिंग तीसरे से छठे स्थान के बीच थी. हालांकि म्यूनिख में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले राइफल और पिस्टल निशानेबाज हिस्सा लेंगे और उनका मुकाबला अंतरराष्ट्रीय स्तर के मजबूत खिलाड़ियों से होगा.

हर खिलाड़ी आदर्श बनने की कोशिश करता है, लेकिन इंसान कई बार कसौटी पर खरा नहीं उतरता: गावस्कर

मुंबई: भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने रविवार को कहा कि हर खिलाड़ी ऊंचाइयों तक पहुंचने के दौरान खुद को एक आदर्श के रूप में स्थापित करने की कोशिश करता है, लेकिन इंसान होने के नाते कई बार वह उन मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता. इस वर्ष के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हुई किसी विशेष घटना का उल्लेख किए बिना गावस्कर ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में किसी भी घटना या संदेश को आम लोगों तक पहुंचने में अब पहले की तुलना में बहुत कम समय लगता है. गावस्कर ने रविवार को यहां 'मिडविकेट स्टोरीज' के लॉन्च के अवसर पर पत्रकारों से कहा, ''भावनाओं के उफान में कई बार चीजें हो जाती हैं. ऐसा नहीं है कि आप युवाओं को कुछ गलत सिखा रहे हैं. कोई भी व्यक्ति अचानक अपना आपा खो सकता है और यही होता है.'' उन्होंने कहा, ''जब कोई सफलता हासिल करने लगता है तो सबसे अच्छा रोल मॉडल (आदर्श) बनने की कोशिश करता है. हमें उसी तरह की परवरिश मिली होती है. आप चाहते हैं कि लोग आपको आदर्श मानें. लेकिन हम सभी इंसान हैं और कभी न कभी हम उस स्तर पर खरे उतरने में असफल हो सकते हैं. फर्क सिर्फ इतना है कि आज के समय में ऐसी बातें बहुत जल्दी सार्वजनिक हो जाती हैं, जबकि पहले ऐसा नहीं था.'' गावस्कर ने अपने खेल के दिनों को याद करते हुए बताया कि उस दौर में टेस्ट मैच के एक दिन का खेल समाप्त होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी साथ बैठकर बातचीत और मेलजोल किया करते थे. उन्होंने इसकी तुलना आईपीएल मैचों के बाद खिलाड़ियों के आपसी संवाद से की. उन्होंने कहा, जब हम खेलते थे तब एक परंपरा हुआ करती थी. जिस टीम की उस दिन बल्लेबाजी होती थी, वह दूसरी टीम के ड्रेसिंग रूम में पानी की बोतलें लेकर जाती थी.'' उन्होंने बताया, '' दिन का खेल खत्म होने के बाद करीब 20 मिनट का समय खिलाड़ियों को शांत होने के लिए दिया जाता था. फिर पूरे दिन के खेल पर चर्चा होती थी. हमारी 16 खिलाड़ियों की टीम में से लगभग 10-12 खिलाड़ी विपक्षी टीम के कमरे में जाकर उनके साथ बैठते थे.'' गावस्कर ने कहा कि उन बातचीतों में सिर्फ मैच की बातें नहीं होती थीं, बल्कि खिलाड़ी एक-दूसरे से स्थानीय जगहों, खाने-पीने और फिल्मों के बारे में भी जानकारी लेते थे. उन्होंने कहा, ''मैच की घटनाओं पर चर्चा तो होती ही थी, लेकिन अगर आप विदेशी दौरे पर होते थे तो आप उनसे पूछते थे कि यहां खाने के लिए अच्छी जगहें कौन-सी हैं, कौन-सी फिल्में देखनी चाहिए.'' उन्होंने आईपीएल के मौजूदा माहौल की सराहना करते हुए कहा, ''आप आईपीएल में भी देखते हैं कि मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से मिलते हैं और बातचीत करते हैं. मेरा मानना है कि हाथ मिलाने और आपसी सम्मान दिखाने की यह नई परंपरा काफी अच्छी है.''

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया

नयी दिल्ली: भारत के लंबी दूरी के शीर्ष धावक गुलवीर सिंह ने लॉस एंजिलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में नया आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया. विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर स्तर की इस प्रतियोगिता में गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय लिया. इसके साथ ही उन्होंने अपने ही आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 में सुधार किया. इस 27 साल के धावक ने पिछले वर्ष बोस्टन में आयोजित टेरियर डीएमआर चैलेंज इंडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट 59.77 सेकेंड का समय निकाला था, जो 5000 मीटर में उनका समग्र राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना हुआ है. लॉस एंजिलिस में दर्ज किया गया समय उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. एलए ट्रैक फेस्ट में हैबटोम सैमुअज ने 12 मिनट 57.23 सेकेंड का विश्व का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि गुलवीर दूसरे स्थान पर रहे. गुलवीर मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं और उनके नाम 10,000 मीटर तथा हाफ मैराथन के राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज हैं.

मांडविया ने साइ एनसीओई में एकीकृत खेल अवसंरचना सुविधा का उद्घाटन किया

गांधीनगर: केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने देशभर में विश्वस्तरीय हाई-परफॉर्मेंस खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रविवार को गांधीनगर में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में कई नई खेल अवसंरचना सुविधाओं का उद्घाटन किया. मंत्री ने केंद्र में नव-विकसित पैरा एथलीट हॉस्टल, केंद्रीकृत भोजनालय, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग हॉल, बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण हॉल और मेडिटेशन पार्क का उद्घाटन किया. इन सुविधाओं को प्रशिक्षण, रिकवरी, पोषण, खेल विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में समग्र सहयोग प्रदान कर खिलाड़ियों की तैयारी को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है. पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति के अनुसार, मांडविया ने कहा, हाल के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में हमारे रिकॉर्ड प्रदर्शन संयोग नहीं हैं. ये खिलाड़ियों में निरंतर निवेश, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक अवसंरचना और इस मजबूत विश्वास का परिणाम हैं कि भारत वैश्विक खेल महाशक्ति बन सकता है. मंत्री ने कहा कि मंत्रालय द्वारा 'पैरा खेलों के नोडल केंद्र' के रूप में अधिसूचित साइ एनसीओई गांधीनगर, पैरा खिलाड़ियों के विकास के लिए देश के अग्रणी हाई-परफॉर्मेंस केंद्रों में से एक बनकर उभर रहा है. यह केंद्र वर्तमान में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, तैराकी और तलवारबाजी सहित छह पैरा खेलों को सहयोग प्रदान करता है. इन सुविधाओं का उपयोग हैंडबॉल, कबड्डी और खो-खो के प्रशिक्षण के लिए भी किया जा रहा है. मांडविया ने केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भाग ले रहे कबड्डी, पैरा खेल, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल खिलाड़ियों से भी बातचीत की. उन्होंने कहा, पैरा एथलीट हॉस्टल, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग हॉल और केंद्रीकृत भोजनालय जैसी सुविधाएं केवल इमारतें नहीं हैं, बल्कि भारत के भविष्य के चैंपियनों में निवेश हैं. ये समेकित उच्च-प्रदर्शन पारिस्थितिकी तंत्र आने वाले वर्षों में भारत की खेल उत्कृष्टता यात्रा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे. नव-उद्घाटित बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण हॉल का मुख्य रूप से कबड्डी प्रशिक्षण के लिए उपयोग किया जाएगा. इससे खिलाड़ियों को वर्षभर उच्च-तीव्रता वाले अभ्यास, मैच सिमुलेशन और रणनीतिक तैयारी में सहायता मिलने की उम्मीद है. आधुनिक स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग हॉल को वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों के माध्यम से खिलाड़ियों के प्रदर्शन, सहनशक्ति, रिकवरी और चोटों की रोकथाम को बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है.

पंत से छिन सकती है एलएसजी की कप्तानी, मूडी ने बदलाव के संकेत दिए

लखनऊ: पिछले दो सत्र में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने के कारण ऋषभ पंत से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी छिन सकती है क्योंकि उसके क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने स्वीकार किया है कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज दबाव को झेलने में असफल रहा है. एलएसजी 2025 में सातवें स्थान पर रहा था जबकि इस सत्र में उसका प्रदर्शन पिछले साल से भी खराब रहा. पंत की कप्तानी में फ्रेंचाइजी ने दो सत्र में 28 मैचों में केवल 10 में जीत हासिल कीं. मूडी ने शनिवार को पंजाब किंग्स से सात विकेट से मिली हार के बाद पत्रकारों से कहा, ''अगर कप्तानी की बात करें तो निश्चित तौर पर उन्हें यह चुनौतीपूर्ण लगी है और परिणाम इसे दर्शाते हैं.'' उन्होंने कहा, ''हमें इस पर विचार करना होगा कि इस दबाव का बल्लेबाजी में उनके प्रदर्शन पर भी तो असर नहीं पड़ रहा है. मैं जानता हूं कि यह सत्र हमारे लिए मुश्किल रहा है, लेकिन हम इस पर विचार करेंगे. हम हर पहलू पर गौर करेंगे.'' एलएसजी ने पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, इसलिए उनके प्रदर्शन पर शुरू से ही नजर रखी जा रही थी. इस बीच वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. भारत के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले पंत ने आईपीएल 2018 में शानदार प्रदर्शन किया. तब उन्होंने 173.60 के स्ट्राइक रेट से 684 रन बनाए. इसके बाद 2019 में उन्होंने 162.66 के स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए. एलएसजी की तरफ से हालांकि पंत ने दो सत्र में 581 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 135.74 रहा, जो उनके करियर के 144.18 के स्ट्राइक रेट से कम है. हाल में पंत की जगह केएल राहुल को टेस्ट टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया. उन्हें वनडे टीम से भी बाहर कर दिया गया है. इसके बाद अब मूडी की यह टिप्पणी आई है. उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से हम अपनी अपेक्षाओं या मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं. जहां तक फ्रेंचाइजी के नेतृत्व की बात है तो यह निश्चित रूप से एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हम भविष्य में गंभीरता से विचार करेंगे.'' मूडी ने कहा, ''हम प्रत्येक सत्र में हर विभाग के प्रदर्शन पर गौर करते हैं और कुछ सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, लेकिन निश्चित रूप से ऐसा लगता है कि हमें नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की जरूरत है.'' उन्होंने कहा कि इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है. मूडी ने कहा, ''इस निराशाजनक सत्र के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं. मुझे नहीं लगता कि यह किसी व्यक्ति विशेष पर उंगली उठाने का समय है. हम सभी जवाबदेह हैं और अभी किसी विशेष विभाग पर दोष मढ़ने का समय नहीं है.'' उन्होंने कहा, ''हम सभी को इस पर शांतिपूर्वक विचार करने के लिए समय चाहिए, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जिन पर हमें ध्यान देने की जरूरत है और उन पर ध्यान दिया जाएगा.'' इस बीच पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, ''हमारी टीम ने इस मैच में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया. आप चाहते हैं कि इस तरह के मैच में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें.'' उन्होंने कहा, ''ये वह मैच हैं जिन्हें आप खेलना चाहते हैं, जिनमें सब कुछ दांव पर लगा होता है. पिछले कुछ दिनों से कप्तान (इस मैच में शतक जड़ने वाले श्रेयस अय्यर) की आंखों में यही चमक थी. वह अपने प्रदर्शन से मैच का रुख बदलने और हमें फाइनल तक पहुंचाने में अहम योगदान देना चाहते हैं.''

न्यूज कॉर्नर

ट्रेलर ने बाइक को रौंदा, दो मासूम समेत तीन की मौत

राजसमंदः जिले के आमेट क्षेत्र में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया. आमेट-देवगढ़ स्टेट हाईवे पर सेलागुड़ा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार दो मासूम बच्चों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं. दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया.हादसा आसन गांव स्थित चंद्रभागा नदी के पुल पर हुआ. सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची. दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. आमेट थाना प्रभारी ओमसिंह चुंडावत ने बताया कि नगर पालिका कॉलोनी निवासी मुकेश जोशी (40) पुत्र हस्तीमल जोशी अपनी बहन मधुबाला, भतीजे कुलदीप (7), भांजे लक्षदीप (3) और भांजी चारू के साथ बाइक पर ढेलाना भेरूजी देवस्थान में दर्शन के लिए जा रहे थे.इसी दौरान देवगढ़ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मुकेश जोशी, कुलदीप तथा लक्षदीप ट्रेलर के नीचे फंस गए. मौके पर ही तीनों की मौत हो गई.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. ट्रेलर के अगले पहियों के नीचे बाइक फंस गई थी, जबकि शव भी वाहन के नीचे दब गए. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी. काफी मशक्कत के बाद शवों को ट्रेलर के नीचे से बाहर निकाला गया. हादसे में घायल मधुबाला और चारू गंभीर रूप से घायल हो गईं.

चित्तौड़गढ़ में 71 किलो डोडा चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

चित्तौड़गढ :चित्तौड़गढ़ जिले की सदर थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 71 किलो 230 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है. पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक कार तथा एस्कॉर्ट के रूप में इस्तेमाल की जा रही दूसरी कार को भी जब्त किया है. आरोपियों के पास से 1 लाख 82 हजार 430 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं. जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में सदर थानाधिकारी प्रेमसिंह के नेतृत्व में सदर थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम ने धनेत रोड पर नाकाबंदी की. नाकाबंदी के दौरान एक एक्सयूवी-300 कार को रुकवाया गया. कार चालक पुलिस को देखकर घबराया हुआ नजर आया. इसी दौरान उसके पीछे आ रही आई-20 कार का चालक नाकाबंदी देखकर वाहन घुमाकर भागने लगा. पुलिस को गतिविधियां संदिग्ध लगने पर दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान आई-20 कार में प्लास्टिक के कट्टों में भरा 71 किलो 230 ग्राम कुचला हुआ डोडा चूरा बरामद हुआ. पुलिस ने आई-20 कार चालक गोविन्द जाट निवासी कालाखेड़ा थाना गंगरार तथा एक्सयूवी-300 चालक सोहनलाल जाट निवासी बोदियाना थाना चंदेरिया को गिरफ्तार कर लिया.

स्कूली छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म का प्रयास

जींदः सदर थाना क्षेत्र में स्कूल जा रही नाबालिग छात्रा को गाड़ी में बैठा कर दो युवकों द्वारा दुष्कर्म का प्रयास किया गया. किसी तरह नाबालिग छात्रा गाड़ी से उतरने में कामयाब हो गई. पीड़ित छात्रा द्वारा घटना से परिजनों को अवगत करवाया गया. पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत दो युवकों के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश करने, अपहरण करने, अश्लील हरकत करने, चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है.सदर थाना नरवाना इलाका गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया गत दिवस उसका 16 वर्षीय बेटी स्कूल में जा रही थी. उसी दौरान रास्ते में गांव के ही नवदीप तथा विकास ने उसकी बेटी को अपनी गाड़ी मे बैठा स्कूल छोड़ने की बात कही. आरोपित उसकी बेटी को स्कूल की बजाय सुनसान जगह पर ले गए. जहां पर दोनों ने उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत करते हुए दुष्कर्म करने की कोशिश की. बचाव में शोर मचाए जाने आरोपित उसकी बेटी को गाड़ी से उतार कर धमकी देते हुए फरार हो गए. घर लौट कर उसकी बेटी ने दोनों की करतूत के बारे में बताया. सदर थाना नरवाना पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपित नवदीप तथा विकास के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश करने, अपहरण करने, अश्ील हरकत करने, चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

गुरुग्राम: कोर्ट परिसर के रिकॉर्ड रूम में आग से इमारत का एक हिस्सा ढहा

गुरुग्रामः लोअर कोर्ट के रिकॉर्ड रूम में रविवार दोपहर अचानक आग लग गई और बिल्डिंग का एक हिस्सा ढह गया. धुआं और आग की लपटे उठती देख आसपास मौजूद लोगों और वकीलों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया. रविवार होने के कारण कोर्ट परिसर में अवकाश था और अधिकांश स्टाफ मौजूद नहीं था.प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रिकॉर्ड रूम में रखे रिकार्ड की जलने की जानकारी भी सामने आई. हालांकि कितना रिकॉर्ड पूरी तरह जल चुका है और कितना सुरक्षित बचाया गया है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय रिकॉर्ड रूम से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया. वहां से गुजर रहे कुछ वकीलों ने तुरंत चौकीदार और फायर ब्रिगेड को सूचना दी. इसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास तेज कर दिया. काफी देर की मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोक लिया गया, लेकिन बिल्डिंग का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया.फायर ब्रिगेड अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट आग लगने की संभावित वजह मानी जा रही है, लेकिन वास्तविक कारणों का खुलासा विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा.

हांसी: गारमेंट्स शोरूम में भीषण आग से लाखों का सामान जलकर राख

हांसीः शहर के व्यस्ततम छाबड़ा चौक स्थित गौरव गारमेंट्स शोरूम में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते शोरूम का पूरा प्रथम तल धुएं और आग की लपटों से घिर गया. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार को शोरूम के ऊपरी हिस्से से अचानक धुएं के गुबार उठने लगे, जिसके बाद कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया. प्रथम तल पर बड़ी मात्रा में रेडीमेड कपड़े, पैकिंग सामग्री और अन्यसामान रखा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई. आग की ऊंची लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं. फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. फायर ब्रिगेड कर्मचारी विनोद ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए. काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया. प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है. घटना में शोरूम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया.

नौतपा से पहले ही तपने लगा राजस्थान, 18 जिलों में लू का अलर्ट

जयपुरः नौतपा शुरू होने से पहले ही राजस्थान भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ गया है. प्रदेश के 18 जिलों में रविवार को हीटवेव का ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है. शनिवार को जयपुर समेत कई जिलों में आंधी और हल्की बारिश हुई, लेकिन उमस और गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल सकी. पश्चिमी राजस्थान में सीवियर हीटवेव के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है. जैसलमेर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस मापा गया.मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले 2 से 4 दिनों तक तेज गर्मी और लू चलने की चेतावनी जारी की है. सोमवार से नौतपा की शुरुआत हो रही है. इस बार गंगा दशहरा के दिन नौतपा शुरू होने का संयोग बन रहा है. इससे पहले ऐसा संयोग वर्ष 1980 में बना था.शनिवार सुबह श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में हल्की बारिश हुई, जबकि दोपहर बाद जयपुर, अलवर, टोंक और सवाई माधोपुर के कुछ इलाकों में आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई. जयपुर-अलवर सीमा क्षेत्र में कहीं-कहीं ओले भी गिरे. इसके बावजूद गर्म हवाओं और उमस ने लोगों को बेहाल रखा.मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पराबैंगनी विकिरण (यूवी इंडेक्स) बेहद ऊंचे स्तर पर रहेगा. ऐसे में सीधी धूप आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है.

कैथल में महर्षि कश्यप धर्मशाला, इंद्री में चौक व कुरुक्षेत्र में अकादमिक पीठ बनेगी : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप चेयर हेतु दिया जाएगा फंड

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कैथल में महर्षि कश्यप के नाम से धर्मशाला बनाने के लिए समाज द्वारा प्रस्ताव देने पर उचित स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा और इंद्री में महर्षि कश्यप के नाम से चौक का नामकरण करके वहां पर महर्षि कश्यप की प्रतिमा स्थापित की जाएगी. इसके अलावा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप के नाम से अकादमिक पीठ (-लरवशाळल उहरळी / झीषर्शीीहळि उहरळी)स्थापित करने हेतु उचित फंड उपलब्ध करवाया जाएगा.नायब सिंह सैनी रविवार को चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य-स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप ने समाज को एक नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की. उन्होंने कश्यप समाज के इतिहास को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि इस समाज ने रामायण काल में निषाद् जैसे बलशाली राजा दिये. राजा निषाद् ने ही वनवास के समय प्रभु श्री रामचंद्र जी को अपने यहां आश्रय दिया था. भक्त प्रहलाद भी इस समाज की देन हैं. दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पंच प्यारों में भाई हिम्मत सिंह कश्यप जी भी इसी समाज से थे.

नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज को साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी बताया और कहा कि आप लोगों में अपार क्षमताएं हैं. आपको अभी बहुत आगे बढ़ना है. अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करके आप न केवल अपनी कौम का भला कर सकते हैं बल्कि पूरे समाज के विकास में रचनात्मक भूमिका निभा सकते है.

इंद्री विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामकुमार कश्यप ने इस अवसर पर कहा कि वैसे तो कश्यप समाज महर्षि कश्यप की जयंती कैथल में विशाल समारोह के साथ मनाना चाहता था लेकिन पश्चिमी देशों में हुई जंग से बनी पैट्रोलियम पदार्थों की कमी को ध्यान में रखा और प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अपील पर गौर करते हुए छोटा कार्यक्रम किया गया है ताकि डीजल और पेट्रोल की बचत की जा

मानव की गलतियों से बढ़ रही गर्मी और पर्यावरण संकट : मदन दिलावर

पालीः राजस्थान में लगातार बढ़ती गर्मी और पर्यावरण असंतुलन को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने चिंता जताते हुए कहा कि आज तापमान बढ़ने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानव की गलतियां हैं. उन्होंने कहा कि हाल ही में एक एजेंसी के सर्वे में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में भारत के 97 शहर शामिल पाए गए हैं और इसके लिए कहीं न कहीं हम स्वयं जिम्मेदार हैं.शिक्षा मंत्री रविवार को पाली शहर के गोल निम्बड़ा स्थित शनिधाम में आयोजित प्रतिभावान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में समाज काफी पीछे रह गया है और यही कारण है कि राजस्थान में गर्मी लगातार बढ़ रही है तथा वर्षा का स्तर घटता जा रहा है.

मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में प्रति व्यक्ति 472 पेड़ों की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में प्रति व्यक्ति केवल 25 पेड़ ही उपलब्ध हैं. उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर बड़े स्तर पर पेड़ों की कटाई की गई, लेकिन उनकी भरपाई नहीं की गई. इसका सीधा असर पर्यावरण, वर्षा चक्र और जल स्रोतों पर पड़ा है. उन्होंने विभिन्न देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि कनाडा में प्रति व्यक्ति 10 हजार से अधिक पेड़ हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया में करीब 6 हजार और अफ्रीका में लगभग 3 हजार पेड़ प्रति व्यक्ति उपलब्ध हैं. इसके विपरीत भारत और विशेष रूप से राजस्थान की स्थिति चिंताजनक है.शिक्षा मंत्री ने कहा कि पेड़ों की कमी के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और जमीन की नमी कम होने से तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की. समारोह में उन्होंने प्लास्टिक और पॉलिथीन के उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि पॉलिथीन केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि पशुओं और इंसानों के लिए भी बेहद घातक है. सड़कों पर फेंकी गई प्लास्टिक थैलियां खाने से बड़ी संख्या में गायों की मौत हो रही है. उन्होंने कहा कि पॉलिथीन नालियों में पहुंचने से जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होती है और इसे जलाने पर जहरीली गैस वातावरण में फैलती है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है. उन्होंने लोगों से पॉलिथीन का उपयोग बंद करने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्लास्टिक का उपयोग गौमाता को कष्ट पहुंचाने जैसा है.

सिरसा: सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में व्यापार व उद्योग पिछड़ा: गर्ग

सिरसाः हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है. पानीपत से टेक्सटाइल, बहादुरगढ़ से फुटवियर, यमुनानगर से प्लाई बोर्ड इंडस्ट्रीज के साथ-साथ प्रदेश में छोटे व मध्यम काफी उद्योग बंद हुए हैं. यहां तक की सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में छोटे व मध्यम उद्योग 60 प्रतिशत बंद हो चुके हैं, जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं. बजरंग गर्ग रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे.

बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में व्यापार व उद्योगों के माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है, मगर हरियाणा में व्यापार व उद्योग कम होने से लोगों का रोजगार कम हुआ है. सरकार को बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए प्रदेश में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए. सरकार ने 2015 में हरियाणा में टेक्सटाइल हब बनाने की घोषणा के बावजूद आज तक नहीं बनने से व्यापारियों में रोष है.देश में खाद्य वस्तुएं व हर जरूरत का सामान काफी महंगा हो गया है. गरीब व्यक्ति दो वक्त की रोटी दाल-सब्जी के साथ खा नहीं सकता है. यहां तक की 5 किलो वाला सिलेंडर 261 रुपए व कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 993 रुपए बढ़ा कर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम सरकार ने किया है. 10 दिनों में पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन बार बढ़ोतरी करने से जनता में भारी नाराजगी है.

देश में पेट्रोल व डीजल के दामों में बढ़ोतरी करने से यातायात का खर्च बढ़ गया है. एलपीजी गैस सिलेंडर, दाल, दूध, सब्जियों के दामों में भारी भरकम बढ़ोतरी के कारण घरेलू बजट बिगड़ता जा रहा है. गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने चाहिए और हरियाणा में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए सरकार को विशेष योजना बनानी चाहिए, ताकि बेरोजगारी पर अंकुश लगाया जा सकें.

राज्यभर में कर्मचारी करेंगे रोजाना एक घंटे का कार्य बहिष्कार

जयपुरः अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के आह्वान पर राज्य कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज हो गया है. महासंघ ने सरकार पर कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए 25 मई सोमवार से प्रदेशभर में सात दिनों तक प्रतिदिन एक घंटे के सांकेतिक कार्य बहिष्कार की घोषणा की है.महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ तथा प्रदेश पदाधिकारी अजयवीर सिंह, शेर सिंह यादव और सर्वेश्वर शर्मा ने संयुक्त बयान में बताया कि 20 मई को प्रदेशभर में जिला कलक्टरों और कार्यालय प्रमुखों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम शांतिपूर्ण ज्ञापन सौंपे गए थे, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई.इसी के विरोध में प्रदेश के सभी सरकारी विभागों और कार्यालयों में 25 मई 2026 से आगामी सात दिनों तक प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक सामूहिक और सांकेतिक कार्य बहिष्कार किया जाएगा.

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से जनकल्याणकारी योजनाएं घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया

जयपुरः उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर द्वारा आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' में भाग लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया. उन्होंने भाजपा की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया.

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और संगठन की शक्ति का प्रतीक है, जो निरंतर राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण के लिए कार्य कर रहा है. उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा, राष्ट्र प्रथम की भावना एवं जनसेवा के मूल मंत्र को आत्मसात कर कार्यकर्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए. उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्ययोजनाओं पर भी चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और उन्हीं के प्रयासों से सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है.

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पार्टी की रीति-नीतियों और विचारधारा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया. प्रदर्शनी में संगठन की गौरवशाली यात्रा, अंत्योदय के सिद्धांत, राष्ट्रसेवा के संकल्प तथा

जनकल्याणकारी कार्यों को प्रदर्शित किया गया. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ जनसेवा के लिए समर्पित है और यही संगठन की सबसे बड़ी प्रेरणा एवं शक्ति है.

कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जिला प्रभारी प्रभुलाल सैनी, जिला सह प्रभारी देवीशंकर भूतड़ा, जिला अध्यक्ष अमित गोयल, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, बगरू विधायक कैलाश वर्मा, प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, भवानी शर्मा, जिला महामंत्री नवरत्न, राजेश तांबी, रेखा राठौड़, भाजपा प्रत्याशी चंद्रमोहन बटवाड़ा, रवि नैय्यर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने उतरी राज्य सरकार

जयपुरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है. प्रदेशभर में 25 मई से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की शुरुआत होगी, जो विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून तक चलेगा. अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की सफाई तक सीमित नहीं होकर समाज के हर वर्ग को जल संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी से जोड़ना है.राज्य सरकार इसे जल बचाओ-भविष्य बचाओ के व्यापक संकल्प के रूप में आगे बढ़ा रही है.अभियान का शुभारंभ गंगा दशमी के अवसर पर होगा. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 25 मई को टोंक जिले स्थित बीसलपुर बांध पर जल पूजन और शिव मंदिर में अभिषेक कर अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके साथ ही वे ईसरदा, बंध बरेठा और गालवा बांध का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगे. भरतपुर में गंगा माता मंदिर में आरती तथा सुजानगंगा नहर में दीपदान कार्यक्रम भी आयोजित होगा.अभियान के तहत प्रदेशभर के गांवों और शहरों में कुएं, बावड़ियां, तालाब, जोहड़, नहर और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों की साफ-सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाएगा. जल स्रोतों पर श्रमदान, दीप प्रज्वलन, जल पूजन और जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित होंगे. पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, उद्योगपतियों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है.राज्य सरकार का मानना है कि वर्षा की अनियमितता और लगातार बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है.इसी उद्देश्य से अभियान को जन भागीदारी से जोड़कर व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा.

अभियान के दौरान विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के लिए वंदे गंगा प्रभात फेरियां, लेखन प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा

कलश यात्राएं निकाली जाएंगी. साथ ही पीपल पूजन, पौधारोपण और ईको-फ्रेंडली उत्पादों की प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी.26 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक, जल संरक्षण शपथ और अमृत सरोवर जैसे जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जाएगा. वहीं कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत जल संरक्षण कार्यों की शुरुआत भी होगी.28 मई को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थलों पर वंदे गंगा जल सेवा कार्यक्रम आयोजित होंगे, जहां आमजन को ठंडा पानी उपलब्ध कराया जाएगा.वर्षा जल संचयन तकनीक, जल परीक्षण और जल बचत के उपायों को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे. सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य किया जाएगा.

उद्योग विभाग द्वारा जल उपयोग अंकेक्षण, ग्रीन ऑफिस इनीशिएटिव और एनर्जी ऑडिट पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जबकि कृषि विभाग द्वारा ड्रिप, स्प्रिंकलर और फार्म पॉण्ड जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों पर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा.अभियान के तहत गोशालाओं और पशु चिकित्सालयों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा. स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल और पक्षियों के लिए परिंडे लगाने जैसे कार्यक्रम भी होंगे. इसके अलावा नो प्लास्टिक डे के तहत प्लास्टिक कचरे के निष्पादन और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा.विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को जिला स्तरीय समापन समारोह आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान जल संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भामाशाहों, पंचायतों, नगर निकायों, संस्थाओं और जल योद्धाओं को जल गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. पर्यटन विभाग की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी होगा.

सिंधी समाज ने अपनी मेहनत ,लगन और ईमानदारी से अपना मुकाम हासिल किया - देवनानी

बांसवाड़ाः राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को बांसवाड़ा के संत कंवर नगर स्थित नवनिर्मित श्री झूलेलाल मंदिर में भगवान श्री झूलेलाल साईं, हिंगलाज माता, प्रभु श्री राम, संत कंवर राम साहेब के दर्शन कर आरती की.इस अवसर पर सिंधी समाज अध्यक्ष अनिल मैठानी ने देवनानी का साफा, ओपरणा पहनाकर अभिनंदन किया.इस अवसर पर पूर्व चिकित्सा मंत्री भवानी जोशी, लाभचंद पटेल, दीपक जोशी, राजेश कटारा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने अखंड भारत सिंध से 1947 में बंटवारे का दर्द देखा. भारत में आकर सिंधी समाज ने अपनी ईमानदारी , मेहनत और लगन से पुनः अपना मुकाम हासिल करते हुए अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई. सिंधी समाज कभी मांगने वाला समाज नहीं हमेशा पुरुषार्थ के साथ देने वाला समाज रहा है.

उन्होंने कहा आज सिंधी समाज की जनसंख्या मात्र एक प्रतिशत है किंतु आज देश में टैक्स देने में समाज का योगदान 24 प्रतिशत है. राष्ट्र गान में बंगाल, सिंध, गुजरात, मराठा है. इस अवसर पर सचिव डॉ हरिश्चंद्र लालवानी, घनश्याम आरतानी, लक्ष्मणदास मैठानी, राजेद्र संतवानी,राजेश रूपचंदानी, दिलीप आसवानी, विजय हरियाणी, अजीत चावला,गोपाल लालवानी, सुनील कालरा, रतन आसवानी,भानूप्रकाश गुरनानी, विनोद खेमनानी, आनंद रूपचंदानी, सहित कई समाजसेवी उपस्थित थे.

सुडोकू-57

			5	9			8	2
1			8					3
		8				7	6	
		6	9			2	1	8
		1		4		6		
9	8	5			1	3		
	9	3			7	8		
7					9			4
8	5			1	2			

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -56 का उत्तर

2	1	8	4	9	7	3	5	6
7	4	3	8	5	6	1	2	9
5	9	6	1	2	3	7	8	4
8	6	4	3	1	5	9	7	2
1	7	9	6	8	2	4	3	5
3	2	5	9	7	4	6	1	8
6	5	1	2	3	9	8	4	7
4	8	2	7	6	1	5	9	3
9	3	7	5	4	8	2	6	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 78

1		2		3	■	4	5	
	■		■	6		■		■
	■	7	8	■	■	9		10
11					■		■	
■	■		■	■	■		■	■
12	■		■	13	14			15
16	17		■	■	18		■	
■		■	19	20	■		■	
21			■	22				

● **बाएं से दाएं**

1. बाध्यता, जरूरत, 4. बिना ताल के, जो नियत स्वर न हो, 6. धुन, 7. देने वाला, दानी, 9. दिल, 11. सिनेमा का पर्दा, 13. जमीन की उन्नति, 16. रचना, रुप देना, 18. भरा, ढोया, 19. वचन, 21. जाल बुनने वाला कीडा, 22. भेद, छंटाई,

● **उपर से नीचे**

1. हक, 2. भीषण दुर्घटना, मारपीट, दंगा-फसाद, 3. तलवार की मूठ, हथेली, 5. आनंददायक, विष्णु का आसन, 8. गर्मी, उलटो तो पता मिले, 9. मन को कष्ट पहुंचाने वाला, दिल दहलाने वाला, 10. हवन, विष्णु, 12. इस समय, इस बार, 14. कारखाना, 15. सबूत के साथ, 17. व्यर्थ, प्रयोजनहीन, 20. वन, जंगल,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 77 का हल

आ	ड	■	■	■	ला	■	च	■
ग	■	मू	■	अ	न	स	म	झा
म	ह	क	■	धि	त	■	च	■
न	■	ब	■	का	■	क	मा	नी
■	अ	धि	का	र	में	ले	ना	■
ऊ	प	र	■	पू	■	वा	■	क
■	ना	■	प	र्व	■	ले	जा	ना
अ	प	का	र	क	■	ना	■	ग
■	न	■	दा	■	■	■	ग	त

एंजॉय चिप्स एंड स्नैक्स कंपनी ने नागरिक स्वास्थ्य संघ के साथ मिलकर श्रमिकों के लिए मेगा निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का किया सफल आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : शनिवार, 23 मई 2026 को हावड़ा के प्रतिष्ठित सुधारस फूड पॉली पार्क में एंजॉय पोटैटो चिप्स एंड स्नैक्स कंपनी और नागरिक स्वास्थ्य संघ, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में औद्योगिक श्रमिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु एक वृहद निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का विधिवत शुभारंभ नागरिक स्वास्थ्य संघ के उपाध्यक्ष श्री इंद्र कुमार डागा, कार्यक्रम के मुख्य आयोजक श्री के डी अग्रवाल, श्री पंकज अग्रवाल एवं श्री विशाल अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया. इस अवसर पर औद्योगिक जगत के कई गणमान्य सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे. सुधारस फूड पार्क, जंगलपुर, संकरैल इंडस्ट्रियल पार्क तथा आसपास के विभिन्न कारखानों से आए लगभग 300 महिला एवं पुरुष कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने इस शिविर का लाभ उठाया.

शिविर में निम्नलिखित सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं: सभी प्रतिभागियों की विस्तृत आंखों की जांच की गई. मोतियाबिंद के संदिग्ध मरीजों के लिए ईसीजी एवं शुगर टेस्ट किए गए. जांच के उपरांत 248 पात्र लाभार्थियों को 4 जून 2026 को उच्च गुणवत्ता वाले चश्मे वितरित किए जाएंगे. साथ ही, मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का 7 जून 2026 को गिरीश पार्क स्थित नागरिक स्वास्थ्य संघ नेत्रालय में अत्याधुनिक 'फेको' तकनीक द्वारा निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा. शिविर के मुख्य आयोजक श्री के डी अग्रवाल ने इस पहल को 'सच्ची श्रमिक सेवा' की संज्ञा देते हुए कहा कि सामाजिक दायित्व के निर्वहन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने फूड पार्क एसोसिएशन, इंडियन प्लास्टिक फेडरेशन एवं नागरिक स्वास्थ्य संघ के अमूल्य सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया. नागरिक स्वास्थ्य संघ के उपाध्यक्ष श्री इंद्र कुमार डागा एवं सचिव श्री विकास जायसवाल ने एंजॉय कंपनी के इस मानवीय प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को सीधा लाभ पहुंचेगा, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं अक्सर सीमित होती हैं. श्री पंकज अग्रवाल व श्री विशाल अग्रवाल ने बताया कि उनके पिता श्री के डी अग्रवाल के प्रेरणादायक नेतृत्व में यह सेवा यज्ञ अनवरत जारी है. उन्होंने जानकारी दी कि कोरोना महामारी एवं अम्फान चक्रवात जैसी आपदाओं के दौरान महोसिनी द्वीप और पूर्व मेदिनीपुर के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक दवाइयां, खाद्य सामग्री व अन्य राहत सामग्री पहुंचाई गई थी. अब तक 11 नेत्र शिविरों के माध्यम से 643 लोगों का फेको प्रणाली से सफल ऑपरेशन, 4 शिविरों में 150 दिव्यांग जनों को फंक्शनल आर्टिफिशियल लिंब्स का वितरण, तथा अनेक जरूरतमंदों के हर्निया ऑपरेशन जैसे सेवा कार्य किए जा चुके हैं. औद्योगिक क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने का यह सपना आज साकार हुआ. शिविर के समापन पर एंजॉय कंपनी की टीम द्वारा सभी लाभार्थियों को उपहार स्वरूप गिफ्ट पैकेट भी भेंट किए गए, जिससे उपस्थित श्रमिकों और उनके परिवारों में विशेष उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल देखने को मिला. कंपनी ने भविष्य में भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई.

साउथ हावड़ा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा की वार्षिक आम बैठक संपन्न

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ा : साउथ हावड़ा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा की वार्षिक आम बैठक का आयोजन रविवार, दिनांक 24 मई 2026 को तेरापंथ भवन में श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ. बैठक का शुभारम्भ महामंत्र के समुच्चारण के साथ हुआ. तत्पश्चात सभा के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से सभा गीत प्रस्तुत किया गया. महासभा के आंचलिक प्रभारी श्री शिखरचंद लुणावत ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन कर सभी को संगठन एवं संस्कारों के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा दी. सभा के वर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत बाफना ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों एवं अतिथियों का अभिनंदन किया. मंत्री श्री बसन्त पटावरी ने सभा का वार्षिक मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कोषाध्यक्ष श्री सुशील सुराणा ने आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा सभा के समक्ष रखा. बैठक में सत्र 2026-2028 हेतु एक अध्यक्ष एवं दो न्यासियों के चयन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई. चुनाव अधिकारी श्री सुशील जैन चौरड़िया एवं श्री सुरेश कुमार घोड़ावत ने न्यासी पद हेतु श्री मालचंद नाहटा एवं श्री अनुपचन्द मणोत तथा अध्यक्ष पद हेतु श्री प्रकाशचंद मालू के नाम की घोषणा की. घोषणा के साथ ही उपस्थित सदस्यों ने ओम अर्हम की ध्वनि से नव मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया. इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्षा अंजू चौरड़िया एवं उनकी टीम द्वारा नव मनोनीत अध्यक्ष एवं न्यासियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया. सभा के वर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत बाफना, चेयरमैन न्यासी श्री संजय नाहटा एवं अन्य न्यासीगणों ने नव मनोनीत अध्यक्ष श्री प्रकाशचंद मालू को पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं. कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित निवर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत बाफना, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती अंजू चोरड़िया, तेयुप उपाध्यक्ष श्री विक्रम भंडारी, अणुव्रत समिति हावड़ा अध्यक्ष श्री दीपक नखत, महासभा आंचलिक प्रभारी श्री शिखरचंद लुणावत, पूर्व अध्यक्ष श्री सुशील गिडीया, चेयरमैन न्यासी श्री संजय नाहटा, श्री सुशील चोरड़िया, श्रीमती पुष्पा डागा एवं श्री बसन्त पटावरी सहित अनेक गणमान्य ने नवमनोनित अध्यक्ष एवं न्यासिगण को बधाई संप्रेषित की. पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, सौहार्द एवं संगठनात्मक एकता से ओत-प्रोत रहा. सभा के सभी सदस्यों ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल की मंगलकामना की. नव मनोनीत अध्यक्ष ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए मंत्री पद के लिए श्री बसन्त पटावरी के नाम की घोषणा की. वर्तमान संगठन मंत्री पवन बेंगाणी ने धन्यवाद ज्ञापन किया. वार्षिक आम बैठक का संचालन मंत्री बसन्त पटावरी ने किया.

हुगली के बांसबेड़िया में गंगा मिशन का स्वास्थ्य शिविर, 300 मरीजों का उपचार

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता/ हुगली: गंगा मिशन की ओर से रविवार को हुगली जिले में बांसबेड़िया के आजाद हिंद पार्क स्थित रात्रि आश्रय स्थल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर बांसबेड़िया नगरपालिका के सहयोग से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में गंगा मिशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रह्लाद राय गोयनका, सप्तग्राम विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक स्वराज घोष, वार्ड पार्षद सारिका सिंह, पार्षद अमित घोष, मगरा-1 ग्राम पंचायत के उप प्रधान रघुनाथ भौमिक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.शिविर की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ की गई. शिविर में करीब 300 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया.शिविर में आए सभी मरीजों की ब्लड प्रेशर, ईसीजी एवं ब्लड शुगर जांच निःशुल्क की गई. जरूरतमंदों के बीच दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया. नेत्र परीक्षण के दौरान 90 मरीजों की नजर कमजोर पाई गई, इन्हें चश्में निःशुल्क दिए जाएंगे. 20 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जिनके ऑपरेशन आगामी 30 जून को मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल में किए जाएंगे. इस अवसर पर गंगा मिशन की ओर से घोषणा की गई कि आने वाले दिनों में इसी फुटबॉल मैदान में बच्चों और युवाओं के लिए फुटबॉल, क्रिकेट और खो-खो का प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया जाएगा. गंगा मिशन के राष्ट्रीय सचिव प्रह्लाद राय गोयनका ने कहा कि संस्था समाज सेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है तथा भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियां जारी रहेंगी. गंगा मिशन के प्रतिनिधि सरदार ज्योति सिंह ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत पाल, डॉ. ओवैद आलम का योगदान सराहनीय रहा.

श्रीमद्भागवत् कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव शुरू

भागवत कथा साक्षात कल्पवृक्ष : गोपाल कृष्ण शास्त्री

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: रविवार, 24 मई से महानगर के शॉर्ट स्ट्रीट में श्रीमद्भागवत् कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव का आगाज हो गया. कथावाचक गोपाल कृष्ण शास्त्री के कथा वाचन से पहले रविवार को श्रीमद् भागवत जी की शोभायात्रा निकली. मंगल कलश लिए भारी संख्या में महिलाएं मीरा मन्दिर (मोयरा स्ट्रीट) से कथा स्थल पर पहुंचीं. अपराह्न 3.00 बजे से श्रीमद्भागवत महात्म्य एवं मंगला चरण हुआ. भागवत कथा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा साक्षात कल्पवृक्ष है, जिसके श्रवण मात्र से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और जीव परम धाम को प्राप्त होता है. कथा के दौरान उन्होंने बालकृष्ण की लीलाओं, गोवर्धन पूजा, रुक्मिणी विवाह और श्रीकृष्ण के उपदेशों को अत्यंत सरस और संगीतमय रूप में प्रस्तुत किया. रविवार को कथा सुनने के लिए पहले भारी संख्या में भक्त पहुंचे. कार्यक्रम सूची के अनुसार सोमवार, 25 मई को वे शिव विवाह महोत्सव, श्री शुकदेव जी आगमन, कपिल-देवहूति संवाद, सती चरित्र एवं भीष्म स्तुति करेंगे. मंगलवार, 26 मई को ध्रुव चरित्र, पृथु चरित्र, भूगोल खगोल, नाम महिमा और प्रह्लाद चरित्र की कथा कही जायेगी. बुधवार, 27 मई गजेन्द्र मोक्ष, वामन अवतार श्री राम जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्मोत्सव व नन्दोत्सव और बृहष्पतिवार, 28 मई श्रीकृष्ण बाल लीला, कालिया मर्दन, श्री गिरिराज पूजन एवं छप्पन भोग का आयोजन होगा. शुक्रवार, 29 मई को महारास लीला, कंस वध, उद्धव प्रसंग रूक्मिणी विवाह का प्रसंग बताया जायेगा और एवं फूलों की होली खेली जायेगी. शनिवार, 30 मई को मुक्ति स्कंद, सुदामा चरित्र श्री शुकदेव जी विदाई होगी. रविवार, 31 मई को हवन एवं पूर्णाहुति होगी. इसके अलावा भण्डारा एवं महाप्रसाद का वितरण होगा. कथा के आयोजक हैं चंडी प्रसाद अग्रवाल, कमल कुमार गोयनका, राम निरंजन गोयनका, प्रेम रतन गोयनका, महेश - ओमप्रकाश अग्रवाल और प्रदीप खेतान. मालूम हो कि गोपाल कृष्ण शास्त्री जी महाराज (श्री गिरिराज सेवा ट्रस्ट) श्रीधाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक हैं. अपनी मधुर और संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के लिए वे विख्यात हैं. उनकी कथाओं में संगीत, भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम होता है.

कोलकाता हिंदी पत्रकारिता की जन्मभूमि ही नहीं गौरव भूमि भी है

भारतीय भाषा परिषद में उदंत मार्तंड द्वि-शताब्दी समारोह संपन्न

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : कोलकाता हिंदी पत्रकारिता की जन्मभूमि ही नहीं गौरवभूमि भी है. 1826 से उदंत मार्तंड ने जो बीज बोया और हिंदी पत्रकारिता ने शिखर छुए वह आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के युग में कई चुनौतियों के सामने है. भारतीय भाषा परिषद में आज हिंदी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दी के अवसर पर लेखकों और पत्रकारों ने प्रिंट मीडिया के भविष्य पर चर्चा की. डॉ. कुसुम खेमानी का स्वागत वक्तव्य श्रीमती बिमला पोद्दार ने प्रस्तुत किया. आरंभ में वरिष्ठ लेखक और 'वागर्थ' के संपादक शंभुनाथ ने कहा कि हर महान स्मृति पुनर्निर्माण की प्रेरणा है. उदंत मार्तंड का उद्देश्य वाक्य 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' एक बड़ी प्रेरणा है. आज डिजिटल मीडिया में झूठ और फेक चीजें चरम पर हैं. इसलिए पाठकों की दृष्टि में प्रिंट मीडिया आज भी डिजिटल मीडिया से अधिक विश्वसनीय है. वरिष्ठ पत्रकार और लेखक ओम थानवी ने कहा कि हिंदी पत्र आज भी बड़े पैमाने पर पढ़े जा रहे हैं. मीडिया के दबाव ने आज अखबार को गोरखधंधे में धकेल दिया है. पता ही नहीं चलता कि अखबार समाज के साथ है या सरकार के. इस सत्र का संचालन करते हुए श्रद्धांजलि सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का कमजोर होना लोकतंत्र का कमजोर होना है. धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आशीष झुनझुनवाला ने कहा कि अखबारों का लोकतंत्र के प्रति जिम्मदारी आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है. दूसरे सत्र में वरिष्ठ पत्रकार गंगा प्रसाद ने कहा कि आज पत्रकारों को निर्देश है कि पॉजिटिव खबर लिखें. आज पेड न्यूज का बाजार इतना गर्म है कि पता ही नहीं चलता कि यह खबर है या विज्ञापन है. अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के निदेशक जवाहर कर्णावट ने विदेशों में हिंदी पत्रकारिता पर विस्तार से बात की. उन्होंने कहा कि विदेशी हिंदी पत्रकारिता उस जमाने में भी हिंदुस्तानियों के हित की बात करती थी. सत्याग्रह शब्द 'इंडियन ओपिनियन' पक्ष की देन है. स्कॉटिश चर्च कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर गीता दूबे ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा खंभा आज काफी संकट में है. वहीं खिदिरपुर कॉलेज की प्रोफेसर इतु सिंह ने पत्रकारिता के क्षेत्र में स्त्री पत्रकारों की उपस्थिति से अवगत कराया. वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन ने अध्यक्षीय वक्तव्य रखते हुए अतीत की हिंदी पत्रकारिता की साहसपूर्ण अभिव्यक्ति पर चर्चा की और कहा कि पहले अखबार कमजोरों की आवाज हुआ करता था और आज वह मजबूतों का बयान बना हुआ है. आरबीसी सांध्य कालेज की हिंदी प्रोफेसर कलावती ने इस सत्र का संचालन किया. इस अवसर पर संयोजक संजय जायसवाल के संपादन में भारतीय भाषा परिषद की ओर से 'हिंदी पत्रकारिता: अतीत और भविष्य' पुस्तक का लोकार्पण किया गया. इस अवसर पर घनश्याम सुगला और शालीन खेमानी भी उपस्थित थे. सुशील कांति ने धन्यवाद ज्ञापन दिया. दूसरे सत्र में शोध संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ. शोध संवाद सत्र की अध्यक्षता डॉ. अभिज्ञात ने किया तथा डॉ मधु प्रभा सिंह एवं डॉ सुषमा सिंह पाटलिपुत्र कॉलेज पटना, बृजेश प्रसाद, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, रूपल साव, विद्यासागर विश्वविद्यालय, प्रीतम रजक, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पूर्णिमा हरि, कल्याणी विश्वविद्यालय और रविकांत कुमार, विश्वभारती विश्वविद्यालय ने आलेख पाठ प्रस्तुत किया. इस सत्र का संचालन लिली शाह ने किया. सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन के सदस्यों के तीन समूहों ने कविता कोलाज प्रस्तुत किया. इसमें डॉ. इतु सिंह, अनिता राय, श्रद्धांजलि सिंह, रामशंकर सिंह, मनीषा गुप्ता, नमिता जैन, सुशील पांडेय, पूजा गुप्ता, प्रमोद कुमार, टीना परवीन, इबरार ख़ान, सुषमा कुमारी, सूर्य देव रॉय, विशाल कुमार साव, आदित्य तिवारी, कंचन भगत, आशुतोष राउत, अंजलि कुमारी, निधि सिंह, आदित्य पासवान, कुसुम भगत, स्वीटी महतो, संजय जायसवाल, अनुश्री साव, अंजलि साव, पूजा साव, पूजा कुमारी, सुष्मिता नायक, प्रिया गुप्ता, प्रतिभा साव, सन्नी साव, अरबाज ख़ान, संतोष केवट, सुमित्रा, सोना, अनामिका, सुमन, प्रीति और सिमरन ने हिस्सा लिया. देबजानी अदक एकादमी फॉर डांस और प्रज्ञा झा तथा स्नेहा मिश्रा द्वारा नृत्य प्रस्तुति हुई. इसके अलावा आरिस्ता प्रकाश, राघव डागा और रौनक भटाचार्जी ने संगीत प्रस्तुत किया. सम्मान सत्र में श्री रामनिवास द्विवेदी, डॉ मंजुरानी सिंह, डॉ अवधेश प्रसाद सिंह ने शंभुनाथ जी का अभिनंदन किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में कोलकाता एवं उपनगरीय क्षेत्र से आए साहित्य एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित थे.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन